Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Tuesday, 19 March 2024 ● Year : 02 ● Issue : 62 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

कांच का कटोरा, नेत्रों का जल, मोती और मन, ये एक बार टूटने पर पहले जैसे नहीं रह जाते। अत: सावधानी बरतनी चाहिए।

लोकोक्ति

क्रू के ट्रेलर लॉन्च में तब्बू ने की शिकायत

SHARE

सेंसेक्स	:	72,748.42
निफ्टी	:	22,055.70

SARAFA

सोना	:	6,195
चांदी	:	80.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

इफ्तार (मंगलवार): 06.04
सेहरी (बुधवार) : 04.40

BRIEF NEWS

अवैध खनन मामले में साहिबगंज पहुंची सीबीआई

SAHIBGANJ : 1000 करोड़ के अवैध खनन व मनी लाउंड्रिंग मामले में 108 दिन बाद एक बार फिर सीबीआई की टीम साहिबगंज पहुंची। रविवार की शाम ही सीबीआई के अधिकारी साहिबगंज पहुंच गये थे। ईडी के गवाह रहे नींबू पहाड़ प्रधान विजय हांसदा के एसटी-एससी केस में कुछ माह के भीतर पांचवीं बार सीबीआई यहां पहुंची। सोमवार की अहले सुबह सीबीआई की टीम ने डीएमओ कृष्णा किस्कू के साथ मंडरो अंचल के सिमरिया मौजा की ओर रुख की। वहां करीब दो घंटे तक टीम रुकी। इसके बाद सिमरिया मौजा स्थित एक पत्थर खदान की मापी करायी गयी। इसके लिए अमीन बुलाये गये थे। मापी के दौरान खदान में पानी होने के कारण उसकी गहराई की मापी के लिए गोताखोर को बुलाया गया। खदान की लंबाई, चौड़ाई की मापी के बाद गोताखोर के सहारे तालाब की गहरायी की मापी ली गयी।

तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई का इस्तीफा

HYDERABAD : तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। तेलंगाना राजभवन के आधिकारिक बयान के अनुसार, तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने तेलंगाना के राज्यपाल पद के साथ-साथ पुडुचेरी की उपराज्यपाल पद से भी इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेज दिया है। इसकी पुष्टि की गई कि राष्ट्रपति ने इस्तीफे को मंजूरी दे दी है।

कोलकाता में 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी, 8 की मौत

KOLKATA : पश्चिम बंगाल के कोलकाता में रविवार देर रात एक 5 मंजिला अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग गिर गई। सुबह तक इसमें 2 लोगों के मौत की खबर थी अब यह आंकड़ा 8 हो गया है। घटना साउथ कोलकाता के मेटियाब्रुज की है। अब तक 13 लोगों का रेस्क्यू किया जा चुका है। मलबे में कई और लोगों के दबे होने की आशंका है। उधर, सोमवार सुबह बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भी हादसे वाली जगह पर पहुंचीं। पुलिस के मुताबिक घटना के समय बिल्डिंग खाली थी। इसके बगल में झुग्गियां हैं, जिन पर बिल्डिंग गिर गई। वहां लोग सो रहे थे। लोगों की तलाश करने के लिए मलबे को गैस कटर से काटकर हटाया जा रहा है।

तेज रफ्तार का कहर : कार ने खड़ी ट्रक को मारी टक्कर, 4 की मौत

चांडिल थाना क्षेत्र के एनएच-33 पर हादसा, क्रेन की मदद से शवों को निकाला गया बाहर, सभी मृतक आदित्यपुर के

PHOTON NEWS CHANDIL : झारखंड के सरायकेला खरसावां जिले में सोमवार को दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। चांडिल थाना क्षेत्र के कांदरबेड़ा मोड़ के पास रोड एक्सीडेंट में चार कार सवारों की मौत हो गई। ये हादसा एनएच-33 पर हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से शवों को कार से बाहर निकाला। हादसे की खबर सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों की मानें, तो कार की रफ्तार काफी तेज थी। यही वजह है कि कार ने सड़क किनारे खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। इससे कार अनियंत्रित होकर पलट गयी और सभी चारों कार सवारों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। चांडिल थाना प्रभारी वरुण कुमार यादव ने बताया कि चारों का शव एमजीएम अस्पताल भेजा गया, जहां इन शवों का पोस्टमार्टम हुआ। चारों मृतक आदित्यपुर के रहनेवाले थे। बताया जा रहा है कि कार सवार जमशेदपुर से चांडिल की ओर आ रहे थे। जहां, तेज रफ्तार कार खड़ी ट्रक से टकराकर पलट गयी। इसमें कार के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद स्थानीय लोग पहुंचे और इसकी सूचना चांडिल पुलिस को दी।

- हादसे के बाद कार के उड़े परखच्चे
- हादसे की खबर सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुटे
- टक्कर के बाद अनियंत्रित होकर पलटी कार
- कार सवारों युवकों ने मौके पर ही तोड़ दिया दम

दर्दनाक हादसा... जमशेदपुर से चांडिल की ओर जा रहे थे कार सवार युवक

बताया जा रहा है कि कार सवार जमशेदपुर से चांडिल की ओर जा रहे थे। कार की रफ्तार काफी तेज थी। कांदरबेड़ा के पास सड़क किनारे ट्रक खड़ा था। उसे टक्कर मारते ही कार सड़क किनारे पलट गयी। इससे मौके पर ही चारों की मौत हो गयी। घटना के बाद समाजसेवी दिलीप महतो मौके पर पहुंचे और कार सवारों को कार से निकालने का प्रयास किया, लेकिन वे असमर्थ दिखे। इसके बाद उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी चांडिल पुलिस को दी। खबर मिलते ही पुलिस पहुंची और क्रेन की मदद से मृतकों को कार से बाहर निकाला। इस दौरान स्थानीय लोगों से पुलिस ने मामले की जानकारी ली। कार में मिली लर्निंग लाइसेंस के अनुसार मृतकों के नाम अभय रंजन सिंह, सूरज आर्यन, संस्कार मिश्रा एवं नवनीत शर्मा हैं। ये आदित्यपुर बाबा आश्रम रोड नंबर एस/12 के रहनेवाले थे।

घटनास्थल पर कार में चारों युवक दबे हुए थे

स्थानीय ग्रामीण शेखर गांगुली ने बताया कि हादसे के बाद घटनास्थल पर कार में चारों युवक दबे हुए थे। कार की रफ्तार काफी तेज थी। इससे खड़े ट्रक को पीछे से टक्कर मारने के बाद कार अनियंत्रित हो गयी। उन्होंने बताया कि मौके पर ही चारों कार सवारों की मौत हो गयी। ये हादसा काफी दर्दनाक था।

इंडी अलायंस की रैली का प्रधानमंत्री मोदी ने दिया जवाब, कहा

मेरे लिए मां-बेटी शक्ति का रूप रक्षा में जान की बाजी लगा दूंगा

AGENCY HYDERABAD : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को तीन राज्यों तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु के दौरे पर थे। तेलंगाना के जगतियाल में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने 17 मार्च की इंडी अलायंस की रैली का जवाब दिया। मोदी ने कहा- मुंबई में इंडी अलायंस की रैली में उन्होंने अपना घोषणा पत्र जारी किया, जिसमें कहा गया है कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। मेरे लिए तो हर मां-बेटी शक्ति का रूप है। मैं इनको शक्ति के रूप में पूजता हूं और इनकी रक्षा के लिए जान की बाजी लगा दूंगा। पीएम ने कर्नाटक के शिवमोगा में भी कहा- इंडी अलायंस के लोग हिंदू धर्म में समाहित शक्ति को समाप्त करना चाहते हैं। हिंदू समाज जिन्हें शक्ति मानता है, उस शक्ति के विनाश का ऐलान कर दिया है। अगर शक्ति विनाश का उनका ऐलान है, तो शक्ति उपासना का मेरा भी ऐलान है।

तेलंगाना के जगतियाल में महिलाओं का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

कांग्रेस ने तेलंगाना के सपनों का कत्ल किया : प्रधानमंत्री

पीएम ने कहा- मुंबई में इंडी अलायंस की रैली थी। चुनाव घोषित होने के बाद इंडी अलायंस की ये पहली और उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण रैली थी। उस रैली में उन्होंने अपना घोषणा पत्र जारी किया और उनके घोषणा पत्र का ऐलान है कि मेरी (इंडी अलायंस) लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। हम सब शक्ति की आराधना करते हैं। हमने चंद्रयान की सफलता को भी शिव शक्ति नाम देकर शक्ति को समर्पित किया है। एक ओर शक्ति के विनाश की बात करने वाले लोग हैं। दूसरी ओर शक्ति की पूजा करने वाले लोग हैं। मुकाबला 4 जून को हो जाएगा कि कौन शक्ति का विनाश कर सकता है और कौन शक्ति का आशीर्वाद प्राप्त कर सकता है। मोदी ने कहा-एक ओर वो कांग्रेस पार्टी है, जिसने तेलंगाना के सपनों को कुचला। दूसरी ओर बीआरएस है, जिसने यहां के लोगों की भावनाओं का इस्तेमाल किया, सत्ता पाई और बाद में जनता से ही विश्वासघात किया। तेलंगाना निर्माण के पहले 10 वर्षों तक बीआरएस ने तेलंगाना को जमकर लूटा। अब कांग्रेस ने तेलंगाना को एटीएम स्टेट बना लिया है। परिवारवादियों का पूरा इतिहास उठाकर देख लीजिए। देश में जितने भी बड़े घोटाले हुए हैं, उनके पीछे कोई न कोई परिवारवादी पार्टी ही मिलेगी। बीआरएस और कांग्रेस एक दूसरे के लिए चाहे कितनी भी कवर फायर कर लें, इनकी एक एक लूट का हिसाब होता रहेगा।

पीएम मोदी ने मेरी बातों का गलत अर्थ निकाला : राहुल

पीएम मोदी की स्पीच के बाद राहुल ने सोशल मीडिया पर अपने शक्ति वाले बयान का स्पष्टीकरण जारी करते हुए एक्स पर लिखा- मोदी जी को मेरी बातें अच्छी नहीं लगतीं, किसी न किसी तरह उन्हें घुमाकर वह उनका अर्थ हमेशा बदलने की कोशिश करते हैं क्योंकि वह जानते हैं कि मैंने एक गहरी सच्चाई बोली है। जिस शक्ति का मैंने उल्लेख किया, जिस शक्ति से हम लड़ रहे हैं, उस शक्ति का मुखौटा मोदी जी हैं। वह एक ऐसी शक्ति है जिसने आज, भारत की आवाज को, भारत की संस्थाओं को, सीबीआई, ईडी व आईटी को, चुनाव आयोग को, मीडिया को, भारत के उद्योग जगत को, और भारत के समूचे संवैधानिक ढांचे को ही अपने चंगुल में दबोच लिया है।

रांची के करमटोली चौक पर दोपहर के समय छाया अंधेरा।

बदला मौसम का मिजाज रांची में झमाझम बारिश आज ओलावृष्टि का अलर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची में सोमवार को मौसम का मिजाज दोपहर बाद अचानक बदल गया और झमाझम बारिश होने लगी। तेज हवाओं की वजह से राजधानी की सड़कों पर कई पेड़ गिर गये। बारिश शुरू होने के थोड़ी ही देर बाद रांची में बिजली गुल हो गयी। दिन में ही मौसम का मिजाज बदल गया था। करीब तीन बजे घुप अंधेरा छा गया। तेज हवाएं चलने लगीं, बिजली चमकने लगी। इसके साथ बारिश का दौर शुरू हो गया। मौसम विभाग ने बारिश, वज्रपात व ओलावृष्टि को लेकर अलर्ट जारी किया है। राज्य में 21 मार्च तक बारिश के आसार हैं। 19 मार्च को रांची समेत कई जिलों में भारी बारिश, वज्रपात व ओलावृष्टि को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने अपने पूवार्नुमान में बताया है कि 22 से 24 मार्च तक मौसम मुख्यतः साफ रहेगा। मौसम शुष्क रहेगा। राज्य के गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़ जिले के कुछ भागों में गरज के साथ बारिश की संभावना है। इस दौरान वज्रपात की भी आशंका है। कुछ स्थानों पर तेज हवाएं भी चल सकती हैं। धनबाद, बोकारो व देवघर जिले के कुछ भागों में हल्के से मध्यम दर्जे का मेघ गर्जन के साथ बारिश के आसार हैं। वज्रपात भी आशंका है। इस दौरान कुछ स्थानों पर 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

- तेज हवाओं के कारण राजधानी की सड़कों पर कई पेड़ गिरे
- बारिश शुरू होने के थोड़ी ही देर बाद रांची में बिजली गुल
- दोपहर करीब तीन बजे छाया घुप अंधेरा
- राज्य में गरज के साथ बारिश व वज्रपात की आशंका
- 22 से 24 मार्च तक मौसम साफ व शुष्क रहेगा
- 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हवाएं

21 मार्च तक सारी जानकारी दे एसबीआई : सुप्रीम कोर्ट

इलेक्टोरल बॉन्ड के नंबर बताएं, हलफनामा दें- कोई जानकारी नहीं छिपाएं

AGENCY NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एसबीआई से कहा कि वह इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी हर जानकारी 21 मार्च तक दे। सुप्रीम कोर्ट ने नए आदेश में उन यूनीक बॉन्ड नंबर्स के खुलासे का भी आदेश दिया, जिनके जरिए बॉन्ड खरीदने वाले और फंड पाने वाली राजनीतिक पार्टी का लिंक पता चलता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 21 मार्च की शाम 5 बजे तक एसबीआई के चेयरमैन एक एफिडेविट भी दाखिल करें कि उन्होंने सारी जानकारी दे दी है। सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच ने कहा कि एसबीआई जानकारियों का खुलासा करते वक्त सिलेक्टिव नहीं हो सकता। इसके लिए आप हमारे आदेश का इंतजार न करें। सीजेआई ने कहा- एसबीआई चाहती है हम ही उसे बताएं किसका खुलासा करना है, तब वे बताएंगे। ये रवैया सही नहीं है। बॉन्ड के यूनीक नंबर्स न होने पर कोर्ट ने 16 मार्च को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को नोटिस देकर 18 मार्च तक जवाब मांगा था। कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी एसबीआई से मिली जानकारी तुरंत अपलोड करने निर्देश दिया है।

राजनीतिक पार्टियों ने मांगे बॉन्ड्स के यूनीक नंबर्स

चुनाव आयोग की वेबसाइट पर मौजूद डेटा के मुताबिक, कुछ राजनीतिक पार्टियों ने एसबीआई से बॉन्ड्स के यूनीक नंबर्स मांगे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने कहा है कि उसे नंबर्स चाहिए ताकि वह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कर सके। भाजपा ने एसबीआई से ऐसी कोई अपील नहीं की है। बहुजन समाज पार्टी ने कहा कि उसे चुनावी बॉन्ड के जरिए कोई चंदा नहीं मिला है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने भी कहा कि उसे भी इलेक्टोरल बॉन्ड्स से चंदा नहीं मिला। कांग्रेस ने कहा कि वह एसबीआई द्वारा चुनाव आयोग को दिया गया डेटा जारी करेगी।

हेमंत साथ नहीं, हमें और ताकत की जरूरत : कल्पना

RANCHI : वायनाड सांसद राहुल के भारत जोड़ो न्याय यात्रा के अंतिम दिन (17 मार्च) मुंबई में आयोजित जनसभा में इंडी गठबंधन की तरफ से जेएमएम की ओर से भाग लेने कल्पना मुर्मू सोरेन गयी थी। सोमवार को रांची एयरपोर्ट पहुंचने के दौरान कहा की हमारी लड़ाई लंबी है और हमे अभी बहुत ताकत की जरूरत है। हेमंत सोरेन हमारे साथ नहीं हैं। गठबंधन मजबूती के साथ चुनावी मैदान में उतरेगा। जिसकी शुरूआत कल से हम लोग कर रहे हैं। गांडेय विधानसभा से अभी हमारी उम्मीदवारी तय नहीं हुई है। पार्टी जो तय करेगी उसपर काम किया जाएगा। निर्वाचन आयोग ने लोकसभा के आम चुनाव की अधिसूचना जारी करने के साथ ही देश की 26 सीटों पर होने वाले उपचुनावों के तारीखों का एलान कर दिया है।

बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए एनडीए में सीटों का बंटवारा, पशुपति पारस की पार्टी को एक भी सीट नहीं

भाजपा-17, जदयू-16, चिराग-5 व मांझी-कुशवाहा को 1-1 सीट

AGENCY BIHAR : बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए एनडीए में सीटों का बंटवारा हो गया है। बीजेपी 17 और जेडीयू 16 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। वहीं, चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) को 5, जीतन राम मांझी की पार्टी हम और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी आरएलएम को 1-1 सीट मिली है। हम को गया और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को काराकाट सीट दी गई है। इसका ऐलान सोमवार को दिल्ली में किया गया। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि चिराग के चाचा पशुपति पारस की पार्टी रालोजपा को एक भी सीट नहीं दी गई है। प्रेस कांफ्रेंस में भी उनकी पार्टी का कोई नेता मौजूद नहीं था।

नरेंद्र मोदी।

नीतीश कुमार

चिराग पासवान

जीतन राम मांझी

उपेंद्र कुशवाहा

पशुपति पारस

भाजपा इन सीटों पर लड़ेगी

भारतीय जनता पार्टी पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, औरंगाबाद, अररिया, मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, महाराजगंज, सारण, उजियारपुर, बेगूसराय, नवादा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर और सासाराम लोकसभा सीट पर अपने उम्मीदवार उतारेगी।

जदयू इन सीटों पर उतरेगी

जनता दल (यूनाइटेड) वाल्मीकिनगर, सीतामढ़ी, झंझारपुर, सुपौल, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, मधेपुरा, गोपालगंज, भागलपुर, बांका, मुंगेर, नालंदा, जहानाबाद, सीवान और शिवहर से अपने उम्मीदवार उतारेगी।

चिराग यहां करेंगे दावेदारी

चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) हाजीपुर, जमुई, वैशाली, समस्तीपुर और खगड़िया सीट दी गई हो। उपेन्द्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा को कारकाट लोकसभा सीट दी गई है। वहीं गया सीट जीतनराम मांझी की हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के खाते में आई है।

40 जीतेंगे : जदयू

जदयू के संजय झा ने कहा कि सारा एलायंस फिक्स हो गया है। 2019 में जब हम लोग लड़ रहे थे तो किसी भी सीट में 2 लाख से कम जीत की मार्जिन नहीं थी। अभी तो सब कुछ वन वे है। कहीं कुछ है नहीं। डबल इंजन की सरकार में बिहार में बड़ा काम होगा। चुनाव में बिहार 40 में 40 सीटें एनडीए जीतेगा।

चुनाव आयोग के निर्देश पर झारखंड समेत 6 राज्यों के गृह सचिव हटाए गए

पश्चिम बंगाल के डीजीपी को भी हटाया, एक से ज्यादा पदों पर थे तैनात

AGENCY NEW DELHI : चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव की घोषणा के दो दिन बाद सोमवार को पश्चिम बंगाल के डीजीपी समेत 7 राज्यों के गृह सचिव को हटा दिया। बंगाल के डीजीपी के अलावा 6 राज्यों- गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के गृह सचिव का नाम भी लिस्ट में शामिल हैं। झारखंड के गृह सचिव अरवा राजकमल को गृह सचिव के पद से हटा दिया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के बाद झारखंड सरकार ने यह निर्णय लिया है। कार्मिक विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया। आयोग ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) कमिश्नर इकबाल सिंह चहल और मिजोरम के एक आईएएस अफसर को भी हटाने को कहा है। महाराष्ट्र सरकार ने एक दिन पहले चुनाव आयोग से बीएमसी कमिश्नर को तबादले से छूट देने की अपील की थी। हालांकि, ईसीआई ने ये अपील खारिज कर दी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू की सोमवार दोपहर में बैठक के बाद यह फैसला लिया गया। जिन अधिकारियों को हटाया गया है, उनके पास संबंधित राज्यों में मुख्यमंत्री के कार्यालय में दोहरे प्रभार थे। इसलिए इन अफसरों को हटाया गया है। पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार पहले भी विवादों में रहे हैं। शारदा चिटफंड घोटाले से जुड़े केस में सीबीआई की टीम 3 फरवरी 2019 को कुमार के घर पूछताछ करने के लिए गई थी तो टीम को रोका गया था।

अरवा राजकमल की फाइल फोटो।

BRIEF NEWS

यूनानी डॉक्टर हाफिज नवाब नेसार खान का निधन

RANCHI : यूनानी डॉक्टर हाफिज नवाब नेसार खान (70) का निधन हो गया। मिट्टी मंजिल आज 18 मार्च 2024 दिन के दस बजे बरियातू कब्रिस्तान में नमाज जनाजा अदा की गई और वहीं सुपुर्द ए खाक किया गया। लोगों ने कहा कि डॉक्टर साहब जितने अच्छे डॉक्टर थे उतना ही अच्छा उनका दिल था। खामुशी के साथ काम करने वाले थे। ज्ञात हो की डॉक्टर साहब बरियातू स्तिथ अपने आवास पर आखरी सांस ली। जैसे ही लोगों को पता चला कि डॉक्टर साहब का इंतकाल हो गया तो लोग उनके घर के तरफ चल पड़े। यह अपने पीछे एक बेटा डॉक्टर गुलाब खान, बेटी समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गए।

चंद्रवंशी होली मिलन समारोह का किया गया आयोजन

RANCHI : चंद्रवंशी दुर्गा मंदिर ट्रस्ट पहाड़ी में चंद्रवंशी होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया इस अवसर पर समाज के लोगों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी कार्यक्रम के संयोजक प्रेम वर्मा बजरंग वर्मा रविंद्र वर्मा ने आए अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि चंद्रवंशी समाज हमेशा सामाजिक कार्यों में बढ़-कर कर हिस्सा लेता है जहां पर भी लोगों को चंद्रवंशी समाज की जरूरत होती है समाज हमेशा अग्रणी भूमिका में रहता है। उन्होंने कहा कि चंद्रवंशी समाज से मेरा विशेष लगाव है और जब भी समाज के लोग मुझे बुलाते हैं मैं सबसे पहले उनके पास जाता हूं और हमेशा चंद्रवंशी समाज के बीच जाने के लिए व्याकुल रहता हुं।

व्यवसायियों को मिले पुलिस सुरक्षा : चैंबर

HAZARIBAGH : शहर में बढ़ते अपराध पर नियंत्रण और कालीबाड़ी रोड स्थित गीतांजलि ज्वेलर्स में हुई लूट कांड में शामिल बदमाशों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं व्यवसायियों को पूर्ण पुलिस सुरक्षा प्रदान किए जाने की मांग सोमवार को फेडरेशन आफ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने किया है। फेडरेशन के अध्यक्ष शंभू प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि पुलिस के चौकस नहीं रहने से शहर में अपराध बढ़ रहा हैं। इससे व्यवसायी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

रबदा में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन, पंसस मीना, मुन्ना और अज्ञात पर एफआइआर

PALAMU : लोकसभा चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी होने के बाद सभी तरह के निर्माण कार्य पर रोक लगा दी गई है। बावजूद रविवार को पलामू जिले के चैनपुर प्रखंड के रबदा गांव में 15वीं वित्त आयोग से पीसीसी सड़क निर्माण की आधारशिला रखी गई। मामले में आदर्श आचार संहिता उल्लंघन को लेकर चैनपुर के बीडीओ नीतीश कुमार भास्कर ने मामला दर्ज कराया है। रबदा पंचायत समिति सदस्य मीना कुमारी एवं कंकारी के पंचायत समिति सदस्य मुन्ना कुमार सहित कई अज्ञात लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कराया गया है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित

आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने पर की की जाएगी कानूनी कार्रवाई : डीसी

PHOTON NEWS KHUNTI : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभा कक्ष में सोमवार को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन किया गया।

इस दौरान लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत 11-खूंटी(अजजा) के निर्वाचन के लिए निर्गत अधिसूचना के संबंध में प्रतिनिधियों को विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही निर्देश दिया गया कि किसी भी स्थिति में एमसीसी (मॉडल कोड आफ कंडक्ट) का उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए, अन्यथा भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मौके पर मतदान केंद्र भवन का परिवर्तित नाम एवं जर्जर मतदान केंद्र भवन के परिवर्तित स्थान के नाम की जानकारी दी गई। उपायुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया कि नाम निर्देशन करने की अंतिम तारीख 25 अप्रैल है। नाम निर्देशन की संवीक्षा 26 अप्रैल और नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 29 अप्रैल है। मतदान की तिथि 13 मई एवं मतगणना की तारीख चार जून 2024 निर्धारित की गई है। इसके साथ ही शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के निमित गठित कुल 18 कोषांगों के साथ ही विधानसभा वाइज कुल मतदान केंद्रों की संख्या, मतदाताओं की संख्या के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

बैठक करते उपायुक्त लोकेश मिश्रा व अन्य। ● फोटोन न्यूज

बताया गया कि मतदाताओं को उनके मतदाता सूची में नाम, क्रमांक एवं अन्य जानकारी के लिए टॉल फ्री नंबर 1950 एवं सहायता के लिए जिला स्तर पर हेल्प लाइन नंबर 06528-220056 बनाया गया है। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन लोकसभा आम निर्वाचन को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए कृत संकल्पित है। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान ने एमसीसी के विभिन्न बिंदुओं की जानकारी दी।

उपायुक्त ने बैंक प्रतिनिधियों के साथ की बैठक वित्तीय लेन-देन पर नजर रखने के दिए निर्देश

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय ने समाहरणालय सभागार में आज लोकसभा चुनाव को लेकर विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि चुनाव आयोग के वित्तीय ट्रांजेक्शन से संबंधित सभी दिशा-निदेशों का पालन सुनिश्चित कराएं।

उपायुक्त ने सभी बैंकों के प्रतिनिधि से कहा कि किसी भी खाते में 10 लाख या उससे अधिक के लेने-देन वाले संदेहास्पद खातों पर विशेष नजर रखे तथा इसकी सूचना उपायुक्त कार्यालय को भी दें। साथ ही कहा कि विभिन्न बैंकों के एटीएम में नकद राशि जमा करने वाले एटीएम वैन में सभी संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज व आईडी कार्ड को साथ रखें ताकि किसी प्रकार के जांच के क्रम में स्थिति स्पष्ट हो सके।

उपायुक्त ने सभी बैंक प्रतिनिधियों से अपने-अपने बैंक शाखाओं में मतदाता जागरुकता के लिए वीएएफ (वोटर अवरनेस फोरम) का गठन कर बैंकों में आने वाले लोगों को मतदाता जागरुकता संबंधी जानकारी देने को कहा। वीएएफ के लिए हर बैंक को एक-एक नोडल पदाधिकारी नामित करना और इसकी सूचना देने को कहा।

बैठक में अपर समाहर्ता संतोष कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी मां देव प्रिया, सदर एसडीओ शैलेश कुमार एवं विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

कोर्ट परिसर में युवक ने वकील को पीटा, वकीलों ने किया बवाल

पुलिस के साथ बहस करते वकील लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद कोर्ट परिसर में सोमवार की दोपहर वकीलों ने जमकर बवाल काटा। दरअसल, जमीन विवाद में एक व्यक्ति ने एक वकील की पिटाई कर दी, जिसके बाद वकीलों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपित युवक को हिरासत में ले लिया, जिसके बाद वकील शांत हुए।

घटना के संबंध में पीड़ित वकील परिमल आचार्य ने कहा कि धनबाद के बलियापुर स्थित एक तीन एकड़ चार डिसमिल पुस्तैनी जमीन को लेकर उनका रवि रंजन वर्मा से विवाद चल रहा था। इस विवाद को लेकर रवि रंजन ने अधिवक्ता का पीछा कर उनके साथ कई बार मारपीट करने की भी कोशिश की। साथ ही फोन पर भी उन्हें धमकाया, जिसकी लिखित शिकायत उन्होंने धनबाद बार एसोसिएशन को भी दिया था।

आज जब पीड़ित अधिवक्ता परिमल आचार्य कोर्ट में काम कर रहे थे, उसी वक्त आरोपित रवि रंजन वहां पहुंचा और उनके साथ मारपीट करने लगा। अधिवक्ता के साथ मारपीट होता देख उनके साथी वकीलों ने आरोपित को पकड़ लिया और हंगामा करने लगे। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उक्त युवक को हिरासत में लिया। इसके बाद वकील शांत हुए।

उत्पाद विभाग ने की छापेमारी बड़ी मात्रा में देसी शराब जब्त

जब्त देशी शराब। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त शशि रंजन के निर्देश के आलोक में आसन होली पर्व एवं लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उत्पाद विभाग द्वारा अवैध शराब कारोबारी के विरुद्ध छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। 18 मार्च को जिले के हुसैनाबाद थाना के ईटबांध, घाघरा एवं डंडिला गांव में छापामारी की गई।

कारोबारी द्वारा साजिश के तहत ड्रम की जगह जमीन में गड्ढा खोदकर प्लास्टिक में जावा महुआ तैयार किया जा रहा था, ताकि किसी को पता नहीं चल सके। इन सबके बावजूद उत्पाद विभाग टीम द्वारा जमीन के अंदर छुपाकर रखे जावा महुआ का भंडाफोड़ करते हुए कुल 12 हजार किलोग्राम जावा महुआ तथा 250 लीटर महुआ शराब बरामद किया गया।

छापामारी दल को देखकर अभियुक्त जितेंद्र चौहान, घूरा चौहान, उदय यादव, वीरेंद्र यादव, भोला पासवान, चंदन यादव फरार हो गये व इनके विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया है। इस संबंध में उत्पाद अधीक्षक सुधीर कुमार ने बताया कि लोकसभा चुनाव व होली के दृष्टिगत इस तरह का छापेमारी अभियान लगातार जारी रहेगा।

ईंट लदा डंपर रेलिंग तोड़ पुल के नीचे गिरा, चालक घायल

KHUNTI : खूंटी-रांची मुख्य मार्ग स्थित तजना नदी में सोमवार की सुबह रामगढ से ईंट लेकर खूंटी आ रही एक डंपर का अगला टायर फट गया, जिससे डंफर अनियंत्रित होकर पुल का रेलिंग तोड़ते 20 फीट नीचे गिर गया। इससे डंपर के परखच्चे उड़ गये। दुर्घटना में डंपर चालक सुनील प्रधान भी डंपर के अंदर फंस गया, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से डंपर के केबिन से बाहर निकाला गया। दुर्घटना में चालक के हाथ पर गंभीर चोट लगी है। उसे उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के संबंध में चालक सुनील प्रधान ने बताया कि वह सोमवार सुबह डंपर (जेएच 02 एसी 0912) पर रामगढ़ से ईंट लेकर खूंटी की ओर आ रहा था। तभी तजना नदी में डंपर का आगला एक टायर फट गया, जिससे डंपर अनियंत्रित हो गया और पुल की रेलिंग को तोड़कर पुल के नीचे गिर गया। चालक ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों ने मदद की और उसे डंपर से बाहर निकाला।

सार्वजनिक और निजी स्थानों से बैनर, पोस्टर और झंडे नहीं हटाने पर होगी कार्रवाई : डीसी

PHOTON NEWS DHANBAD : लोकसभा चुनाव में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन करने एवं उस पर 24 घंटे निगरानी रखने के उद्देश्य से सोमवार को न्यू टाउन हॉल में स्टेटिक सर्विलांस टीम, फ्लाइंग स्क्वाड टीम, वीडियो व्यूइंग टीम, वीडियो सर्विलेंस टीम एवं एकाउंटिंग टीम को प्रशिक्षण दिया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि 16 मार्च को लोकसभा चुनाव की घोषणा होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। इसके लागू होते ही निजी एवं सार्वजनिक स्थानों से सभी राजनीतिक दलों के बैनर, पोस्टर, झंडे, फोटो, पेंटिंग इत्यादि हट जाने चाहिए। ऐसा नहीं होने पर इसे एमसीसी का उल्लंघन माना जाएगा और आयोग के नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि आदर्श आचार संहिता के साथ-साथ जिले में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा भी लागू है। अब किसी भी सार्वजनिक आयोजन के लिए अनुमति लेना अनिवार्य है। आयोजक सुविधा पोर्टल पर आसानी से आवेदन देकर अनुमति प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए जिले में 12 चेक नाका बनाए गए हैं। यहां 24 घंटे टीम मौजूद रहेगी।

वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देश के अनुसार निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करना सबका दायित्व है। उन्होंने फ्लाइंग स्क्वायड टीम को एमसीसी का उल्लंघन होने पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि चुनाव में किसी प्रकार के धनबल का उपयोग होने नहीं दिया जाएगा। सी-विजील पर प्राप्त शिकायत का समय के अंदर समाधान करना है। उन्होंने सभी टीम को सतर्क रहकर कार्य करने का निर्देश दिया।

एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग सेल के वरीय पदाधिकारी सह डीसी कॉमर्शियल टैक्स गालीब अंसारी ने सभी टीम को आदर्श आचार संहिता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि राजनैतिक दल या अभ्यर्थी को चुनाव प्रचार के लिए सभा एवं जुलूस के लिए अनुमति लेना अनिवार्य है। इसके लिए वे सुविधा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन दाखिल कर सकते हैं। सभी सार्वजनिक मैदान, सभा भवन जो सरकारी है वह समान रूप से सभी प्रत्याशी के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके लिए पहले आओ पहले पाओ की नीति पर अनुमति प्रदान की जाएगी।

प्रशिक्षण के दौरान सी-विजील के नोडल पदाधिकारी सह आईटी मैनेजर रुपेश मिश्रा ने बताया कि एप के माध्यम से किसी भी अभ्यर्थी या राजनीतिक दल द्वारा प्रलोभन देना, पैसा बांटना, मादक पदार्थों को बांटना या किसी भी अन्य प्रकार की आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए का फोटो एवं वीडियो को अपलोड किया जा सकता है।

प्रशिक्षण में लोगों को संबोधित करतीं अतिथि। ● फोटोन न्यूज

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को बीस वर्ष सश्रम कारावास, 20 हजार जुर्माना

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के अपर जिला और सत्र न्यायाधीश चतुर्थ व स्पेशल जज पोक्सो एक्ट के न्यायाधीश प्रेमनाथ पांडेय की अदालत ने नाबालिक से दुष्कर्म के दोषी बच्चन यादव को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। वहीं 20 हजार रुपए अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड की राशि नहीं देने पर 6 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। इस मामले में हुसैनाबाद थाना अंतर्गत लंगरकोट निवासी सोनम देवी (बदला हुआ नाम) ने

हुसैनाबाद थाना अंतर्गत बंशीबीघा नहर मोड़ निवासी बच्चन यादव के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराई थी, जो हुसैनाबाद थाना कांड संख्या 8 सन 2020 तिथि 9 जनवरी 2020 को भारतीय दंड विधान की धारा 363, 376, एवं 4 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 3/(1) डब्लू (आर) (एस) अनुसूचित जाति और जनजाति निरसंसता निवारण अधिनियम के तहत दर्ज किया गया था।

अभियुक्त पर आरोप था कि 8 जनवरी 2020 को पीड़िता को साइकिल से गांव के पोखरा तरफ ले गया और उसका अंडर गारमेंट्स खोलकर गलत काम किया। पीड़िता के साथ दुष्कर्म और प्रवेशन लैंगिक हमला किया। पीड़िता का इलाज हुसैनाबाद व सदर अस्पताल डालटनगंज में हुआ, जिस समय घटनाकारित हुई थी, पीड़िता 6 साल की थी।

लोहरदगा में हुई बारिश और ओलावृष्टि ने तोड़ी किसानों की कमर

LOHARDAGA : सोमवार दोपहर हुए तेज बारिश के साथ जमकर ओलावृष्टि हुई। ओलावृष्टि से दलहन तिलहन फसलों के साथ-साथ रबी फसलों विभिन्न सब्जियों व खपरैल मकान को भारी क्षति पहुंची है। ओलावृष्टि के कारण आम में लगे मंजर भी झड़ गए हैं। ओलावृष्टि से सबसे ज्यादा तबाही किस्को प्रखण्ड के हिसरी,एवं मेरले के किसानों को हुई.जहाँ भारी ओलावृष्टि के कारण सड़क समेत खेत-खलिहान पर उजले चादर सी परत जम गई। साथ ही जलजमाव की स्थिति भी उत्पन्न हो गई। जगह-जगह नाली में जलजमाव के कारण घरों के अंदर पानी प्रवेश कर गई। ओलावृष्टि से अरहर, चना, सरसों, तीसी, टमाटर, लहसुन प्याज आम के साथ-साथ गेहूं के फसल को भी भारी नुकसान हुआ है।

एमआरएमसीएच के 16 सीनियर रेजीडेंट डॉक्टर गए हड़ताल पर

PHOTON NEWS PALAMU : मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के सीनियर रेजीडेंट (एसआर) डाक्टर हड़ताल पर चले गए हैं। डाक्टरों ने हड़ताल पर रहने की जानकारी सुपरीटेंडेंट को दे दी है। बता दें कि पलामू प्रमंडल में 16 सीनियर रेजीडेंट डाक्टरों की पोस्टिंग है।छह डाक्टर एमआरएमसीएच में सेवा देते हैं, जबकि 10 डाक्टर जिले के अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों में कार्यरत हैं। इन सभी डाक्टरों को पिछले नवम्बर से अबतक (चार महीने से) सैलरी नहीं मिली है। सैलरी भुगतान की मांग को लेकर हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है।

विदित हो कि डाक्टरों द्वारा सैलरी के सिलसिले में एक मार्च को एमआरएमसीएच के सुपरीटेंडेंट को पत्र सौंपा गया था। बातचीत के क्रम में सुपरीटेंडेंट ने 15 दिनों के भीतर उनकी मांगों पर कार्रवाई करने की बात कही थी। निर्धारित अवधि बीत जाने के बाद भी डाक्टरों को सैलरी नहीं मिली।

20 से 22 मार्च तक तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जूनियर बालक-बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता का देवघर में किया गया आयोजन

प्रतियोगिता के लिए पलामू टीम देवघर रवाना

PHOTON NEWS PALAMU : झारखंड राज्य स्तरीय जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पलामू टीम देवघर के लिए रवाना हो गयी। देवघर जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन और झारखंड स्टेट एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में 20 से 22 मार्च तक तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जूनियर बालक-बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन कुमैता स्पोर्ट्स कंपलेक्स देवघर में किया गया है, जिसमें 14, 16, 18 एवं 20 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग लेंगे।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पलामू से एथलेटिक्स कोच रेशमा पाण्डेय और मोनू कुमार मैनेजर अक्सा नाग के नेतृत्व में 55 सदस्यीय बालक-बालिका टीम को जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन अध्यक्ष अजात शत्रु प्रसाद सिन्हा, सचिव संजय कुमार त्रिपाठी, ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष कमलानंद दुबे, साइकिलिंग संघ के सचिव सिद्धार्थ कुमार, राना सिंह ने चोपन- रांची एक्सप्रेस ट्रेन से रवाना किया।

इससे पहले एसोसिएशन द्वारा आयोजित जिला स्तरीय जूनियर बालक-बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए तैयार पलामू की टीम। ● फोटोन न्यूज

बालक वर्गः आंकित कुमार यादव, गोविंद कुमार गिरी, रमन सिंह, हिमेश राम, आदित्य भारद्वाज, रोहित उरांव, बसंत कुमार यादव, रमेश कुमार पाल, प्रभात कुमार, प्रीतम उरांव, अरुण कुमार सिंह, आर्यन कुमार, आशुतोष कुमार ठाकुर, अंकित कुमार, अंकित कुमार सिंह, अमित यादव, कमलेश यादव, अमित हीरो, प्रेम बोदरा, मनोज सिंह, अनुपम सिंह, सुधाकर कुमार मेहता, प्रभात कुमार शुक्ला, प्रिंस टोपनो, दीपक कुमार, प्रतीक कुमार, आयुष कुमार, रोशन कुमार, सुनील कुमार, प्रत्यय पांडे, संदीप कुमार, हेमंत कुमार, अंकित कुमार, ग्यंकर कुमार।

बालिका वर्गः आकांक्षा कुमारी, आर्या सिंह, सुहानी सिंह, शिवानी कुमारी, अपर्णा कुमारी, ज्योति कुमारी, साधना कुमारी, मुनी कुमारी, पूजा कुमारी ,सोनाक्षी कुमारी, संध्या कुमारी, एनिमा टोपनो, रोशनी तिरु, जय लकड़ा, दीपशिखा कुमारी, मानसी कुमारी, रिया कुमारी, आरती कुमारी, नेहा कुमारी।

सारे खिलाड़ी अंडर 14, 16, 18 एवं अंडर 20 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

सचिव संजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को जूनियर नेशनल एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा, वूशु संघ के अध्यक्ष रमेश चंद्र प्रसाद, सचिव सुमित वर्मन शारीरिक शिक्षक प्रदीप मेहता, योगा एसोसिएशन के सचिव अनिल पाण्डेय, जिला साइकिलिंग संघ के सचिव सिद्धार्थ कुमार, जिलाराइफल शूटिंग संघ के सचिव अशोक कुमार सिंह,

भाजपा प्रत्याशी ने जनसंपर्क अभियान चलाकर मांगे वोट

HAZARIBAGH : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने जनसंपर्क अभियान के तहत हजारीबाग, रामगढ़, चतरा और कोडरमा जिले के सभी प्रखंड क्षेत्रों का सघन दौरा किया। जायसवाल ने इस दौरान स्थानीय भाजपा मंडलों के कार्यकताओं संग बैठक भी की। उन्होंने मतदान तक जनता के बीच रहने और बूथ को मजबूत बनाने पर जोर दिया। मनीष जायसवाल ने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बंगाल बॉर्डर रामगढ़ के गोला प्रखंड स्थित बरलंगा पंचायत से लेकर बिहार बॉर्डर के चौपारण प्रखंड स्थित चौरदाहा पंचायत तक लोगों के बीच पंहुच बनाई। साथ ही चतरा जिले के बचरा और कोडरमा जिले के चंदवारा पहुंचकर लोगों से पीएम मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य की पूर्ति के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

बाहरी व्यक्ति बताकर विरोध करने वालों की परवाह नहीं : वीडी राम

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू संसदीय सीट से भारतीय जनता पार्टी के घोषित उम्मीदवार विष्णु दयाल राम ने सोमवार को कहा कि उनके विरोधी उन्हें बाहरी व्यक्ति बताकर विरोध करते हैं तो उन्हें इसकी कोई परवाह नहीं है। उन्होंने डालटनगंज में विशेष बातचीत में कहा कि लगातार इस लोकसभा क्षेत्र से वह विजयी हुए हैं और भाजपा ने योग्य समझकर तीसरी बार उन्हें टिकट दिया है।

वीडी राम ने कहा कि पहली और दूसरी बार उन्हें बाहरी नहीं बताया गया। तीसरी बार चुनाव लड़ने से पहले बाहरी बताया जा रहा है। यह सारा खेल विपक्ष का है और उससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। पार्टी के अंदर इस मामले को लेकर मतभेद है तो उसे दूर कर लिया जायेगा। मनभेद की कहीं कोई बात नहीं है।

वीडी राम ने कहा कि यातायात के क्षेत्र में काफी काम हुआ है। सड़क एवं रेल क्षेत्र में क्रांति आई है। उन्होंने कहा कि रांची-विंढ़मगंज फोरलेन सड़क बन रही है। कई बाइपास बनाए जा रहे हैं, जिससे आवागमन भविष्य में सुगम होने वाला है। उन्होंने कहा कि सतबरवा, पोलपोल, शंखा से खजुरी, मेराल, रमना एवं नगरउंटारी में बाइपास का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। सोननदी पर पंडुका-श्रीनगर के बीच ब्रिज का निर्माण 40 प्रतिशत पूरा हो गया। सांसद ने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि उद्योग धंधे स्थापित हों, इसे लेकर राज्य सरकार का सपोर्ट नगण्य है।

BRIEF NEWS

रांची प्रेस क्लब का होली मिलन समारोह 23 को

RANCHI : रांची प्रेस क्लब की ओर से होली मिलन समारोह 23 मार्च को आयोजित किया जायेगा। प्रेस क्लब की ओर से सोमवार को बताया कि मिलन समारोह दोपहर 12:00 बजे से लेकर 4:00 तक चलेगा। बिना एंट्री कूपन के किसी की भी एंट्री नहीं होगी। एंट्री कूपन 20 मार्च तक प्रेस क्लब के कार्यालय से सदस्य ले सकते हैं।

श्री श्याम मंदिर में आज से फाल्गुन सतरंगी महोत्सव

RANCHI : श्याम मंडल का तीन दिवसीय विराट फाल्गुन सतरंगी महोत्सव 19 से 21 मार्च तक धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। सभी कार्यक्रम रांची के अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में आयोजित होंगे। महोत्सव की तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए श्याम मंडल के सदस्यगण कार्य कर रहे हैं। इस कार्यक्रम को लेकर पूरे मंदिर की साफ-सफाई की गयी। इसके बाद उसे आकर्षक ढंग से सुसज्जित किया जा रहा है। श्रृंगार के लिए कोलकाता से आई कुशल कारीगरों की टीम कार्य में जुटी हुई है। 19 मार्च को 3 बजे श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर (सेवा सदन हॉस्पिटल के निकट) से विधि विधान से निशान (ध्वजा) यात्रा प्रारम्भ होगी, जो नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर पहुंचेगी। निशान यात्रा में दिव्य रथ पर विराजमान श्री श्याम प्रभु नगरवासियों को आशीष प्रदान करेंगे। इस अवसर पर मुख्य तौर पर 750 नर-नारी अपने कंधों पर श्री श्याम नाम रूपी निशान लहराते हुए चलेंगे। भजन गायक की टोली सम्पूर्ण मार्ग में भजनों की अमृत वर्षा करेगी

आयशा फातिमा ने रोशन किया राज्य का नाम

RANCHI : रांची महानगर भाजयुमो कला और खेल प्रकोष्ठ के रांची महानगर के संयोजक आशुतोष द्विवेदी ने पांचवीं राष्ट्रीय युवा संसद में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने वाली एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) की स्वयंसेवक आयशा फातिमा को सोमवार को सम्मानित किया। फातिमा रांची के विमेंस कॉलेज में राजनीतिक शास्त्र सेमेस्टर छह की छात्रा है। मौके पर आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि आयशा फातिमा ने झारखंड का नाम पूरे देश में रोशन किया है। फातिमा जैसे कई प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं की वजह से झारखंड काफी गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने इनकी सफलता के लिए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी है।

मिशन मिलेट योजना होगी शुरू, गाइडलाइन जल्द

RANCHI : झारखंड में धान-दलहन के अलावा किसानों की आय बढ़ाने के लिए मिशन मिलेट योजना प्रारंभ होगी। इसी वित्तीय वर्ष 2023-24 से इसकी शुरूआत की जानी है। राज्य सरकार ने इसके लिए विशेष रूप से 50 करोड़ का प्रावधान किया है। झारखंड में उगाये जाने वाले प्रमुख मिलेट में फिंगर मिलेट, मडुवा, ज्वार, बाजरा और छोटे मिलेट जैसे- कांगनी, सामा, छैना, कुटकी, कुटू और चौलाई है। सरकार इसका उत्पादन बढ़ाने ओर इसे बाजार मुहैया करायेगी। वर्तमान में 40 हजार हेक्टेयर में ही मिलेट की खेती है। इसे बढ़ाकर 5 लाख हेक्टेयर तक करने का लक्ष्य रखा गया है। कृषि विभाग इस पर काम करेगा। जल्द ही विस्तृत गाइडलाइन जारी किया जायेगा। बता दें कि वर्तमान में ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग भी राज्य आजीविका नीति के तहत मिलेट को बढ़ावा दे रहा है।

झारखंड समेत पांच सीमावर्ती राज्यों के आला अधिकारियों ने किया मंथन

शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव कराने के लिए सभी सुविधाएं मौजूद : डीजीपी

PHOTON NEWS RANCHI : रांची-लोकसभा चुनाव 2024 की 16 मार्च को घोषणा होने के साथ ही इसे सफलतापूर्वक संपन्न कराने की कवायद शुरू हो गयी है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम को लेकर भी एक्सरसाइज की जा रही है। रोड मैप तैयार किया गया है। सोमवार को झारखंड समेत पांच राज्यों के आला पुलिस अफसरों ने निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव संपन्न कराने को लेकर बैठक की। झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने कहा कि सीमावर्ती राज्यों ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश व बिहार के अफसरों के साथ बैठक कर रोड मैप तैयार किया गया है, ताकि निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराया जा सके। झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने जानकारी दी कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सोमवार को बैठक हुई। इसमें निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव 2024 संपन्न कराने को लेकर मंथन किया गया। बैठक में झारखंड समेत पांच सीमावर्ती राज्यों के आला पुलिस अधिकारी मौजूद थे। झारखंड समेत पांच सीमावर्ती राज्यों जैसे ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश व बिहार के वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक की। इसमें उन बिंदुओं पर विमर्श किया गया, जो लोकसभा चुनावों को प्रभावित कर सकते हैं। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रोड मैप बनाया गया। झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने कहा कि इसके लिए एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष है। नोडल अधिकारी हैं। निष्पक्ष व शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं हैं। झारखंड के पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर बैठक में चर्चा की गयी। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि के हर पहलू पर विचार विमर्श किया गया। नक्सली, अपराधी, वारंटी, चेकनाका पर सुरक्षा समेत बॉर्डर पर सख्ती को लेकर मंथन किया गया। सीमावर्ती राज्यों के बॉर्डर इलाके में कड़ी नजर रखने पर जोर दिया गया, ताकि चुनाव के दौरान अवांछित तत्व गड़बड़ी नहीं कर सकें। इनसे सख्ती से निबटा जा सके।

पुलिस के आला अधिकारियों के साथ बैठक करते डीजीपी अजय कुमार सिंह।

- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर हुई बैठक
- निष्पक्ष चुनाव को लेकर झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, यूपी व बिहार के आला पुलिस अफसरों ने की बैठक, रोड मैप तैयार
- सुरक्षा के हर पहलू पर बैठक में हुआ विचार विमर्श

रांची लोकसभा में 28 हजार 85+ और 23 हजार दिव्यांग मतदाता

PHOTON NEWS RANCHI : इलेक्शन कमिशन ऑफ इंडिया आगामी लोकसभा चुनाव में 85 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्ग और दिव्यंगता वोटरों के लिए घर से भी वोट करने की सुविधा दे रहा है। रांची लोकसभा में 85+ उम्र वाले मतगताओं की संख्या 28 हजार 333 है। जिसमें 15309 पुरुष और 13023 महिलाएं और 1 अन्य शामिल हैं। सबसे अधिक हटिया विधानसभा क्षेत्र में 7810 मतदाता 85+ के हैं। वहीं रांची लोकसभा में 23626 दिव्यांग मतदाता हैं। कांके विधानसभा में सबसे अधिक 5526 दिव्यांग मतदाता हैं। चुनाव आयोग ने इसके लिए विशेष तैयारियां की हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि इस बार देश में पहली बार ये व्यवस्था एकसाथ लागू होगी कि जो 85 साल से ज्यादा उम्र के मतदाता हैं। जिला प्रशासन ने इसे लेकर कहा है की उन सबके पास हम फॉर्म पहुंचाएंगे। अगर वो ये कहेंगे कि वो बूथ पर नहीं आएंगे तो हम उनके घर वोट लेने जाएंगे। जो बूथ पर जाना चाहते हैं उनके लिए भी सुविधाएं दी जाएंगी।

सक्षम ऐप से भरना होगा फॉर्म : आयोग के मुताबिक घर से वोट डालने के इच्छुक ऐसे मतदाताओं को सक्षम ऐप से एक फॉर्म भरना होगा। फॉर्म भर कर जमा करवाने के बाद बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता अपने घर से ही मतदान कर सकेंगे। घर पर मतदान करवाने के लिए चुनाव आयोग के अधिकारी जाएंगे। घर से मतदान करने वालों को पोस्टल बैलेट की सुविधा मुहैया कराई जाएगी।

- घर से वोट डालने के इच्छुक ऐसे मतदाताओं को फॉर्म 12ए भरना होगा
- फॉर्म जमा करने के बाद बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता घर से ही मतदान कर सकेंगे
- घर से मतदान करने वालों को पोस्टल बैलेट की सुविधा मुहैया कराई जाएगी

इकनोमिक सिक्योरिटी के अध्ययन टीम के साथ संवाद

विकास के लिए सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा दोनों महत्वपूर्ण : राज्यपाल

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि विकास के लिए सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा दोनों महत्वपूर्ण है। वर्तमान में हमारा देश विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि मैं विभिन्न देशों का भ्रमण कर चुका हूं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली का गौरवशाली इतिहास रहा है। राज्य में स्थापित झारखंड रक्षा विश्वविद्यालय को सैनिक विश्वविद्यालय के रूप में गठन करने के लिए इच्छुक हैं। सोमवार को राजभवन में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली के फैकल्टी एंड कोर्स मेंबर्स की ओर से नेशनल सिक्योरिटी एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज कोर्स के तहत झारखंड राज्य में इकनोमिक सिक्योरिटी पर अध्ययन के लिए आयी टीम के सदस्यों के साथ संवाद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि झारखंड राज्य का गठन बिहार से अलग होकर 15 नवंबर, 2000 को सृजन हुआ और जब यह संसद में विधेयक रखा गया था। तब वे लोक सभा सांसद थे और उन्हें इस पर अपना मत देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। राज्यपाल ने कहा कि यहां पर्यटन के विकास की असीम संभावनाएं हैं। यहां के कई पर्यटक स्थल को आकर्षित करते हैं। झारखंड राज्य में खेल के क्षेत्र में कई प्रतिभा हैं, महेंद्र सिंह धोनी, जिनके नेतृत्व में भारत ने 2011 में विश्व कप जीता, यहीं के रहने वाले हैं। झारखंड को "तीरंदाजी की भूमि" कहा जाता है।

अध्ययन के लिए आई टीम के साथ संवाद करते राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन।

विदेशी कनेक्शन को लेकर रांची में सीआइडी साइबर सेल की छापेमारी

RANCHI : विदेशी खातों से पैसे के आदान-प्रदान को लेकर रांची में सीआइडी की साइबर सेल की टीम छापेमारी कर रही है। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सीआईडी के अधीन काम करने वाली साइबर सेल की टीम ने सोमवार की शाम सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के हरमू रोड स्थित एक कार्यालय में छापेमारी की। साइबर सेल की टीम ने हरमू रोड स्थित होंडा शो रूम के ऊपर वाले फ्लोर पर स्थित कार्यालय में छापेमारी की। यह कार्यालय बिजेंद्र सिंह नाम के व्यक्ति का है। छापेमारी करने के पीछे विजेंद्र सिंह का विदेशी कनेक्शन बताया जा रहा है, जानकारी के मुताबिक, उनके द्वारा विदेशी खाते से बड़े पैमाने पर पैसे का आदान-प्रदान किया गया है। साइबर अपराधियों से भी इनका कनेक्शन सामने आया है, इसी को लेकर सीआईडी की साइबर सेल की टीम ने यह छापेमारी की है। इस दौरान टीम ने कई लैपटॉप, डिजिटल उपकरण और अन्य सामान बरामद किया है।

आईएसआईएस आतंकी शाहनवाज व उसके सहयोगियों की चार संपत्ति कुर्क

PHOTON NEWS RANCHI : नेशनल इन्वेस्टिंगेशन एजेंसी (एनआईए) ने हजारीबाग के रहने वाले आईएसआईएस आतंकी शाहनवाज और उनके सहयोगी की संपत्ती कुर्क कर ली है। आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में एनआईए ने पुणे में 11 आतंकियों की चार अचल संपत्ती कुर्क की है। एनआईए ने बताया कि इन संपत्तियों का इस्तेमाल आतंकवादी मकसद के लिए किया जा रहा था। इन चारों संपत्तियों का इस्तेमाल आईईडी बनाने, इसके प्रशिक्षण और आतंकवादी कृत्यों की योजना बनाने के लिए किया जा रहा था।

11 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है एनआईए

बता दें कि एनआईए इस मामले में पहले ही सभी 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 25 के तहत कुर्क की गयी संपत्तियां आवासीय घर और फ्लैट हैं। ये संपत्तियां आरोपी मोहम्मद इमरान खान, मोहम्मद यूनुस साकी, मोहम्मद शाहनवाज आलम, मोहम्मद रिजवान अली, कादिर दस्तगीर पठान, सिमाब काजी, जुल्फिकार अली बड़ौदावाला, अब्दुल्ला फैयाज शेख, तल्हा लियाकत खान, शमिल नाचन और आकिफ नाचन के नाम पर थी।

मूल रूप से झारखंड के हजारीबाग का रहने वाला है शहनवाज : गिरफ्तार शहनवाज सफीउज्जमा आलम मूल रूप से झारखंड के हजारीबाग जिले के पेलावल स्थित पगमिल का निवासी है। उसका पासपोर्ट रांची में 31 अक्टूबर 2016 को बना था, जिसकी वैधता 30 अक्टूबर 2026 तक है। पासपोर्ट में उसकी जन्मतिथि पांच मार्च 1993 है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मोहम्मद शहनवाज के दूसरे साथी जिस मोहम्मद अरशद वारसी को गिरफ्तार किया है, वो भी झारखंड के गढ़वा का रहने वाला है। शहनवाज बेंगलुरु के विश्वसरैया इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से माइनिंग इंजीनियरिंग किया है। माइनिंग इंजीनियर होने के चलते उसे बम ब्लास्ट का ज्ञान है। उसने बम बनाने के कई प्रयोग भी किये। 2020 में लूटकांड के एक मामले में वह हजारीबाग से जेल गया था।

रिलायंस पेट्रोल पंप कर्मी से दिनदहाड़े 1.70 लाख की छिनतई

RANCHI : रिलायंस पेट्रोल पंप कर्मी से 1.70 लाख रुपए की छिनतई हुई है। यह घटना जिले के नामकुम थाना क्षेत्र के रामपुर में धर्मकांटा के पास हुई है। बाइक सवार अपराधियों ने सोमवार दोपहर में पेट्रोल पंप कर्मी से रूपयों से भरा थैला छीनकर फरार हो गये। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि पेट्रोल पंप कर्मी पैसे को बैंक में जमा करने जा रहा था। इसी दौरान घात लगाकर बैठे अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद नामकुम थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। साथ ही अपराधियों की धर पकड़ में जुटी हुई है।

निशिकांत दुबे को हाईकोर्ट से राहत, पीड़क कार्रवाई पर रोक

PHOTON NEWS RANCHI : गोवंश तस्करी से जुड़े एक मामले में सांसद निशिकांत दुबे को झारखंड हाई कोर्ट से तत्काल राहत मिली है। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट ने मामले में सोमवार को निशिकांत दुबे की याचिका पर सुनवाई करते हुए उनके खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक लगाई है। मामले में राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल करने के समय की मांग की गई। कोर्ट ने दो सप्ताह का समय राज्य सरकार को प्रदान किया है। आरोप है कि निशिकांत दुबे ने एक व्यक्ति को गोवंश की तस्करी मामले में पकड़ा और उसकी पिटाई की। और उसे बाद में पुलिस को सौंप दिया था। मामले को लेकर देवघर के मोहनपुर थाना में निशिकांत दुबे के खिलाफ देवघर के मोहनपुर थाना में कांड संख्या 281/ 2023 दर्ज किया गया था। इस केस को निरस्त करने के लिए निशिकांत दुबे की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है।

- गोवंश की तस्करी करने पर धमकी देने और पिटाई करने का आरोप

देश में बीजेपी के पास कोई मुद्दा नहीं, हमारी समझौता विहीन लड़ाई जारी रहेगी : सुप्रियो

PHOTON NEWS RANCHI : कांग्रेस में प्रिंस और वायनाड से सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का महाराष्ट्र के मुंबई में बीते रविवार को अंतिम दिन था। इंडी गठबंधन की हिस्सा जेएमएम की ओर से पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन और पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य भाग लेने मुंबई पहुंचे थे। मुंबई से वापस आने के बाद जेएमएम केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि न्याय मिशन को जन- जन तक पहुंचाया, कश्मीर से कन्याकुमारी और मिजोरम से असम तक के दिल की बात सामने आया। राहुल गांधी ने न्याय यात्रा के दिन अंतिम दिन अपने संबोधन में कहा की कांग्रेस का एक बड़ा नेता सोनिया गांधी से कहा की जेल जाने के डर के कारण बीजेपी ज्वाइन कर रहे है। लेकिन हम डरने और झुकने वालो में से नहीं है। हम समझौता विहीन लड़ाई लड़ रहे है। हम जल जंगल जमीन को कॉरपोरेट के हाथो में नहीं दे सकते है। झारखंड नहीं झुका है और इंडिया भी नहीं झुकेगा। बीजेपी मुद्दा विहीन हो गई है। इंडी गठबंधन की एकजुटता से तिलमिला गए है। मैने तीन दशक के राजनीतिक जीवन में ऐसी स्थिति कभी नहीं देखी थी।

चुनावी बॉन्ड के माध्यम से पाक से आया पैसा

चुनावी चंदा के डेटा से यह समझा आ गया है कि जो लोग अपने कर्मचारियों को वेतन नहीं दे पाते है, उन्होंने करोड़ों का चंदा बीजेपी को से दिया है। चुनावी बॉन्ड में पाकिस्तान का पैसा आया। पुलवामा कांड के तीन दिन बाद बीजेपी को चुनावी चंदा आया। इसलिए तो अभी तक जांच रिपोर्ट नहीं आयी। गलवान में हमारे वीर जवानों को शहीद करा दिया गया। झारखंड में बहुत जल्द चुनाव अभियान की शुरूआत की जाएगी। चार जून को जब चुनावी परिणाम आए तब बीजेपी इसे गिनने के लायक नहीं बचे।

प्रश्नपत्र लीक पर बोले बंधु तिर्की- गिरोह पर सरकार करे कार्रवाई

सरकार में मौजूद कुछ अधिकारी नहीं चाहते नई नियुक्ति : बंधु

PHOTON NEWS RANCHI : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बंधु तिर्की ने राज्य में हो रहे प्रश्नपत्र लीक पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्रशासनिक मशीनरी में कई ऐसे लोग हैं जो नहीं चाहते कि नियुक्ति हो। अधिकारी चाहते हैं कि अनुबंध के आधार पर वे अपने मन के अनुसार वैसे कर्मियों की अस्थायी आनुबंधिक नियुक्त दें और मौका आने पर उन्हें स्थाई कर दिया जाए। बंधु तिर्की ने कहा यह प्रवृत्ति झारखण्ड के साथ ही युवाओं के लिये भी खतरनाक है।

आपराधिक साजिश है पेपर लीक

राज्य में जेपीएससी और जेएसएससी के प्रश्नपत्र लीक को लेकर एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने प्रश्नपत्र लीक करने वाले पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा, झारखंड में अनेक परीक्षा केन्द्रो में तथाकथित रूप से झारखंड लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक की घटना या फिर ऐसी खबरें पूरी तरीके से एक सुनियोजित आपराधिक साजिश है। विद्यार्थियों का भविष्य हो रहा है बर्बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बंधु तिर्की ने कहा, कुछ सप्ताह पूर्व भी जेएसएससी का प्रश्नपत्र लीक हुआ था और उस मामले पर भी सरकार तेजी से कार्रवाई करते हुए अपराधियों की जल्द गिरफ़्तारी सुनिश्चित करे। ऐसी घटनाओं से एक ओर, झारखंड के लाखों छात्र-छात्राओं, युवाओं का भविष्य बर्बाद करने की साजिश होती है वहीं दूसरी ओर झारखण्ड की छवि भी धूमिल हो रही है। प्रश्नपत्र लीक होने की वजह की तरफ इशार करते हुए कहा, ब्लैकलिस्टेड कंपनियों को परीक्षा की सम्पूर्ण प्रक्रिया से अलग रखा जाना चाहिये क्योंकि वैसे संगठनों को जिम्मेदारी देना अपने-आप में दुर्भाग्यपूर्ण होगा और इस मामले में सरकार को किसी भी हाल में किसी के प्रति भी कोई रियायत नहीं बरतनी चाहिये।

झारखंड में पैर मजबूत कर रहा है गिरोह

बंधु तिर्की ने कहा, उसकी जड़ में कहीं-ना-कहीं, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान जैसे दूसरे प्रदेशों के दागी, अपराधी, अवांछित तत्वों का ही हाथ होता है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता परीक्षा का क्वेश्चन लीक, बिहार-यूपी आदि की संपूर्ण बहाली प्रक्रिया का एक हिस्सा बन गया है जिसमें उन्हीं राज्यों के तत्व शामिल होते हैं और अब वैसे ही लोग झारखंड में भी अपनी जड़ जमा चुके हैं और यहाँ अपनी कारस्तानियों को अंजाम दे रहे हैं। सरकार के लिए इससे ज्यादा जरूरी कुछ नहीं तिर्की ने कहा कि निष्पक्ष प्रतियोगिता परीक्षा के आयोजन के संदर्भ में झारखंड विधानसभा से पारित विधेयक को जल्द-से-जल्द लागू करने की दिशा में राज्य सरकार तुरंत कार्रवाई करे ताकि ऐसी किसी भी अवांछित घटना पर वैधानिक रूप से रोक लगायी जा सके। ऐसी घटनाओं की फेहरिस्त में यह पहली बार नहीं हुआ है। उन्होंने सरकार से मांग की कि राज्य सरकार इस मामले में गहन जाँच का आदेश दे और कड़ी कार्रवाई करें क्योंकि इससे ज्यादा प्राथमिकता का काम कोई भी नहीं है।

पर्चा लीक पर सांसद दीपक ने कसा तंज

RANCHI : झारखंड़ प्रदेश भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने 11 वीं झारखंड लोक सेवा आयोग परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक मामले में राज्य सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राज्य के वर्तमान मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन ने जो कहा था कि मेरी सरकार हेमन्त सरकार का पार्ट टू है, वह सत्य होता हुआ प्रतीत हो रहा है। जिस प्रकार से हेमन्त सरकार में जेएसएससी में विनोद सिंह नामक दलाल के साथ मिलकर राज्य की नौकरी को बेचने का काम किया था। आज उसी कार्य को वर्तमान राज्य सरकार के मुखिया आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रश्न पत्र नियमत: परीक्षा भवन में ही परीक्षा के समय खुलना चाहिए लेकिन 11 वीं झारखंड़ लोक सेवा आयोग परीक्षा का प्रश्न पत्र परीक्षा शुरू होने के पहले ही प्रिंसिपल के आफिस में खोला गया यह कहीं न कहीं दलालों के माध्यम से सरकारी नौकरियों को बेचने की तरफ इशारा करता है।

वंदे भारत से पहले दिन 355 यात्रियों ने की यात्रा

PHOTON NEWS RANCHI : रांची स्टेशन से सुबह 5.10 बजे वंदे भारत ट्रेन का नियमित परिचालन शुरू हो गया। पहले दिन 355 यात्री ट्रेन से रवाना हुए। इसमें चेयर कार में 312 और एग्जीक्यूटिव क्लास में 43 यात्री शामिल हैं। हालांकि, 173 सीटें खाली रह गई। दोपहर एक बजे वाराणसी ट्रेन समय पर पहुंच गई और समय पर रांची के लिए वाराणसी से संध्या 4.05 बजे खुल गई। सप्ताह में ट्रेन छह दिन ही चलेगी। गुरुवार को ट्रेन का परिचालन नहीं होगा। वाराणसी तक यात्रियों को एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए 2725 रुपये (भोजन के साथ) व 2325 रुपये (बिना भोजन के) और चेयरकार के लिए 1505 रुपये (भोजन के साथ) व 1160 रुपये (बिना भोजन के) का किराया भुगतान करना है। इसमें यात्रियों को सुबह का नाश्ता और दोपहर का खाना परोसा जाएगा। जबकि वाराणसी से रांची वापसी के दौरान एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए 2675 रुपये (भोजन के साथ) व 2325 रुपये (बिना भोजन के) और चेयरकार के लिए 1450 रुपये (भोजन के साथ) व 1160 रुपये (बिना भोजन के) का किराया भुगतान करना होगा। इसमें यात्रियों को शाम में चाय और रात्रि का खाना का दिया जा रहा है। इस दौरान ट्रेन रांची स्टेशन और वाराणसी स्टेशन के बीच छह स्टेशनों पर रूकी।

BRIEF NEWS

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत, गुस्साए लोगों ने कार में लगाई आग

SUNDARGARH : जिले में सोमवार को बाइक से सड़क पार कर रहे एक युवक की तेज रफ्तार कार की टक्कर से मौत हो गयी। यह दुर्घटना सुंदरगढ़ सदर थाना करमडीही के पास राज्य राजमार्ग संख्या 10 बीजू एक्सप्रेसवे पर हुई। युवक बाइक चला के जाने क्रम में एक कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने कार में आग लगा दी। पुलिस और दमकल की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। मृतक युवक की पहचान स्थानीय मुंडापाड़ा इलाके के गुरु मुंडा के रूप में की गई है। इस घटना के अंचल में बाद तनाव फैल गया।

स्टाफ शटल ट्रेन में मृत मिली दुर्लभ छिपकली, सफाई कर्मचारियों ने दफनाया

ROURKELA : राउरकेला स्टेशन पर खड़ी स्टाफ शटल ट्रेन से एक मृत दुर्लभ वृहद छिपकली मिलने की घटना चर्चा का विषय बना हुआ है। इस छिपकली को ट्रेन में सफाई करनेवाले कर्मचारियों की ओर से दफना दिया गया है। जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह राउरकेला स्टेशन में एक स्टाफ शटल ट्रेन खड़ी थी। ट्रेन में सफाई करने के दौरान सफाई कर्मचारियों को यह मृत छिपकली मिली थी, जिसके बाद इस छिपकली को इन सफाई कर्मचारियों द्वारा दफनाये जाने की बात पता चला है, किन यहां पर मृत हालत में यह दुर्लभ छिपकली मिलने के बाद भी वन विभाग की जानकारी के बिना इसे कैसे दफना दिया गया। इसका पता लगाने के लिये जांच की मांग हो रही है।

कोइड़ा खनन क्षेत्र में सड़क बेहद खराब, लोग परेशान

ROURKELA : कोइड़ा प्रखंड खनन क्षेत्र के रूप में को देश-विदेश में काफी ख्याति मिली है, लेकिन स्थानीय निवासी कष्टमय जीवन जीने को मजबूर हैं। कई दिनों से सड़क खराब होने कोइड़ा तक पहुंचना लोगों की परेशानी का कारण बना है। वहीं राजामुंडा से राष्ट्रीय राजमार्ग में लौह अयस्क परिवहन करने वाले भारी वाहनों के कब्जे में है, जिसके कारण कोइड़ा प्रखंड के आम लोग, छात्र व मरीजों को परेशानी हो रही है। इसके बाद भी प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है, ऐसे में लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस बाबत बार-बार सरकार या प्रशासन को इसकी जानकारी देने के बाद भी अब इसका ठोस नतीजा नहीं निकला है।

सुंदरगढ़ में दिखा बाघ

SUNDARGARH : जिले में काले बाघ के देखे जाने के बाद अब एक बड़ा बाघ सुंदरगढ़ बन क्षेत्र में देखा गया है। लगभग दो दशक बाद जिले में कोई बड़ा बाघ बन क्षेत्र में लगा गया कि सीसीटीवी कैमरा ट्रैप हुआ। बनई बनखंड बरसुआ रेंज तोड़ा रिजर्व फॉरेस्ट में सीसीटीवी कैमरा में बाघ का फुटेज मिला है। जंगल के कैमरे से बाघ की जानकारी मिली है। नए क्षेत्र के निर्माण के लिए मध्य प्रदेश से आने बाघ के आने का मामला पता चल रहा है।

तीन करोड़ रुपये के अफीम के पौधे जलाकर किया नष्ट

सिमिलिपाल अभयारण्य में छापेमारी, पुलिस को मिली बड़ी सफलता

अफीम के पौधे नष्ट करते पुलिस के जवान। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS MAYURBHANJ : मयूरभंज पुलिस को सोमवार को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सिमिलिपाल अभयारण्य में छापेमारी कर अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुब्रत कुमार के नेतृत्व में जशीपुर पुलिस, वन विभाग एवं वन विभाग की संयुक्त छापेमारी कर शिमिलिपाल वन क्षेत्र के जोजगोड़ा गांव में 4 एकड़ भूमि में लगे 1.08 अफीम के पेड़ों को नष्ट कर दिया गया। इसी तरह फुलबाड़ी गांव क्षेत्र में 1 एकड़ 74 डिसमिल क्षेत्र में लगे 46, 980 अफीम के पेड़ों को जलाकर नष्ट कर दिया गया। इस अफीम के पेड़ की अनुमानित कीमत 3.10 करोड़ बताई जा रही है।

पिछले 10 मार्च को बकुआ और कुकुरभुका गांव में 5.25 लाख पेड़ नष्ट कर दिये गये थे। नष्ट किये गये अफीम के पेड़ों की अनुमानित कीमत 10.66 करोड़ रुपये थी।इस प्रकार पिछले 24 फरवरी में सिमिलीपाल वन क्षेत्र में धलाबनी और बृंदईपेशी गांवों में 13 हजार अफीम के पेड़ों को काटकर नष्ट कर दिया गया। जिसकी कीमत 26 लाख थी।

भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब जब्त, तीन लोगों को किया गिरफ्तार

ROURKELA : राउरकेला आबकारी विभाग ने भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब जब्त की और 3 लोगों को गिरफ्तार किया। तीनों मालगोदाम इलाके के रहने वाले है। ऑटो और बाइक में शराब चलान की सूचना मिलने पर आवकारी विभाग की ओर से सेक्टर नंबर 2 इलाके में छापेमारी की गयी। छापा में 'नाइट गर्ल' ब्रांड की 96 बोतल नकली विदेशी शराब जब्त की गयी। साथ ही खाली बोतलें, ठिपि आदि भी जब्त कर लिया गया है। शराब चलान में प्रयुक्त कार व बाइक को जब्त कर ली गयी है। गिरफ्तार आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

पश्चिम सिंहभूम में पीएलएफआई समर्थक की गोली मारकर हत्या

CHAIBASA : जिले के अति नक्सल प्रभावित आनंदपुर में पीएलएफआई उग्रवादी समर्थक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। उसकी पहचान मतियस उर्फ मंगरा के रूप में की गयी है। वह गुदड़ी थाना क्षेत्र के बरकेल का रहने वाला था। घटना रविवार देर शाम की है। पुलिस ने सोमवार को घटनास्थल पहुंच कर मतियस के शव को घटना स्थल से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर भेज दिया है। पुलिस ने घटनास्थल से तीन खोखे भी बरामद किये हैं। मतियस की हत्या करने वाले कौन थे और मतियस की हत्या के पीछे का कारण क्या है यह अब तक पता नहीं चल पाया है लेकिन जिस क्षेत्र में उसकी हत्या हुई है वह पीएलएफआई उग्रवादी क्षेत्र है। बताया जा रहा है कि पीएलएफआई उग्रवादी समर्थक मतियस चाईबासा जेल में बंद था। दो महीने पहले ही वह जेल से छूट कर बाहर आया था। मतियस साथियों के साथ रविवार को आनंदपुर के गुंडरी में लगे साप्ताहिक बाजार आया हुआ था। यहां घात लगाये अज्ञात हमलावरों ने मतियस को तीन गोली मारी। मतियस की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। उसके साथी किसी तरह जान बचकर मौके से भाग गए।

जिला प्रशासन ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक, निष्पक्ष चुनाव में मांगा सहयोग

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला के अतिरिक्त जिलापाल आशुतोष कुलकर्णी ने सभी राजनीतिक दलों से आगामी आम चुनाव 2024 को हिंसा मुक्त, स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से आयोजित करने में सहयोग करने की अपील की है। आरएमसी कॉन्फ्रेंस रूम में सोमवार को सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई है। भारत निर्वाचन आयोग ने आम चुनाव की तारीख की घोषणा करने के साथ आचार संहिता लागू कर दी गई है।

इस संदर्भ में, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने अतिरिक्त जिलापाल आशुतोष कुलकर्णी, उपजिलापाल पानपोसा विजय नायक और अतिरिक्त उपजिलापाल पानपोसा सरोज मिश्रा के साथ चर्चा कर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों आचार संहिता लागू दौरान क्या कर सकते हैं और उन्हें क्या करने की अनुमति नहीं है।और 3 निर्वाचन क्षेत्र की चुनावी तैयारियों की जानकारी दी गयी। गौरतलब है कि बीरमित्रपुर, पानपोसा के लिए अतिरिक्त उपजिलापाल, राउरकेला के रघुनाथपल्ली के लिए अतिरिक्त जिलापाल, राउरकेला के लिए उपजिलापाल को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है।

बीरमित्रपुर पानपोस और राउरकेला विधानसभा क्षेत्र में 6 लाख 37 हजार 333 मतदाता हैं, जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 3 लाख 18 हजार 872 है, पुरुषों की संख्या 3 लाख 18 हजार 381 है, जबकि 80 मतदाता हैं। बीरमित्रपुर विधायक शंकर ओराम, पानपोस संगठनात्मक जिला अध्यक्ष लतिका पटनायक, भाजपा प्रवक्ता धीरेन सेनापति, बीजेडी राउरकेला अध्यक्ष गगन पांडा, उपाध्यक्ष सुदाम दास, बसपा अध्यक्ष रंजन कुमार तांती, आप पार्टी के बीनय तिवारी कांग्रेस कीर्तन दास प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

हेट स्पीच पर होगी कड़ी कार्रवाई प्रिंटिंग प्रेस पर रहेगी जिम्मेदारी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि व प्रिंटिंग प्रेस के संचालकों की बैठक बुलाई। इसमें उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल के प्रतिनिधि, उम्मीदवार या कार्यकर्ता कोई भी मीटिंग बुलाने की अनुमति अवश्य ले लें। अपने भाषणों या बयान को लेकर सचेत रहें, क्योंकि हेट स्पीच पर कड़ी कार्रवाई होगी। वहीं प्रिंटिंग प्रेस के संचालकों से कहा कि निर्वाचन हेतु प्रचार सामग्री छापने वाले प्रिंटिंग प्रेस के संचालकों को निर्देश दिया गया कि लोकसभा निर्वाचन-2024 के प्रचार में प्रयोग की जाने वाली प्रचार सामग्री की संपूर्ण जानकारी प्रिंटिंग प्रेस व पब्लिशर को होनी जरूरी है। उन्होंने प्रिंटर्स से कहा कि पोस्टर, पॉम्पलेट या अन्य प्रचार सामग्री अभ्यर्थी या राजनैतिक दलों से किसी अधिकृत व्यक्ति का मुद्रक का नाम, प्रकाशक का नाम, सामगी की संख्या के संबंध में जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय से साझा करें। उन्होंने प्रिंटर्स को प्रिंटिंग किए गए प्रचार सामग्री का पूरी रिकार्ड सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जिले के सभी प्रिंटिंग प्रेस संचालक चुनाव आयोग की गाइडलाइन का कड़ाई से पालन करें, निर्धारित प्रावधानों तथा आयोग के आदेश के किसी भी प्रकार के उल्लंघन को बहुत ही गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधित के खिलाफ नियमसंगत कार्रवाई की जाएगी।

बैठक मे उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रियंका सिंह व जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव भी मौजूद रहे।

कैंसर के निदान को एक्सिस बैंक देगा 100 करोड़ रुपये

JAMSHEDPUR : एक्सिस बैंक ने नेशनल कैंसर ग्रिड (एनसीजी) में 100 करोड़ रुपये का योगदान देने की घोषणा की है। यह ग्रिड भारत में 300 से ज्यादा कैंसर केंद्रों का नेटवर्क है, जो देश में कैंसर की देखभाल के मानक में सुधार के लिए काम कर रहा है। नेटवर्क का समन्वय टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल (टीएमएच) करता है, जो टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी) की एक इकाई है। 5 साल की यह साझेदारी कैंसर देखभाल की पहुंच बढ़ाने, कैंसर अनुसंधान को आगे बढ़ाने और एनसीजी से संबद्ध 300 से ज्यादा कैंसर केंद्रों में डिजिटल स्वास्थ्य अपनाने में क्रांतिकारी बदलाव लाने की दिशा में काम करेगी। इस सहयोग के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने वालों में एक्सिस बैंक के उप प्रबंध निदेशक राजीव आनंद, डॉ. सुदीप गुप्ता (निदेशक, टीएमसी), डॉ. सीएस प्रमेश (निदेशक, टीएमएच) और संयोजक, एनसीजी; डॉ. मंजू सेंगर भी शामिल थे।

पैडमेन के नाम से विख्यात तरुण कुमार की जीवनी पर है आधारित फिल्म

ऑल इंडिया चिल्ड्रेन एजुकेशनल ई कंटेंट कंप्टीशन में तरुणी ने जीता बेस्ट प्रोग्राम वीडियो का पुरस्कार

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : शिक्षा में तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देते हुए बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शैक्षिणक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा 15-16 मार्च को मेघालय की राजधानी शिलांग में ऑल इंडिया चिल्ड्रेन एजुकेशनल ई कंटेंट कंप्टीशन 2023-24 का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में जमशेदपुर (झारखंड) के पैडमेन के नाम से लोकपिय सामाजिक कार्यकर्ता तरुण कुमार के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म तरुणी को स्वतंत्र ई कंटेंट क्रिएटर कैटेगरी में बेस्ट प्रोग्राम के बेस्ट वीडियो फिल्म अवॉर्ड घोषित किया गया। फिल्म का निर्माण जीआर8 फिल्मस के बैनर तले निमार्ता कुमार विवेक व निर्देशक हेमंत मुखी द्वारा किया गया है।

पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि मेघालय सरकार के शिक्षा मंत्री रकम ए संगमा थे, वहीं एनसीईआरटी के डायरेक्टर प्रो अमरेंद्र बेहरा बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर उपस्थित थे।

डॉक्यूमेंट्री फिल्म ह्यतरुणीह्व में झारखंड के सुदूर इलाकों में माहवारी स्वच्छता, किशोरी व महिला स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण समेत कई महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर तमाम चुनौतियों से जूझते हुए जमीनी बदलाव लाने की लगातार कोशिश कर रहे निश्चय के संस्थापक तरुण कुमार की कहानी को विस्तार से दिखाया गया है। तरुण लगभग 13 वर्ष से झारखंड के सुदूर इलाकों में बच्चों के मुद्दों पर कार्य कर रहे है। वह अपने अभियानों के माध्यम से अभी तक लगभग 1 लाख बच्चों तक पहुंचे है, वही वह अपने जीवनकाल में 5 लाख बच्चों को जागरूक करने का लक्ष्य रखते है। तरुण के कार्यों को दो बार लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी स्थान मिला है, वहीं पिछले वर्ष दूरदर्शन पर भी उनके कार्यों पर आधारित प्रदर्शित की गई थी। तरूणी फिल्म को ओटीटी प्लेटफार्म मेरा टीवी लिंक https://www.meratv.in/play.php?furl=taruni पर निशुल्क देखा जा सकता है।

इसके अलावा प्रतियोगिता में झारखंड के निर्देशक हेमंत मुखी व कुमार विवेक द्वारा ही निर्मित लघु फिल्म अलार्म को भी वीडियो एनिमेशन कैटेगरी में बेस्ट निर्देशन व बेस्ट एक्टर का पुरस्कार भी मिला है।

बिल्डर्स एसोसिएशन जमशेदपुर के चेयरमैन बने सुंदर सिंह, आदित्यपुर के नट्टू झा

पत्रकारों को संबोधित करते बिल्डर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ जमशेदपुर और आदित्यपुर के लिए सत्र 2024-25 की कार्यकारिणी सोमवार को घोषित की गई, जिसके अनुसार जमशेदपुर सेंटर के चेयरमैन सुंदर सिंह व आदित्यपुर के चेयरमैन रवींद्र उर्फ नट्टू झा बनाए गए हैं। बिष्टुपुर स्थित होटल बुलेवर्ड में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जमशेदपुर सेंटर के पूर्व चेयरमैन प्रभाकर सिंह ने जिस कार्यकारिणी समिति की घोषणा की, उसमें वाइस चेयरमैन बलदेव बंसल व दीपक मंगलम, मानद सचिव साहब सिंह, संयुक्त सचिव सह कोषाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद के अलावा कार्यकारिणी सदस्य में संजीव सहगल, राजीव कुमार, शिवशंकर सिंह, मनोज कुमार सिंह, वी वेंकट विनय कृष्णा, गुरमुख सिंह, बिपिन बिहारी प्रसाद व श्रीकांत शामिल हैं।

इसी प्रकार आदित्यपुर की कार्यकारिणी में वाइस चेयरमैन सूरज कुमार भदानी व दीपक रंजन, मानद सचिव रवि जग्गी, संयुक्त सचिव सह कोषाध्यक्ष राकेश सिंह के अलावा कार्यकारिणी सदस्यों में उपदेश सिंह चावला, अमित कुमार, संजय सिंह, अर्चना सिंह, शाहबाज रहमान, राहुल सावा, कुमार राहुल रंजन व शुभम कमल हैं।

नहीं मिला तेंदुआ, दहशत में गम्हरिया निवासी, कंपनियां बंद

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया स्थित आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में रविवार को बीको मोड़ स्थित आरएसबी ट्रांशमिशन (आई) लिमिटेड नामक कंपनी में तेंदुआ घुस गया था। उसे दबोचने के लिए सरायकेला-खरसावां जिला के साथ बंगाल के बांकुड़ा से भी वन विभाग की टीम सोमवार को सुबह से जुटी रही, लेकिन देर शाम तक तेंदुआ नहीं पकड़ाया। इससे पूरे गम्हरिया क्षेत्र में दहशत का माहौल है। तेंदुए के डर से आसपास की सभी कंपनियां बंद रहीं। पास के सतबहनी तक घरों में लोग बंद रहे। बताया जाता है कि सोमवार को तेंदुआ बीको इंडस्ट्रीज में देखा गया था, तो कुछ देर बाद टीचर ट्रेनिंग मोड़ के पास बंद पड़ी कंपनी बिहार राफिया में घुसने की बात कही गई। वन विभाग की टीम हर जगह पहुंची, लेकिन उन्हें तेंदुआ नहीं मिला। इस तरह की पहली घटना से हर कोई हैरान-परेशान है। ज्ञात हो कि रविवार सुबह आरएसबी कंपनी में घुसे तेंदुआ का सीसीटीवी फुटेज से मिला वीडियो भी वायरल हुआ था।

केंद्रीय रामनवमी अखाड़ा समिति के अध्यक्ष बने अरुण सिंह

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : काशीडीह स्थित दुर्गा मंदिर के प्रांगण में सोमवार को रामनवमी अखाड़ा समितियों की बैठक हुई, जिसमें अरुण सिंह को जमशेदपुर केंद्रीय रामनवमी अखाड़ा समिति के अध्यक्ष चुने गए। इनके अलावा समिति के मुख्य संरक्षक अभय सिंह, संरक्षक सुमन अग्रवाल, पन्ना सिंह जांघेल, डॉ संतोष, उमेश कुमार सिंह, चंद्रगुप्त सिंह, बाबा रवि गिरी महाराज, बूढ़ा मंडल, अशोक गौड़, द्विवेदी अखाड़ा के लाइसेंसी ललन द्विवेदी, कार्यकारी अध्यक्ष त्रिवेदी अखाड़ा के शंभू त्रिवेदी उपाध्यक्ष पद पर विजय तिवारी, शंकर रेड्डी, महेश सिंह, जंबू अखाड़ा के प्रमुख बंटी सिंह, कदमा के भीम सिंह, विद्युत साव, सतीश मुखी, भूषण दीक्षित, मनोज बाजपेई, महासचिव के पद पर प्रवीण सेठी, सचिव संतोष कालिंदी, ओम प्रकाश सिंह व विजय सिंह बनाए गए।

भोजपुरी नाटक में हास्य-व्यंग्य के साथ गंभीर विषयों पर प्रहार

JAMSHEDPUR : भोजपुरी रंगमंच को समर्पित नाट्य संस्था रंगश्री, नई दिल्ली द्वारा तीनदिवसीय भोजपुरी नाट्य उत्सव के अंतिम दिन सोमवार को ह्यपार्कह्ल का मंचन किया गया। सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के सहयोग से बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में मानव कौल कृत हिंदी नाटक ह्यपार्कह्ल के भोजपुरी रूपांतरण में जोरदार मंचन किया। इस नाटक का भोजपुरी अनुवाद और निर्देशन रंगश्री के संस्थापक महेंद्र प्रसाद सिंह ने किया। इस हास्य व्यंग्य नाटक के माध्यम से कई समस्याओं पर प्रहार किया गया, जिसमें विस्थापन की समस्या, जातिवाद व क्षेत्रवाद का बोलबाला , धर्म के नाम पर भेदभाव और लोगों बढ़ने वाला अंधविश्वास और इन सारी समस्यायों से जूझता बेचारा जीनियस आम आदमी जो दिशाहीन और किंकर्तव्यविमूढ़ है।

इस नाटक में उदय की भूमिका में प्रभात रंजन, मदन की भूमिका में सौमित्र वर्मा और नरेश की भूमिका में अखिलेश कुमार पांडेय ने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों को खूब हंसाया। लाइट पर थे अशोक यादव और म्यूजिक पर रूस्तम कुमार, वहीं स्टेज क्राफ्ट रविकांत, धीरज एवं मुन्ना कुमार ने किया।

इससे पहले तुलसी भवन के न्यासी रुण कुमार तिवारी, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के महानगर कार्यवाह रविंद्र नारायण सिंह, पत्रकार देवानंद सिंह, तुलसी भवन के मानद महासचिव प्रसेनजित तिवारी ने अतिथि कलाकारों को अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

पूर्वांचल के पारंपरिक लोकगीत विषयक पांच दिवसीय कार्यशाला शामिल हुईं राज नंदिनी, बोलीं-

भोजपुरी लोकगीत सबसे अधिक विविध एवं समृद्ध

AGENCY GORAKHPUR : पूर्वांचल की मातृभाषा भोजपुरी के पारंपरिक लोकगीत संसार की सारी भाषाओं में मौजूद गीतों से सबसे अधिक विविधिता से भरे एवं समृद्ध हैं। इसमें जन्म से लेकर मृत्यु तक के लिए अनगिनत विधाएं मौजूद हैं। पारंपरिक लोकगीतों की दुनिया अथाह होने के साथ ही व्यापक गहराई एवं विविधिता लिए हुए है।

ये बातें सोमवार को लोकवाहिका और भोजपुरी की उभरती लोक कलाकार राज नंदिनी ने कहीं। वह चंद्रकांति रामावती देवी आर्य महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय मेंह्यपूर्वांचल के पारंपरिक लोकगीतह्ल पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं। उन्होंने लोकगीतों की तीनों विधाओं संस्कार गीत, अनुष्ठानिक गीत एवं मनोरंजन गीत के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए इनके विभिन्न प्रकारों के बारे में भी छात्राओं की जानकारी दी। इस दौरान कई छात्राओं ने कई लोकगीतों को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में शामिल कलाकार। ● फोटोन न्यूज

इससे पूर्व मां सरस्वती को पुष्पार्चन कर महाविघालय की प्रबंधक डॉ. विजया लक्ष्मी, प्राचार्य डॉ. सुमन सिंह, उपप्राचार्य डॉ. स्वप्निल पांडेय, राज नंदिनी, मिनी उपाध्याय आदि ने कार्यशाला की विधिवत शुरूआत की।

कार्यशाला की संयोजक ऋचा दुबे ने छात्राओं को कई गीत गाकर प्रशिक्षण भी दिया। छात्राओं ने कार्यशाला में पूरे उत्साह के साथ अपनी सहभागिता दिखाई। संचालन डॉ. प्रीति त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर सुधीर कुमार मिश्र व सोनू किशोर के साथ महाविद्यालय की शिक्षिकाओं सहित सैकड़ों छात्राएं उपस्थित रहीं।

कार्यशाला के आयोजन में यायावरी क्लब की विशेष भूमिका

भोजपुरी भाषा के माध्यम से युवाओं में कौशल विकास को लेकर गठित यायावरी कल्ब की इस कार्यशाला के आयोजन में विशेष भूमिका है। बता दें कि भोजपुरी के पहले स्टोरी टेलिंग एप यायावरी वाया भोजपुरी ने युवाओं में कौशल विकास के उद्देश्य से शहर के महाविद्यालयों के साथ अनुबंध कर यायावरी क्लब का गठन किया है। इसके तहत समय-समय पर विभिन्न विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन व प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। क्लब के सदस्य सुधीर कुमार मिश्र ने बताया कि अब तक चार से पांच कॉलेजों में कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकीं हैं। विद्यार्थियों से मिल रही प्रतिक्रिया ने हमारा उत्साह दोगुना किया है। आगे भी भोजपुरी भाषा से कौशल विकास का यह अनूठा प्रयास जारी रहेगा।

संगम की काव्य गोष्ठी में बही फाग की बयार

AGENCY GORAKHPUR : सांस्कृतिक, साहित्यिक व सामाजिक संस्था 'संगम' की 308वीं मासिक काव्य गोष्ठी शनिवार को रेलवे स्टेशन स्थित शिवम गेस्ट हाउस के सभागार में हुई, जहां कवियों-कवयित्रियों ने फाग की बयार से सबको मदमस्त कर दिया। मुख्य अतिथि सुभाष चंद्र यादव की उपस्थिति व नर्वदेश्वर सिंह की अध्यक्षता में गोष्ठी का आरंभ प्रीति मिश्रा ने मां वीणापाणि की वंदना से की। गोष्ठी की पहली फुहार विनोद निर्भय ने 'तपस्वी की तरह लंका कभी वन में बिताती है, सवालों में घिरी रहती वही सीता कहाती है...' शानदार गजल पढी। भीम प्रसाद प्रजापति ने 'सब कर पानी राखत राखत आपन पानी सूखि गईल..' पढकर करारा व्यंग्य किया। केशव पाठक 'सृजन' ने 'वो मुझे मैं उसे प्यारा होता काश वो चाँद हमारा होता...' पढकर मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रतिभा गुप्ता ने 'गुझिया का मीठापन उतरे सबके मन के अंतस तक फगुआ के फागों में लिपटे रंगों की बौछार मिले...' पढकर माहौल को रंगत प्रदान की। डॉ. प्रीति त्रिपाठी ने बासंती ऋतु और शीतल बयार पुरवा का झोंका... और प्रेम की फुहार... पढकर माहौल को खुशनुमा बना दिया। रामसमुझ सांवरा ने दुई पुड़िया रंग घोरलं एक बल्टी पानी फगुनवा में देवरु करें छेड़खानी... पढकर समां बांध दिया। कमलेश मिश्रा ने उस पार ले चलो फिर मझधार में न छोड़ो नईया तेरे सहारे साहिल के ओर मोड़ो... खूबसूरत अंदाज में पढ़ी। सुभाष चंद्र यादव ने पढा कभी वो दिन नहीं होते कभी रातें नहीं होती बहुत हम बात करते हैं मगर बाते नहीं होती... डॉ.अजय अनजान ने जब मिल जाए मन से मन तो मानो बसंत आ गया... प्रीति मिश्रा ने होली के हमजोली निकले लेकर रंग गुलाल... अजय यादव ने रंग अबीर गुलाल ले आवे माने एक ना बतिया ना खेलब तोहसे होली सुन-सुन हो रंग रसिया... साधना सिंह ने मन का मलाल घुला प्रेम में गुलाल घुला... एकता उपाध्याय ने नैनो को भाये सजनी तेरा रूप बड़ा ही अनूप... सूरज राम आदित्य ने मैं जिसको जान समझा था उसी ने जान ले ली है... दिनेश गोरखपुरी ने मैं मद का प्याला पी बैठा... राघवेंद्र मिश्र ने होली में बस अपना गाँव यादआता है... सुरेन्द्र जयसवाल मोड़ आदि कवियों ने माहौल को रंगत प्रदान कर खुशनुमा बना दिया।

संगम की काव्य गोष्ठी में उपस्थित कवयित्रियां।

लोकसभा चुनाव में बिहार की 40 सीटों पर फैसले से सबकुछ होगा फाइनल

बिहार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ देशभर के विपक्षी दलो को लेकर बने इंडी गठबंधन ने मुंबई में रविवार को मंच से एकजुटता का जो शक्ति प्रदर्शन किया, उससे ज्यादा चर्चा महागठबंधन के अंदर सोमवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की रहेगी। बिहार में एनडीए का कुनबा टूटे, इसके इंतजार में महागठबंधन की सीटें नहीं बंट रहीं। आज उस इंतजार का फल शायद देर रात तक सामने आए या फिर मंगलवार दोपहर तक तो सुबकुछ किसी भी हालत में साफ हो जाएगा। एनडीए कुनबा बढ़ाने की तैयारी में है और महागठबंधन को उम्मीद है कि यह टूटेगा। फैसला दिल्ली में होगा। बिहार की 40 लोकसभा सीटों के बंटवारे के लिए एनडीए की दिल्ली में बैठक हो रही है। इस बैठक के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार की शाम करीब पौने सात बजे दिल्ली रवाना होंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब विपक्षी एकता के सूत्रधार थे तो वहां जून 2023 से ही सीट बंटवारे की बात लगातार कह रहे थे। अब 17 मार्च 2024 गुजर गया। 16 मार्च को तो भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव की तारीखें तक घोषित कर दीं, लेकिन इंडी एलायंस को एकजुट करते-करते अचानक पुराने घर एनडीए में आए सीएम नीतीश कुमार अबतक यहां सीट बंटवारे को फाइनल नहीं करा सके हैं। इसी सिलसिले में वह सोमवार को शाम दिल्ली जा रहे हैं। वैसे जदयू 2019 लोकसभा चुनाव के हिसाब से 16 सीटों को लेकर आश्वस्त है और भाजपा भी 17 सीटों पर तैयारी कर रही है, लेकिन शेष घटक दलों के बीच सीट बंटवारे के कारण असहज स्थिति को देखते हुए एक फाइनल बैठक बुलाई गई है। बैठक में पूरा फॉमूर्ला तय करना है, लेकिन बताया जा रहा है कि पहले दो-तीन चरणों के लिए सीट घोषित कर मामले को लटकाया भी रखा जा सकता है। एनडीए के घटक दलों के टूटने-बिखरने की आशंका को महागठबंधन अपने लिए संभावना के रूप में देख रहा है, इसलिए इस तरह का फैसला लिया जा सकता है।अगर केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने बिहार में प्रेस कांफ्रेंस कर यह नहीं कहा होता कि उनकी किसी से बात नहीं हुई है और वह हाजीपुर सीट से ही चुनाव लड़ेंगे तो सोमवार की बैठक के बगैर भी एनडीए में सीटों पर घोषणा हो सकती थी। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अपने लिए पांच सीटों पर हरी झंडी मिलने की बात कह पारस को ऐसी बात कहने के लिए एक तरह से मजबूर कर दिया। दूसरी तरफ 17 भाजपा, 16 जदयू, पांच सीटें चिराग को मिलने की स्थिति में बाकी घटक दलों के बीच ऊहापोह की स्थिति बन गई। इसी कारण एनडीए ने अब यह बैठक बुलाकर करने का फैसला किया है। सोमवार रात से मंगलवार दोपहर तक जिस बैठक की दिल्ली में चर्चा चल रही है, उसमें मूल रूप से पशुपति कुमार पारस की लोक जनशक्ति पार्टी (राष्ट्रीय), उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा और जीतन राम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा-सेक्युलर मौजूदा घटक हैं। पारस को तो चाहिए ही चाहिए। ऐसे में अगर भाजपा 17, जदयू 16 सीटें ासान काम नहीं है।

भोजपुर में शादी के बाद बनारस गया था परिवार लौटने के दौरान खड़े ट्रक से टकराई कार

भोजपुर। में सड़क हादसे में एक बच्चे की मौत हो गई। परिवार के 7 लोग घायल हैं। रविवार देर रात खड़े ट्रक में जा टकराई जिससे ये हादसा हुआ। घायलों ने बताया कि ड्राइवर को झपटी लग गई थी।हादसा आराझबक्सर फोरलेन बिहिया थाना क्षेत्र के बिहिया चौरस्ता के पास हुआ। सूचना मिलने के बाद बिहिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से कार में फंसे लोगों को निकलवाकर सदर अस्पताल भेजा गया गया। दो लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। मृतक वैशाली जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव निवासी राजेश राय का 12 साल का बेटा सन्नी कुमार है। जबकि घायलों में पिता कृष्ण नंदन राय का 40 साल का बेटा राजेश राय,मांसीमा कुमारी(32),चाचाऋतु राज(28),चाचीसंध्या कुमारी(25), फुफा वितुपुर थाना क्षेत्र के खलौत गांव निवासी स्व अरविंद राय का 35 साल का बेटा विकास कुमार उनकी पत्नी दीपशिखा(28) और बेटे शिवांक(1) शामिल हैं। घायल ऋतु राज ने बताया कि उनकी शादी 12 मार्च 2024 को बड़े ही धूमधाम से हुई थी। जिसके बाद सभी शनिवार को अपने घर से वाराणसी काशी विश्वनाथ की पूजाझअर्चना के लिए गए थे। रविवार को उन्होंने बाबा काशीनाथ का पूजा की और बनारस घूमने के बाद गंगा आरती देखकर अपने घर के निकल गए। कार उनके जीजा विकास कुमार चला रहे थे। ऋतुराज ने बताया की कार में बैठे सभी लोगों को नींद आ रही थी,जिसके बाद उन्होंने हादसे से पहले गाड़ी को रोककर चाय पी। इसके बाद वो लोग आगे की ओर बढ़ गए। जैसे ही कार बिहिया चौरस्ता क पास पहुंची उसी दौरान उनकी पलक झपक गई। किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई।

विरोध करने पर महिला की पिटाई बोली- पति की मौत के बाद से जेठ की थी गंदी नजर

पूर्णिया। में एक महिला ने अपने ही जेठ पर जोर जबरदस्ती करने का विरोध करने पर मारपीट और जानलेवा हमले का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि उसने जब जेठ की गलत हरकतों का विरोध किया तो वे उन्हें अधमरा होने तक पीटते रहे। ये देख जब मां और भाई ने विरोध किया तो जेठ ने उन्हें भी बुरी तरीके से पीटा। महिला का आरोप है कि 7 साल पहले ही महिला के पति की मौत हो गई थी। इसके बाद से ही जेठ की उसके ऊपर गंदी नजर है। मामला सहायक खजांची थाना क्षेत्र से जुड़ा है। घटना की जानकारी देते हुए पीड़िता ने बताया कि साल 2017 में बीमारी की वजह से उनके पति की मौत हो गई थी। पति से एक बेटा भी है। पति की मौत के बाद जेठ उनके ऊपर डोरे डालने लगा और गंदी निगाह रखने लगा। वहीं, अपना और बच्चे का लालन -पालन करने के लिए जब उन्हें पति की संपत्ति में दावा किया तो जेठ ने उन्हें संपत्ति में हक देने से मना करते हुए उसे अपने साथ रखने का ऑफर दिया। इसके बाद जेठ की ज्यादती बढ़ गई। इसके बाद वो अपने साथ रखने के लिए जोर जबरदस्ती करने लगे। तब इसकी शिकायत पुलिस में भी की थी। मगर जेठ का कहना है कि पति की मौत के साथ ही पति के घर से पत्नी के सारे रिश्ते खत्म हो गए। इस जायदाद में उसका कोई हक नहीं। वे बच्चों संग घर छोड़कर चली जाए या फिर इससे बेहतर है कि उसके साथ आगे का जीवन जीए। इससे उन्होंने साफ इनकार कर दिया।वहीं, सुबह जैसे ही वो अपने मेस में आई। उन्हें अकेला पाकर जेठ किचन के कमरे में घुस गए और उनके साथ जोर जबरदस्ती करने लगे। इसका विरोध करने और चीखने पर उन्होंने पीटना शुरू कर दिया। उनके चीखने की आवाज सुनकर जब मां और भाई पहुंचे तो उन्होंने बांस से उन्हें भी बुरी तरह पीटा। शरीर पर अब भी जख्म के निशान हैं। स्थानीय लोगों के बीच बचाव में आने पर किसी तरह मामला शांत हुआ। वहीं स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें घायल अवस्था में ऋटउल्ह पूर्णिया ले जाया गया। जहां, उनका इलाज जारी है। वहीं, जोर जबरदस्ती और घटना को लेकर थाना में लिखित शिकायत सहायक खजांची थाना में दी गई है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

ड्राइवर और खलासी ने कूदकर बचाई जान बच्चों को लाने जा रहे थे दोनों

भागलपुर। पुलिस जिला नवगछिया के विक्रमशिला पहुंच पथ ठल्ल- 31 पर चलती स्कूली वैन में अचानक आग लग गई। आग लगने से राहगीरों में भगदड़ मच गया। वहीं, चालक और उप चालक ने किसी तरह वैन से खुद कर अपनी जान बचाई। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि नवगछिया से स्कूली वैन बच्चों को लाने के लिए जा रही थी। तभी प्रवक्ता थाना क्षेत्र के गरेया गांव के समीप वैन हादसे का शिकार हो गई। हालांकि, वैन में आग कैसे लगी या अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने डायल 112 को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस हादसे में कोई हताहत की सूचना नहीं मिल रही है। घटना के बाद से पुलिस ने विक्रमशिला पहुंच पथ को दोनों तरफ से वाहनों के आवाजाही पर रोक लगा दिया था। आग पर काबू पाने के बाद पुलिस सामान्य करने की कोशिश की जा रही है। मामले को लेकर स्कूल वैन चालक ने बताया कि अचानक वाहन से धुआं निकलने लगा। जब तक एनएच से साइड करते तब तक पूरी तरह आग लग चुकी थी। किसी तरह वैन से खुद कर जान बचाई। वही, डायल 112 के ऑन ड्यूटी पदाधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोगों के द्वारा सूचना प्राप्त हुई। घटना की जानकारी मिलने के बाद फौरन 112 की टीम मौके पर पहुंची और मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आग कैसे लगी है।वही, नवगछिया के विक्रमशिला पहुंच लगा दिया गया।

गोपालगंज में एक घंटे तक तड़पता नाबालिगों में 3 साल से था अफेयर आरोपी पिता फरार

गोपालगंज। में भरी पंचायत में ऑनर किलिंग हुई। पंचायत में पिता ने बेटी के प्रेमी को चाकू से गोद दिया। लड़का एक घंटे तक वहीं तड़पता रहा, लेकिन आरोपी के डर से कोई बचाने नहीं आया। दोनों प्रेमी-प्रेमिका नाबालिग हैं। लड़का 17 और लड़की 16 साल की है। दोनों के बीच 3 साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। अब लड़की लड़के घर पर ही है। रविवार को लड़की लड़के के साथ भाग रही थी। इसी बीच किसी ने देख लिया, लेकिन लड़की अपने घर नहीं जाना चाहती थी। स्थानीय लोगों के जुटने के बाद पंचायत बुलाई गई। जहां लड़की का पिता भी पहुंचा और 25 लोगों के सामने ही लड़के को चाकू से गोद दिया। इधर, प्रेमी की हत्या के बाद लड़की सदमे में है। घरवाले उसे छोड़कर भाग गए हैं। वो लड़के के घर पर ही है, अपने घर नहीं जाना चाहती। उसे डर है कि आरोपी पिता उसकी भी हत्या कर देगा। मामला मीरगंज थाना क्षेत्र के कुसौंधी गांव का है। मृतक की पहचान कुसौधी गांव का रहने वाला था। वो पटना में रहकर इंटर की पढ़ाई करता था। 10 दिन पहले वो शिवरात्रि के मेले में अपने घर आया था। प्रेमिका का घर उसके घर से करीब 500 मीटर दूर है। पटना में रहने के कारण हमेशा उनकी मुलाकात तो नहीं हो पाती थी, फोन पर बातचीत होती रहती थी।साथ कहीं भागने लगी। तड़पता रहा।आरोपी वहीं चाकू लेकर खड़ा रहा। लोगों को डर था कि लड़के को उसके सामने ले जाने पर वो उस पर फिर से हमला कर देगा। उसके चले जाने के बाद परिवार उसकी मौत हो गई।

दिनारा में पोखर में मिला किशोरी का शव

रोहतास। की दिनारा थाना पुलिस ने किशोरी का शव पुउवाडीह पास पोखरा से बरामद किया है। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया। मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। मृतक की पहचान दिनारा थाना क्षेत्र के पुउवाडीह निवासी नंद कुमार राम की 17 वर्षीय बेटी लाखा मुनि कुमारी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार लड़की शुक्रवार की रात से गायब थी। रविवार की रात तीसरे दिन शव मिलने के साथ परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पिता ने बताया कि गांव के लड़के पवन कुमार उर्फ गोवर्धन चौधरी से बेटी का प्रेम प्रसंग चल रहा था। शुक्रवार की रात वह घर से गायब हो गई थी, उसके प्रेमी ने कहा कि वह मिलने आई थी, फिर लौट गई थी। लड़की घर नहीं पहुंची तो परिजन दो दिन से खोजबीन कर रहे थे तभी उसका शव पोखरा से बरामद किया गया। दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने मोबाइल पर बताया कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा है। एफआईआर में नामित आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार किया गया है। शव को सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

पांच अपराधियों ने मिलकर दिया था वारदात को अंजाम दो की गिरफ्तारी अभी बाकी

शेखपुरा। के ऐतिहासिक गिरिहिंडा पहाड़ पर घूमने आए पर्यटकों के साथ लूटपाट मामले में एक साल से फरार चल रहे एक लुटेरे को सोमवार को नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।छापेमारी का नेतृत्व नगर थाना अध्यक्ष सह पुलिस इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार ने की। गिरफ्तार लुटेरे की पहचान गिरिहिंडा मोहल्ला निवासी विजय महतो के पुत्र अजय कुमार के रूप में की गई हैं। थाना अध्यक्ष ने बताया कि घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद इसे जेल भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गिरिहिंडा पहाड़ पर कामेश्वर नाथ मंदिर में पूजा करने गई महिला श्रद्धालु और पर्यटकों के साथ हथियार का भय दिखाकर लुटेरा गिरोह के बदमाश लूटपाट मचा रहे हैं। पुलिस टीम पहाड़ पर पहुंची और गिरफ्तार कर लिया। लुटेरा इंदाय मोहल्ले निवासी विजय यादव का पुत्र दीपक कुमार था। शेष 5 फरार हो गए। लुटेरों ने पर्यटकों से मोबाइल और नगद लूट लिए। थाना अध्यक्ष ने कहा कि मामले के दो आरोपी अभी भी फरार है।

बीजेपी को ज्यादा फायदा चिराग में दिख रहा पशुपति पारस इसलिए दरकिनार अलग हुए तो कितना नुकसान करेंगे

बिहार। देश में लोकसभा चुनाव 2024 का बिगुल बज गया है। बिहार में और दोनों गठबंधन एक भी सीट पर प्रत्याशी घोषित नहीं कर पाया है। सीटों पर खींचतान मची है, लेकिन सबसे ज्यादा लड़ाई चाचा और भतीजे की है। दोनों में शह और मात का खेल चल रहा है। तीन साल पहले चाचा पशुपति कुमार पारस से मात खाए चिराग पासवान ने फिलहाल ठऊअ में बढ़त बना ली है। चिराग की बीजेपी से सीटों पर सहमति बनते ही चाचा पारस नाराज हो गए हैं। वे दूसरे विकल्प पर विचार करने लगे हैं।रामविलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (छखढ) टूट गई। पार्टी के पांच सांसद- पशुपति कुमार पारस, चौधरी महबूब अली कैसर, वीणा देवी, चंदन सिंह और प्रिंस राज ने मिलकर राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को सभी पदों से हटा दिया। साथ ही चिराग के चाचा पशुपति कुमार पारस को अपना नेता चुन लिया। यह सब बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के सात महीने और रामविलास पासवान के निधन के आठ महीने बाद हुआ। अगले ही महीने 7 जुलाई को पशुपति पारस केंद्रीय मंत्री बन गए। चिराग केंद्र से लेकर राज्य की सत्ता से दरकिनार कर दिए गए। पिता रामविलास पासवान के नाम पर मिला बंगला भी उनसे खाली करा लिया गया। चिराग पूरी तरह से बैकफुट पर आ गए। दिल्ली में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी की संसदीय बोर्ड की बैठक हुई। पार्टी के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने चेतावनी दी है कि अगर एनडीए में हमें उचित सम्मान नहीं दिया गया तो हमारी पार्टी स्वतंत्र है। हमारे दरवाजे खुले हैं। हम कहीं भी जाने को तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा कि मुझसे बात नहीं की गई है। मैं हाजीपुर से ही चुनाव लड़ूंगा। बोर्ड के सदस्यों ने फैसला किया है कि जब तक बीजेपी उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं होती है, हम इंतजार करेंगे। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से आग्रह करते हैं कि हमारे पांचों सांसदों पर विचार करें। पशुपति पारस के दो सांसद चिराग से मिलने चले गए हैं। यानी पशुपति पारस की स्थिति वैसी हो गई, जैसे पहले चिराग की थी। लोजपा (रा) के नेता चिराग पासवान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेप मिले। चिराग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा- एनडीए के सदस्य के रूप में आज बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात हुई। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ बैठक में आगामी लोकसभा चुनावों के लिए बिहार में सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है। उचित समय आने पर इसकी जानकारी दी जाएगी। मीडिया में खबर आई कि हाजीपुर सीट के अलावा 4 और सीटें चिराग को देने पर सहमति बनी है। इसके अगले दिन 14 मार्च को सांसद चौधरी महबूब अली कैसर चिराग पासवान से मिलने घर पहुंचे। उनके साथ वैशाली की सांसद वीणा देवी भी थीं। दोनों पशुपति पारस की पार्टी में हैं। चौधरी महबूब अली कैसर तो इसके अगले दिन पारस की पार्टी की संसदीय बोर्ड की बैठक में भी नहीं गए। इधर, चिराग पासवान बीजेपी से सीटों पर तालमेल होते ही नीतीश कुमार के प्रति सॉफ्ट हो गए। नीतीश की नाराजगी दूर करने के लिए कहा- नीतीश जी बिहार में अच्छा काम कर रहे हैं। साल 2021 में लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) में टूट के बाद बीजेपी को पशुपति पारस से दलित वोट की उम्मीद नजर आ रही थी। चिराग पासवान तो पूरी तरह से हाशिए पर

संक्षिप्त डायरी

नए नियम के विरोध में एनएन कॉलेज के छात्र भी सड़क पर उतरे

पटना। के एनएन कॉलेज के बाहर प्रदर्शन कर छात्रों ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान 1 घंटे तक सड़क को जाम कर दिया। छात्रों से पुलिस ने प्रदर्शन खत्म करने की बात कही, लेकिन छात्र नहीं माने। जिसके बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर छात्रों को इधर- उधर किया। पुलिस की टीम लाठी के साथ मौके पर पहुंची और छात्रों की भीड़ को हटाया। वहीं जेडी वीमेन्स की छात्राओं ने भी नए नियमावली के विरोध में बेली रोड का जाम कर दिया। बेली रोड लगभग 30 मिनट तक जाम रहा। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए सड़क खाली करा दिया। लेकिन छात्राएं सीएम आवास के बाहर पहुंच गईं और वहां अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की और बाहर ही बैठ गईं। कुछ देर बात पुलिस ने छात्राओं को समझा कर वहां से हटा दिया।प्रदेश के डिग्री कालेजों में नए शैक्षणिक सत्र से ही इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी तरह से अलग हो जाएगी। यह स्कूली शिक्षा का हिस्सा बन जाएगी। इससे इसी वर्ष से डिग्री कालेजों में 11वीं कक्षा में नामांकन बंद हो जाएगा अभी डिग्री कालेजों में 11वीं कक्षा की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थी 12वीं कक्षा की पढ़ाई भी उन डिग्री कालेजों में नहीं कर पाएंगे। उन्हें 12वीं कक्षा की पढ़ाई उच्च माध्यमिक विद्यालयों में करनी होगी। शिक्षा विभाग के मुताबिक राज्य के 1,997 डिग्री कालेजों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई बंद होगी।

चार दिन पहले बालू ढुलाई के दौरान युवक पर किया था हमला अन्य अपराधियों की भी होगी गिरफ्तारी

शेखपुरा। के सुदूरवर्ती बाऊ घाट थाना पुलिस ने लखीसराय के अम्हारा थाना क्षेत्र अंतर्गत मोरमा गांव में छापेमारी की। जानलेवा हमले के एक मामले में बालू माफिया को गिरफ्तार किया है। छापेमारी का नेतृत्व बाऊ घाट थाना अध्यक्ष सह पुलिस सब इंस्पेक्टर सोनम कुमारी ने की।बालू माफिया की पहचान मोरमा गांव निवासी भागीरथ यादव के पुत्र रोहित कुमार के रूप में की गई है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि चार दिन पहले अवैध बालू ढुलाई के दौरान गिरफ्तार आरोपी ने जितवारपुर गांव के एक युवक श्रवण राम के ऊपर अपने गुर्गों के सहयोग से जानलेवा हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया था। घटना में घायल युवक को पुलिस की सहायता से इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि घायल की लिखित शिकायत पर स्थानीय थाना में धार- 307 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। उस दिन से आरोपी फरार चल रहा था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को जेल भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साथ ही मामले के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। के सुदूरवर्ती बाऊ घाट थाना पुलिस ने लखीसराय के अम्हारा थाना क्षेत्र अंतर्गत मोरमा गांव में छापेमारी की। जानलेवा हमले के एक मामले में बालू माफिया को गिरफ्तार किया है। छापेमारी का नेतृत्व बाऊ घाट थाना अध्यक्ष सह पुलिस सब इंस्पेक्टर सोनम कुमारी ने की।बालू माफिया की पहचान मोरमा गांव निवासी भागीरथ यादव के पुत्र रोहित कुमार के रूप में की गई है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि चार दिन पहले अवैध बालू ढुलाई के दौरान गिरफ्तार आरोपी ने जितवारपुर गांव के एक युवक श्रवण राम के ऊपर अपने गुर्गों के सहयोग से जानलेवा हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया था। घटना में घायल युवक को पुलिस की सहायता से इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि घायल की लिखित शिकायत पर स्थानीय थाना में धार- 307 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

चार बच्चों के सिर से उठा पिता का साया सड़क पार करने के दौरान अनियंत्रित बाइक ने मारी टक्कर

नालंदा। में सोमवार को सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मामला अस्थावां थाना क्षेत्र अंतर्गत सारे-कतरीसराय मुख्य मार्ग के जहांगीरपुर के पास की है। मृतक की पहचान अस्थावां थाना क्षेत्र के जहांगीरपुर निवासी इंद्रदेव प्रसाद के (37) वर्षीय बेटे मणि यादव के रूप में की गई है। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रख जाम लगा दिया। जाम की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्यवाही का भरोसा देकर जाम हटाया। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए शव को सदर अस्पताल भेज दिया गया। घटना के संबंध में मृतक के परिजन ने बताया कि मणि यादव खेत में काम कर रविवार की शाम घर लौट रहे थे। इसी बीच सारे-कतरीसराय मुख्य मार्ग के जहांगीरपुरी के पास नियंत्रित बाइक सवार ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों के द्वारा आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए अस्थावां रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इलाज के क्रम में निजी क्लीनिक में मणि यादव की मौत हो गई। वहीं, घटना के बाद बाइक सवार मौके से गाड़ी छोड़ फरार हो गया।

कम उम्र में कैंसर

दुनिया में कैंसर का फैलते जाना जितनी चिंता की बात है, उससे कहीं ज्यादा विचलित करने वाली बात है कि युवाओं में इस बीमारी का प्रकोप बढ़ रहा है। पहले जो बीमारियां बड़ी उम्र के लोगों को होती थीं, अब कम उम्र के लोगों में भी दिखने लगी हैं। इस बीमारी के इलाज से जुड़े डॉक्टरों के पास ऐसे बहुत मरीज आने लगे हैं, जिनकी उम्र ज्यादा नहीं है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, हालात इस तरह से बदल रहे हैं कि शोधकर्ता चिकित्सक भी चिंतित हैं। 16 साल का एक किशोर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर का इलाज कराने के लिए चीन से टेक्सास आया था। यह कैंसर बड़ी उम्र के लोगों में ही देखा जाता है। उसके माता-पिता ने किशोर की देखभाल के लिए अपना घर बेच दिया था, मगर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। टेनेसी के नैशविले में वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में ऑन्कोलॉजिस्ट कैथी इंग कहती हैं, चीन से आए किशोर की बीमारी ऐसे स्तर पर पहुंच चुकी थी कि इलाज के लिए कुछ भी करना संभव नहीं था। नैशविले से हजारों मील दूर यहां मुंबई में भी सर्जन जॉर्ज बैरेटो यही बात नोटिस कर रहे हैं। इंग और बैरेटो जैसे ऑन्कोलॉजिस्ट बहुत कठिनाई से आंकड़े जुटा रहे हैं और अब इस बीमारी के आंकड़े स्पष्ट होने लगे हैं। आंकड़ों के अनुसार, 50 वर्ष से कम उम्र के वयस्कों में एक दर्जन से अधिक प्रकार के कैंसर की दर बढ़ रही है। यह वृद्धि देश-दर-देश और कैंसर-दर-कैंसर अलग-अलग है, पर वैश्विक डाटा पर आधारित मॉडल बताते हैं कि साल 2019 से 2030 के बीच शुरूआती कैंसर के मामलों में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि होगी। अमेरिका में कोलोरेक्टल कैंसर- जो आमतौर पर 1960 के दशक के मध्य में ज्यादा उम्र के पुरुषों को प्रभावित करता था, वह 50 वर्ष से कम उम्र के पुरुषों में तेजी से बढ़ रहा है। यह युवा महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौत का दूसरा प्रमुख कारण बन गया है। जैसे-जैसे बेहतर जांच, जागरूकता और उपचार की गति बढ़ रही है, वैसे-वैसे जांचकर्ता यह समझने लगे हैं कि इस बीमारी की दरें क्यों बढ़ रही हैं? यह बात बार-बार सामने आ रही है कि इस बीमारी के लिए अनेक कारक जिम्मेदार हैं। किसी एक कारक को ज्यादा जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इलिनोइस में शिकागो विश्वविद्यालय की गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट सोनिया कुफर कहती हैं, ह्ययह बढ़ती बीमारी कई अलग-अलग कारकों का संयोजन लगती है ह्न अमेरिका के आंकडे. ज्यादा स्पष्ट हैं, 1990 के दशक के मध्य से 50 वर्ष से कम उम्र की्त्रियों में गर्भाशय कैंसर में हर साल दो प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्तन कैंसर के मामलों में भी 2016 और 2019 के बीच प्रति वर्ष 3.8 प्रतिशत की वृद्धि पाई गई है। वैज्ञानिकों ने श्वेत और अश्वेत के बीच कैंसर-दर का अध्ययन किया है और कम उम्र के अश्वेतों में बीमारी की आशंका ज्यादा है। अब कम उम्र से ही कैंसर के प्रति सावधान रहने की जरूरत है। शोधकताओं ने जांच की उम्र घटाने की भी सिफारिश की है। अनेक प्रसिद्ध लोगों की इस बीमारी से कम उम्र में मौत हुई है, इससे भी जागरूकता को बल मिल रहा है।

घर वापसी

एक विमुख सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और नयी दिल्ली में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पूर्व संयोजक व आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू का दोबारा स्वागत करने के साथ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आंध्र प्रदेश में एक बड़ी रणनीतिक जीत हासिल की। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में मात्र 0.84 फीसदी मत पाने वाली भाजपा राज्य में किसी गिनती में नहीं थी। उसे एक ऐसी पार्टी के रूप में देखा गया जो विशेष श्रेणी का दर्जा (एससीएस) और पांच साल बढ़ाने के वादे से मुकर गयी। हालांकि कई लोगों ने 2019 के चुनाव से चंद महीने पहले टीडीपी के एनडीए से बाहर निकलने को देर से उठाया गया अपर्याप्त कदम माना, लेकिन राज्य के साथ ह्यविश्वासघातह्न के लिए गठबंधन के खिलाफ व्यापक असंतोष को देखते हुए, टीडीपी ने अपने बूते लड़ने के बावजूद 40 फीसदी मत हासिल किये, अलबत्ता विधानसभा की 175 में से 23 सीटों पर ही उसे जीत मिली। अभिनेता से राजनेता बने पवन कल्याण की जन सेना पार्टी (जेएसपी) ने छह फीसदी मत प्राप्त किये और एक सीट जीती, लेकिन भाजपा 175 में से 173 सीटों पर अपने बूते लड़ी और खाली हाथ रही। पांच-कोणीय मुकाबले ने युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी), और उसके नेता वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी को शानदार 50 फीसदी मत और विधानसभा में 151 सीटों का प्रचंड बहुमत हासिल करने में कामयाब बनाया। हालांकि जगन मोहन रेड्डी की छोटी बहन वाई.एस. शर्मिला के वाईएसआरसीपी से बाहर निकलने से कांग्रेस को एक संजीवनी मिली है और यह मुख्यमंत्री की दुखती रग बन गया है, लेकिन टीडीपी अब भी मुख्य विपक्ष है। आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम मामले में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर, 9 सितंबर, 2023 को आंध्र प्रदेश सीआईडी (अपराध अनुसंधान विभाग) द्वारा नायडू की तड़के हुई गिरफ्तारी ने इस 73-वर्षीय नेता और तीन बार के पूर्व मुख्यमंत्री को राज्य के लोगों की काफी हमदर्दी दिलायी है। यह देखा जाना बाकी है कि क्या जगन-विरोधी मत कांग्रेस-नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) और एनडीए में बंटते हैं, जो संभवतः वाईएसआरसीपी को जीत दिलायेगा, या फिर क्या सतारूढ़ दल के मत आधार (अल्पसंख्यक, दलित और पिछड़ी जातियां, जो शर्मिला को वाईएसआर की विरासत के धारक के रूप में देख सकते हैं) में बड़ा खिसकाव आ सकता है और त्रिकोणीय मुकाबले में इससे टीडीपी को लाभ मिल सकता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

इंडी अलायंस ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है, जबकि मेरे लिए हर मां-हर बेटी शक्ति का रूप है। मैं भारत मां का पुजारी हूं, इसलिए अपनी शक्ति-स्वरूपा मां, बहन और बेटियों की रक्षा के लिए जान की बाजी लगा दूंगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

मुम्बई के विश्व प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में बेटी कल्पना के साथ पूजा-अर्चना कर झारखण्डवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना किया। गणपति बप्पा मोरया! मंगलमूर्ति मोरया!

(सीएम चम्पाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

देश के युवाओं को पर्याप्त कौशल के साथ सशक्त बनाने तथा प्रासंगिक क्षेत्रों में उनके लिए रोजगार की उपलब्धता सुनिश्चित करने और उत्पादकता में सुधार लाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरू किए गए स्किल इंडिया मिशन के तहत - अब तक 1 करोड़ 37 लाख से अधिक युवाओं को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से स्किल्ड किए गए। 54 लाख युवा कुशल हुए। 2015 में शुरू किए गए स्किल इंडिया मिशन के तहत 3,000 नए आईटीआई की स्थापना की गई है।

(पूर्व सीएम बाबू लाल का 'एक्स' पर पोस्ट)

शिक्षा, ज्ञान और नैतिकता

ANALYSIS

गिरीश्वर मिश्र

आज विज्ञान की साखी के साथ (सफेद कोट से सजे) विज्ञापनों की धूम मच रही है। कभी ज्ञान को शक्ति का महान स्रोत घोषित किया गया (नोलेज इज पावर!)। वह छवि आज भी विद्यमान है। विद्या के परिसरों में भी मानविकी (ह्यूमेनिटीज), विज्ञान (साइंस) और प्रौद्योगिकी (टेक्नोलोजी) के आगे बेहद फीकी पड़ रही है। आज विज्ञान से बढ़त पाकर कुछ देश शेष विश्व पर नियंत्रण करने में लगे हुए हैं। शायद इसी सोच के साथ परमाणु बम जैसे संहारक अस्त्र-शस्त्र भी बनते गए। आज भी संहार की विभीषिका का अनुभव करने के बाद भी नए-नए ज्यादा से ज्यादा संहार शक्ति वाले अस्त्र-शस्त्र बनाने की होड़ लगी हुई है। अब छोटे-बड़े सभी देश अपने बजट में जन-कल्याण की जगह युद्धास्त्रों के मद पर सबसे ज्यादा खर्च कर रहे हैं। आज दुनिया में दो घोषित युद्ध चल रहे हैं जिनके आयोजन में विकसित दुनिया के बड़े-बड़े देश शामिल हैं। इन युद्धों में जीवन और सम्पदा की हो रही भीषण तबाही का भयानक मंजर सभी देख रहे हैं।

आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। ज्ञान का विस्फोट हो रहा। इस युग की मान्यता है कि ज्ञान अपने आप में सेकुलर (यानी निर्दोष!) होता है और उसका किसी तरह के मानवीय मूल्य से कुछ लेना-देना नहीं होता है। वह सबकुछ से परे अर्थात निरपेक्ष-निष्पक्ष होता है। आज विज्ञान की साखी के साथ (सफेद कोट से सजे) विज्ञापनों की धूम मच रही है। कभी ज्ञान को शक्ति का महान स्रोत घोषित किया गया (नोलेज इज पावर!)। वह छवि आज भी विद्यमान है। विद्या के परिसरों में भी मानविकी (ह्यूमेनिटीज), विज्ञान (साइंस) और प्रौद्योगिकी (टेक्नोलोजी) के आगे बेहद फीकी पड़ रही है। आज विज्ञान से बढ़त पाकर कुछ देश शेष विश्व पर नियंत्रण करने में लगे हुए हैं। शायद इसी सोच के साथ परमाणु बम जैसे संहारक अस्त्र-शस्त्र भी बनते गए। आज भी संहार की विभीषिका का अनुभव करने के बाद भी नए-नए ज्यादा से ज्यादा संहार शक्ति वाले अस्त्र-शस्त्र बनाने की होड़ लगी हुई है। अब छोटे-बड़े सभी देश अपने बजट में जन-कल्याण की जगह युद्धास्त्रों के मद पर सबसे ज्यादा खर्च कर रहे हैं। आज दुनिया में दो घोषित युद्ध चल रहे हैं जिनके आयोजन में विकसित दुनिया के बड़े-बड़े देश शामिल हैं। इन युद्धों में जीवन और सम्पदा की हो रही भीषण तबाही का भयानक मंजर सभी देख रहे हैं। यह तब हो रहा है जब दुनिया विश्वयुद्ध में बड़े पैमाने हो चुके संहार की साक्षी रही है । इस तरह के घटना-चक्र के पीछे की ज्ञान-दृष्टि बेमानी सिद्ध हो रही है। किंतु प्रबल उपभोग वृत्ति के आकर्षण और बाजार पर अधिकाधिक प्रभुत्व स्थापित करने के तीव्र दुराग्रह के बीच हमें कुछ भी दिख नहीं है। आज पृथ्वीसमेत पूरी प्रकृति और सारी मनुष्यता के भविष्य पर भीषण खतरा मंडराता दिख रहा है। हमारी वैज्ञानिक ज्ञान-दृष्टि की एक सीमा यह भी उभर रही है कि हम इस स्थिति में निरुपाय और विवश बने रहने के लिए अभिशप्त हो चले हैं। इस दृष्टि से अभिभूत हम सब प्रगति, विकास और उन्नति के प्रलोभन से ग्रस्त हो कर घोर अनैतिकता और अमानवीयता को नजर अन्दाज करते जा रहे हैं। सूचना और परौद्योगिकी के अतिरेक वाले आज के विस्मय भरे दौर में ज्ञान की भूमिका अनधिकृत रूप से वर्चस्व, शोषण और दूसरों को पराभूत करने वाली शक्ति की होती जा रही है। अतिविकसित कहलाने वाले अधिकांश देश इसी राह पर चल रहे हैं। उनके अहंकार का यह विकट नर्तन अंततः आत्महंता होता जा रहा है। पश्चिमी दृष्टि से भिन्न भारतीय प्रज्ञा के अनुसार ज्ञान इस पृथ्वी पर सबसे पवित्र होता है झ न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रं इह विद्यते । पवित्रता का अनुभव निर्मल करने वाला होता है। उससे व्यक्ति के दोष दूर होते हैं और सद्गुण विकसित होते हैं। महात्मा बुद्ध ज्ञान (प्रज्ञा) के आधार के रूप में शील का उल्लेख करते हैं। भारत की ज्ञान परम्परा में ज्ञान या विद्या को समझाते हुए उसे क्लेशों से मुक्त करने वाला, विवेक जगाने वाला और मन में कर्तव्य का भाव स्थापित करने वाला बताया जाता रहा है। ज्ञान प्रकृति से ही नैतिक है। ज्ञान की यह सोच एक बड़े दायरे में विस्तृत है- इसमें सामान्य या लौकिक ज्ञान और आध्यात्मिक ज्ञान, अपरा और परा दोनों तरह की विद्याओं को सम्मिलित किया गया है। वस्तुतः ज्ञान अर्जित करना मनुष्य जीवन के लिए एक सतत लक्ष्य है और उसे प्राप्त का जीवन का परिष्कार और उसमें संवर्धन लाने का उपाय भी है। इस तरह विद्या मनुष्य के द्वारा जो कुछ मनोवांछित है उसे साधने या सिद्ध करने में समर्थ मानी गई है- किं किं न साधयति कल्पलतेव विद्या । ज्ञान के मार्ग पर चलने का उद्देश्य दुःख का निवारण कहा गया। उसे निःश्रेयस अर्थात मुक्ति से जोड़ा गया। अर्थ और वित्त की प्राप्ति कर लेना, संसाधन जुटा लेना उसका लक्ष्य नहीं हो सकता। बृहदारण्यक उपनिषद में एक आख्यान है जिसमें मैत्रेयी परम ज्ञानी याज्ञवल्क्य से पूछती हैं कि यदि धरती की सारी सम्पदा मुझे मिल जाय तो क्या मुझे अमरत्व मिल जाएगा? इसका उत्तर याज्ञवल्क्य स्पष्ट रूप से नकारात्मक देते हैं। गौतम बुद्ध भी बोधि को जीवन का लक्ष्य बताते हैं। चार्वाक विचार परम्परा में जरूर काम के पुरुषार्थ और इच्छा पूर्ति पर बल देता है। परंतु यह दोषपूर्ण है। महाभारत स्पष्ट रूप से कहता है कि इच्छा कभी नहीं मरती। पूरी होने पर फिर दूसरी और फिर अगली इच्छा पैदा होती जाती हुई। यह क्रम अनवरत चलता रहता है जिसकी व्यर्थता समझ में नहीं आती। काम का पुरुषार्थ महत्वपूर्ण है पर तब जब वह धर्म के अनुकूल हो जैसा कि भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि ह्यमैं धर्म का अविरुद्ध काम हूँ ह्न कठोपनिषद श्रेय और प्रेय के बीच अंतर करता है। श्रेय कल्याणकारी होता है जब कि प्रेय सिर्फ. प्रीतिकर होता है। समझदार लोग श्रेय को चुनते हैं। वित्त आवश्यक है पर उतना ही जो भरण-पोषण के लिए चाहिए। उससे अधिक पाने के लोभ की कोई सीमा नहीं होती। साथ ही अधिक सम्पदा दान, त्याग और लोक-कल्याण के लिए होनी चाहिये। धन सम्पदा अर्जित करना और लोक-कल्याण में जुटना साथ-साथ चल सकते हैं। उदात्त भाव की ओर आगे बढ़ना ही जीवन का व्यापकतर उद्देश्य होना चाहिए। बृहदारण्यक उपनिषद में मनुष्य मात्र के लिए तीन निर्देश दिए गए- दाम्यत, दत्त और दयध्वम् अर्थात आत्म नियंत्रण करो, त्याग करो और जीवों के साथ करुणा का भाव अपनाओ। कुल मिला कर यही लगता है कि आदमी जितना नैतिक होता है उसी अनुपात में मनुष्य होता है। बिना नैतिकता के काम नहीं चलने वाला है। यही स्वधर्म होना चाहिए। ज्ञान की साधना इसी उद्देश्य से होनी चाहिए। यही ध्यान में रख कर कहा गया कि ज्ञान पाने के लिए विद्यार्थी के लिए प्रणिपात (समर्पित भाव से ग्रहण करने की इच्छा), परिप्रश्न (जाँच-परख) और (गुरु) सेवा करे । तभी ज्ञान पाने की पात्रता आ सकेगी। गुरुकुल में गुरु और शिष्य की संधि (पारस्परिक चर्चा-विमर्श) के मध्य ज्ञान का संधान होता था। आचार्य वह होता था जो अपने आचरण में ज्ञान को प्रकट करता था। इस तरह की परम्परा में ज्ञान मूल्यरहित या मुक्त न हो कर मूल्यवान माना गया। ज्ञान की बाध्यता है कि वह कल्याणकारी हो। ज्ञान की साधना धर्म की परिधि में ही होनी चाहिए। तब ज्ञान सात्विक होगा । व्यक्ति जगत में व्यवहार करते हुए समदृष्टि का विकास कर सकेगा। तब व्यष्टि और समष्टि ओत-प्रोत होंगे और भिन्न-भिन्न चीजों में भी एकसूत्रता का बोध हो सकेगा। शिक्षा की प्रक्रिया ज्ञान अर्जित करने के माध्यम के रूप में है और इसकी उपयोगिता समझ कर इसे सभ्य देशों ने संस्थागत व्यवस्था के अधीन संचालित करने की व्यवस्था अपना ली। आज आदमी के जीवन का एक बड़ा हिस्सा, औसतन लगभग बीस वर्ष की आयु तक, इस संस्था की गहन निगरानी में बीतता है। शैक्षिक संस्थाओं में रहते हुए विद्यार्थी देख कर, सुन कर, प्रयोग कर और समझ कर मूल्यों की एक व्यवस्था को अपनाता है। साथ ही व्यवहार के स्तर पर वह कुछ मानकों को स्वीकार करता है। ऐसे में नैतिकता हमारी शिक्षा प्रक्रिया की अनिवार्यता बन जाती है जिसका कर्णधार अध्यापक होता है। आज शिक्षा का परिवेश नाना प्रकार से प्रदूषित हो रहा है। बोर्ड की परीक्षा के केंद्र पर नकल कराने वालों की भीड़ होती है और पेपर लीक होने की घटनाएँ आम होने लगी हैं। शोध में साहित्य चोरी (प्लैगरिज्म) की घटनाएँ बढ़ रही हैं। ज्ञान में वृद्धि की जगह दुहराव और पिष्ट-पेषण की प्रवृत्ति तेजी से फैल रही है। जिससे ज्ञान की जगह ज्ञान देने और पाने की कवायद (ड्रिल) हो रही है और ज्ञान (पाने) का भ्रम बढ़ रहा है। ज्ञान के लिए जिज्ञासा, निष्ठा और समर्पण की जगह किसी भी तरह परीक्षा में सफलता हासिल करना लक्ष्य होता जा रहा है। इसका दबाव कितना भयानक है यह विद्यार्थियों के मानसिक अस्वास्थ्य की बढ़ती मात्रा में देखा जा सकता है। आज ये प्रश्न बेहद महत्वपूर्ण हो गया है कि कौन सा ज्ञान लिया जाय? ज्ञान किस तरह से लिया जाय? ज्ञान का उद्देश्य क्या हो? विकसित भारत के संकल्प के साथ ज्ञान की दुनिया को व्यवस्थित करना भी जरूरी है। उसे देश-काल के अनुकूल और स्वतंत्रता के बोध को जगाने वाला नैतिक और मानवीय उपक्रम बनाना पड़ेगा।

लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।

एक साथ चुनाव : सकारात्मक पहल

अभी हाल ही में एक साथ चुनाव कराने को केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई उच्च स्तरीय समिति ने व्यापक मंथन करने के पश्चात अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी। इस समिति ने इस आधार पर एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया है, क्योंकि इसके लिए अधिकांश राजनीतिक दलों की राय एक साथ चुनाव कराने को लेकर सकारात्मक रही। राजनीतिक विद्वानों का मानना है कि एक साथ चुनाव से देश में विकास की धारा को गति मिलेगी। क्योंकि बार-बार चुनाव होने के कारण सभी राजनीतिक दलों के नेता और प्रशासनिक अधिकारी चुनाव में व्यस्त रहते हैं, जिसके कारण जन सामान्य के जुड़े ऐसे कार्य भी प्रभावित होते हैं, जो बहुत जरूरी होते हैं। ऐसे में एक साथ चुनाव कराया जाना सार्थक पहल कही जा सकती है। इससे बार-बार चुनाव में लगने वाले समय में कमी आएगी और आवश्यक कार्यों को तय समय सीमा में पूरा किया जा सकेगा। यह बात स्मरण करने वाली है कि वर्तमान केंद्र सरकार ने देश में कई परियोजनाओं को तय समय से पहले ही पूर्ण किया है। एक साथ चुनाव होने से इसमें और गति आएगी, यह तय है। वर्तमान में भारत में ऐसे कई कारण हैं, जो राष्ट्रीय विकास में बाधक बन रहे हैं। इसमें एक अति प्रमुख कारण बार-बार चुनाव होना है। देश में होने वाले चुनावों के दौरान लगने वाली आचार संहिता के चलते सरकार का कामकाज भी प्रभावित होता है। हमारे देश में किसी न किसी राज्य में हर वर्ष चुनाव प्रक्रिया चलती रहती है। चुनाव के दौरान संबंधित सरकार कोई बड़ा निर्णय नहीं ले सकती। चुनाव होने के कारण राजनीतिक दल हर साल केवल चुनाव जीतने की योजना बनाते रहते हैं। इस कारण देश के उत्थान के बारे में योजना बनाने या सोचने का उतना समय भी नहीं मिल पाता, जितना सरकार का कार्यकाल होता है। इसलिए वर्तमान में जिस प्रकार एक साथ चुनाव कराने की योजना पर मंथन चल रहा है, वह देश को उत्थान के मार्ग पर ले जाने का अभूतपूर्व कदम है। केंद्र सरकार ने देश में एक साथ चुनाव कराने के बारे में प्राथमिक कदम उठा कर प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या एक साथ चुनाव कराया जाना उचित है? यकीनन इसका उत्तर यही होगा कि यह ठीक कदम है। अब 47 में से 32 राजनीतिक दलों ने एक साथ चुनाव पर मोहर लगाकर इसके रास्ते की बाधाओं को हटाने का कार्य किया है। यही राष्ट्रीय सोच होना चाहिए। अगर इसे इसी दृष्टिकोण से देखेंगे तो हमें यह कदम अच्छा ही लगेगा। एक साथ चुनाव कराए जाने को लेकर केंद्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द के नेतृत्व में समिति बनाई। उन्होंने राष्ट्रपति रहते एकबार अपने अभिभाषण में भी एक साथ चुनाव कराए जाने पर जोर दिया था। पूर्व राष्ट्रपति ने स्पष्ट कहा था कि बार-बार होने वाले चुनावों से विकास में बाधा आती है, ऐसे में देश के सभी राजनीतिक दलों को एक साथ चुनाव कराने के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। सच कहा जाए तो एक साथ चुनाव कराया जाना राष्ट्रीय हित का विषय है, जिसे सभी दलों को सकारात्मक दृष्टि से लेना होगा। हम यह भी जानते हैं कि देश के स्वतंत्र होने के पश्चात लम्बे समय तक एक साथ चुनाव की प्रक्रिया चली, लेकिन कालांतर में कई राज्यों की सरकारें अपने कार्यकाल की अवधि को पूरा नहीं कर पाने के कारण हुए मध्यावधि चुनाव के बाद यह क्रम बिगड़ता चला गया और चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे। इसके कारण देश में सरकारी कामकाज की प्रक्रिया तो बाधित होती ही है, साथ ही सरकारी कामकाज को लेकर सक्रिय रहने वाले सरकारी अधिकारी और आम जनता भी ऐसी बाधाओं के चलते निष्क्रियता के आवरण को ओढ़ लेते हैं। यह भी काम में रुकावट का कारण बनती है। इन सभी कारणों के निदान के लिए देश में एक साथ चुनाव कराने के विषय पर सभी राजनीतिक दलों के बीच संवाद बढ़ना चाहिए और इस बारे में आम सहमति बनायी जानी चाहिए। केंद्र सरकार की मंशा स्पष्ट है लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल इस बारे में क्या राय रखते हैं, यह अभी तक सामने नहीं आ पाया है। हालांकि देशहित के मुद्दे पर विपक्षी राजनीतिक दलों को भी इस बारे में सरकार के रुख का पूरी तरह से समर्थन करना चाहिए। एक साथ चुनाव होने से देश में विकास की गति को समुचित दिशा मिलेगी, जो बहुत ही आवश्यक है। क्योंकि देश में बार-बार चुनाव होने से जहां राजनीतिक लय बाधित होती है, वहीं देश को आर्थिक बोझ भी झेलना पड़ता है। इसलिए एक साथ चुनाव कराए जाने के अच्छे विचार को कैसे अमल में लाया जा सकता है, इसके बारे में गंभीरतापूर्वक चिंतन करना चाहिए। यह कठिन कार्य नहीं है, क्योंकि दुनिया के कई देशों ने इस प्रकार की नीतियां बनाई हैं, जिसके अंतर्गत एक साथ चुनाव कराए जाते हैं और वे देश विकास के पथ पर निरंतर रूप से आगे बढ़ते जा रहे हैं। जब ऐसा विदेशों में हो रहा है और भारत में भी ऐसा होता रहा है, तब अब भारत ऐसा क्यों नहीं कर सकता। भारत में ऐसा होना ही चाहिए। जब से देश में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई है, तब से ही देश में राष्ट्रीय हित की दिशा में अनेक काम किए जा रहे हैं। इन कामों का वास्तविक स्वरूप भविष्य में ही सामने आएगा। क्योंकि देश में लम्बे समय से एक मानसिकता बन गई थी कि भारत से समस्याओं का निदान संभव ही नहीं है। उस समय सरकारों के संकल्प में कमी दिखाई देती थी। सरकारें हमेशा इसी उधेड़बुन में लगी रहती थी कि हमारी सरकार कैसे बचे या हमारी सरकार कैसे फिर से बने। इसी कारण कई निर्णय ऐसे भी किए जाते रहे हैं, जिससे देश की विकास की गति बाधित होती गई और स्वतंत्रता के बाद देश को जिस रास्ते पर जाना चाहिए था, उस रास्ते पर न जाकर केवल स्वार्थी राजनीति के रास्ते पर चला गया।

दवा कंपनियों से उपहार या आर्थिक लाभ लेने पर पाबंदी

भारत सरकार ने दवा कंपनियों द्वारा चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों या उनके परिवारों को व्यक्तिगत लाभ मुहैया कराने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए संहिता जारी की है। इस संहिता-यूनिफॉर्म कोड ऑफ फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेज (यूसीपीएमपी) 2024-के तहत इस नियमन को लागू करने की जिम्मेदारी कंपनियों की होगी। अपने उत्पादों को बेचने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को उपहार, यात्रा सुविधा, हॉस्पिटैलिटी, नगदी आदि देने की शिकायतों के निपटारे के लिए फार्मा कंपनियों को एक एथिक्स कमिटी बनानी होगी, जिसमें तीन से पांच सदस्य होंगे। इस समिति के प्रमुख बोर्ड के सीइओ होंगे। इस कमिटी की जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध करानी होगी। कोड में स्पष्ट कहा गया है कि नियमन के पालन के लिए कंपनी के सीइओ जिम्मेदार होंगे। उन्हें हर वित्त वर्ष की समाप्ति के दो माह के भीतर यह घोषणा देनी होगी कि उनकी कंपनी नियमों का पालन कर रही है और उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को किसी भी तरह का व्यक्तिगत लाभ नहीं दिया जा रहा है। कोड में ऐसे किसी व्यक्ति को मुफ्त सैंपल दवा देने की भी मनाही है, जो ऐसे किसी उत्पाद को मरीजों को देने के लिए योग्य नहीं है। जो सैंपल दवा डॉक्टरों को दिये जाते हैं, उनका मूल्य कंपनी के कुल घरेलू बिक्री के दो प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। पिछली बार फार्मास्यूटिकल डिपार्टमेंट ने ऐसा नियमन 2014 में लाया था। ऐसा नियमन इसलिए करना पड़ा है क्योंकि ऐसे कई मामले सामने आते हैं, जिनमें बड़ी बड़ी कंपनियां डॉक्टरों को विदेश यात्रा पर ले जाती हैं। ऐसा भी होता है कि कंपनियां स्वास्थ्यकर्मियों के निजी उत्सवों, मसलन जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ आदि, का खर्च उठाती हैं। महंगे उपहार भी दिये जाते हैं। इसके बदले में वे कंपनियां अपना कारोबार बढ़ाना चाहती हैं। यह एक तरह का लेन-देन है कि हम आप पर खर्च कर रहे हैं और आप हमारे उत्पाद की बिक्री बढ़ाने में मदद करें। कोई भी कंपनी अपने उत्पाद के प्रचार-प्रसार के लिए तरह-तरह के कार्यक्रम और उपाय करती है। वैसा ही माहौल मेडिकल पेशे में भी आ गया। इस पेशे में अपनी जानकारी को समय-समय पर बढ़ाना तथा दूसरे चिकित्सकों के अनुभवों से सीख लेना जरूरी होता है। इसके लिए सम्मेलन, वर्कशॉप और सेमिनार होते हैं। इसका मतलब यह होता है कि ऐसे आयोजनों से अपनी जानकारी बढ़ाकर हम अपने मरीजों को बेहतर उपचार मुहैया करायें। हर डॉक्टर को मेडिकल काउंसिल में अपने पंजीकरण का हर पांच साल में नवीनीकरण कराना होता है और उसके लिए 30 क्रेडिट प्वाइंट का विवरण जमा करना होता है। इसके लिए कम से कम 120 घंटे के शिक्षा कार्यक्रम में भाग लेना होता है। किसी भी अन्य पेशे में ऐसा करने की जरूरत नहीं पड़ती। अगर यह बाध्यता चिकित्सकों के लिए सरकार की तरफ से निर्धारित है, तो ऐसे कार्यक्रम भी सरकार, मेडिकल काउंसिल और विश्वविद्यालयों की ओर से आयोजित किये जाने चाहिए। लेकिन ऐसा होता नहीं है। ऐसी स्थिति में चिकित्सक एसोसिएशनों को अपने स्तर पर इस तरह के कार्यक्रम करने पड़ते हैं और जहां खर्च करने की बात आती है, तो दवा कंपनियां खर्च करती हैं क्योंकि उन्हें ऐसे कार्यक्रमों से लाभ होता है। लेकिन इस संबंध में नियम यह स्थापित किया गया है कि प्रायोजक कंपनियों के उत्पादों को मुख्य सम्मेलन कक्ष में प्रदर्शित नहीं किया जाता है और न ही उसके उत्पादों के नाम के साथ आयोजन का प्रचार होता है। अब होता यह है कि गलत करने वाले लोगों के कारण सही करने वालों पर भी आंच आती है। ऐसे में इस तरह के कार्यक्रमों को नहीं रोका जाना चाहिए या फिर सरकार को उसके लिए वैकल्पिक इंतजाम करना चाहिए।

खाद्य का पहलू

खुदरा मुद्रास्फीति के ताजा आंकड़ों ने, एक बार फिर, इस तथ्य को रेखांकित किया है कि कैसे खाद्य पदार्थों की अस्थिर कीमतें न सिर्फ व्यापक मुद्रास्फीति, बल्कि आर्थिक विकास की धुरी यानी व्यक्तिगत उपभोग को भी बंधक बनाए हुए हैं। फरवरी महीने की हेडलाइन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित रीडिंग पिछले महीने के मुकाबले जहां लगभग अपरिवर्तित रहकर 5.09 फीसदी पर टिकी रही, वहीं उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक के आधार पर गणना की गई खाद्य पदार्थों की मूल्य वृद्धि की रफ्तार 36 आधार अंक बढ़कर 8.66 फीसदी हो गई। सब्जियों की कीमतें सबसे बड़ी चिंता का सबब बनी हुई हैं। सीपीआई के खाद्य एवं पेय पदार्थ उप-समूह में तीसरी सबसे भारी खाद्य श्रेणी मानी जाने वाली सब्जियों की कीमतों में साल-दर-साल के आधार पर 30.3 फीसदी की मुद्रास्फीति दर्ज की गई है, जोकि जनवरी की रीडिंग के मुकाबले चिंताजनक रूप से 315 आधार अंक की तेजी है। और सीपीआई में खाद्य पदार्थों में सबसे बड़ा भार माने जाने वाले अनाजों की मुद्रास्फीति भी 7.6 फीसदी के उच्च स्तर पर बनी हुई है, जोकि पिछले महीने की 7.83 फीसदी की रफ्तार से थोड़ी धीमी है। सब्जियों में, आलू-प्याज-टमाटर की तिकड़ी ने इस तेजी की अगुवाई की। सब्जियों की यह तिकड़ी देश भर में सबसे अधिक खाया जाने वाला समूह है और खाद्य श्रेणी में कुल भार का एक तिहाई से ज्यादा हिस्सा रखती है। जनवरी में आलू की कीमतें जहां साल-दर-साल के आधार पर लगभग दो फीसदी की अपस्फीति से बढ़कर 12.4 फीसदी की मुद्रास्फीति पर पहुंच गईं, वहीं प्याज में 22.1 फीसदी की मुद्रास्फीति दर्ज की गई और टमाटर की कीमतों में बढ़ोतरी करीब 400 आधार अंक के इजाफे के साथ छह महीने के उच्चतम स्तर 42 फीसदी पर पहुंच गई। उपभोक्ता कार्य विभाग के दैनिक मूल्य निगरानी डैशबोर्ड पर एक नजर डालने पर इस मोर्चे पर हल्की राहत दिखाई देती है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

भारत के लिए फायदे का सौदा साबित हो रही वैश्विक खिलौना कंपनियां

नई दिल्ली ।

खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में चीन के लिए जो बात नुकसान वाली हो सकती है, वह भारत के लिए फायदे का सौदा साबित हो रही है। भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 15 और वित्त वर्ष 23 के बीच तेजी से प्रगति की है और निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई तथा आयात में 52 प्रतिशत तक की गिरावट आई। इसके परिणामस्वरूप देश शुद्ध निर्यातक बन गया। भारत में खिलौनों की बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की मंजूरी जरूरी होना, संरक्षणवाद, चीन-प्लस-वन रणनीति और मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 70 प्रतिशत किए जाने से भारत के खिलौना उद्योग में तेजी आई है। उद्योग के भागीदारों के अनुसार हालांकि हैस्ब्रो, मैटल, स्पिन मास्टर और अर्ली लर्निंग सेंटर जैसे वैश्विक ब्रांड आपूर्ति के लिए देश पर अधिक निर्भर हैं, लेकिन इटली की दिग्गज कंपनी ड्रीम प्लास्ट, माइक्रोप्लास्ट और इंकास जैसी प्रमुख विनिर्माता अपना ध्यान धीरे-धीरे चीन से भारत पर केंद्रित कर रहीं हैं। बीआईएस के नियमन से पहले खिलौनों के लिए भारत की चीन पर 80 प्रतिशत निर्भरता थी, जो अब कम हो गई है। आज कई कंपनियों ने भारत में अपना आधार तैयार किया है। कंपनी हैसब्रो, स्पिन मास्टर, अर्ली लर्निंग सेंटर, फ्लेयर और ड्रूमोंड

पार्क गेम्स जैसी अंतरराष्ट्रीय खिलौना कंपनियों को भी आपूर्ति करती है। कंपनी द्वारा उत्पादित करीब 60 प्रतिशत उत्पाद अब निर्यात बाजारों की जरूरतें पूरी कर रहे हैं, जिनमें अमेरिका में जीसीसी, यूरोप के 33 देश शामिल हैं।

5 स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ आ रही टाटा पंच

ग्राहक माइलेज के साथ सेफ्टी रेटिंग पर भी दे रहे ध्यान

नई दिल्ली ।

अगर आप एक नई कार खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको भी सेफ्टी और एसयूवी पहली पसंद है। साथ ही आपका बजट भी अगर ज्यादा नहीं है तो हम यहां आपको एक ऐसे मॉडल के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ आता है और ये एक एसयूवी भी है। दरअसल, हम यहां टाटा पंच के बारे में बात कर रहे हैं। ये भारत की सबसे सस्ती 5 स्टार रेटिंग वाली एसयूवी है। इस कार को ग्लोबल एनकैप से 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। इसकी कीमत की बात करें तो ये बाजार में 6.13 लाख रुपये से लेकर 10.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) के बीच की कीमत में मिलती है। ये प्योर एडवेंचर, अकोंप्लीस्ड और क्रिएटिव वाले चार ब्रॉड वेरिएंट्स में आती है।टाटा की इस माइक्रो एसयूवी में 5 पैसेंजर्स बैठ सकते हैं और इसका बूट स्पेस 366 लीटर है। वहीं, इसमें 187 एमएम का ग्राउंड क्लीयरेंस भी मिलता है। सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें डुअल फ्रंट एयरबैग्स, ईबीडी के साथ एबीएस, रियर पार्किंग सेंसर, एक रियर-व्यू कैमरा, एक टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस), और इसोफिक्स एंकर्स जैसे फीचर्स मिलते हैं। इसके अलावा इसमें कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी के साथ 7-इंच टचस्क्रीन डिस्प्ले, 7-इंच सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट पैनल, ऑटोमैटिक एसी और क्रूज़ कंट्रोल जैसे फीचर्स भी मिलते हैं। इंजन की बात करें तो इसमें 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है। जो (88 पीएस की पावर और 115 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड एएमटी का ऑप्शन मिलता है। इसका सीएनजी वेरिएंट इसी इंजन को यूज करता है और इसमें केवल 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है। ये सीएनजी मोड 73.5 पीएस की पावर और 103 एनएम टॉर्क जनरेट करता है।

स्मार्टफोन वीवो टी3 भारत में होगा जल्द लॉन्च

-मिल सकती है 44वॉट की फ्लैश चार्जिंग

नई दिल्ली ।

भारत में जल्द मिड-रेंज 5जी स्मार्टफोन वीवो टी3 लॉन्च किया जाएगा। आने वाला ये फोन कंपनी के वीवो टी2 5जी के सक्सेसर के रूप में आएगा, और उम्मीद की जा रही है कि इसे 20,000 रुपये से कम दाम में पेश किया जाएगा। फ्लिपकार्ट पर इस फोन का टीज़र जारी कर दिया गया है, और इसकी लैंडिंग पेज पर लिखा है, 'कमिंग सुन '। बैनर के साथ-साथ फोन की झलक को भी देखा जा सकता है। ऐसा कहा जा रहा है कि वीवो टी3 5जी फ्लैट एज डिज़ाइन के साथ आता है और इसके क्रिस्टल फ्लैक और कॉस्मिक ब्लू कलर वेरिएंट में आने की बात कही गई है। वीवो टी3 5जी के फीचर्स को लेकर कंपनी ने तो कोई ऑफियल जानकारी नहीं दी है, लेकिन ऐसी उम्मीद है कि फोन 6.67-इंच के अमोलेड डिस्प्ले के साथ आएगा और इसमें 120एचझेड रिफ्रेश रेट मिलेगा। फोन फुल-एचडी+ रेज़ोलूशन और 1800 निट्स की पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट कर सकता है। पावर के लिए वीवो के आने वाले फोन में 5000 एमएएच की बैटरी दी जा सकती है और इसमें 44 वॉट फ्लैश चार्ज होने की उम्मीद है।

स्मार्टफोन डुअल स्पीकर सेटअप और स्प्लैश और धूल से बचाव के लिए फोन में आईपी 54 रेटिंग मिल सकती है।फोन को पावर देने वाला ऑक्टा-कोर मीडियाटेक डाइमेंशन 7200 प्रोसेसर 8जीबी रैम के साथ होने की

उम्मीद है।कैमरे के तौर पर वीवो टी3 5जी में ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन (ओआईएस) के साथ 50 मेगापिक्सल का प्राइमेरी कैमरा और 2 मेगापिक्सल का दूसरा कैमरा हो सकता है, जबकि सेल्फी के लिए फोन में 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा होने की उम्मीद की जा रही है।

अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 3.53 अरब डॉलर पहुंचा

वाशिंगटन। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 3.53 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में 99.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान स्मार्टफोन के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 7.76 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में दो प्रतिशत थी। एक अधिकारी ने कहा कि स्मार्टफोन विनिर्माण में वृद्धि से निर्यात को बढ़ावा मिला। इसके साथ ही भारत, अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्यातक बन गया है। पहले स्थान पर चीन और दूसरे स्थान पर वियतनाम हैं। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान अमेरिका को किए जाने वाले स्मार्टफोन निर्यात में चीन और वियतनाम की हिस्सेदारी घटी है। शीर्ष पांच आपूर्तिकर्ताओं से अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात अप्रैल-दिसंबर 2023 में घटकर 45.1 अरब डॉलर रह गया, जो अप्रैल-दिसंबर 2022 में 49.1 अरब डॉलर था। चीन ने समीक्षाधीन अवधि में अमेरिका को 35.1 अरब डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया, जो इससे पिछले साल की समान अवधि में 38.26 अरब डॉलर था। इसी तरह वियतनाम का अमेरिका को निर्यात घटकर 5.47 अरब

भारी उतार-चढ़ाव के बीच हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

टाटा स्टील के शेयर में आया बंपर उछाल

मुंबई ।

बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में मामूली बढ़त के साथ हरे निशाना पर बंद हुए। निवेशक इस सप्ताह यूएस फेडरल रिजर्व के इंटरेस्ट रेट को लेकर फैसले और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए सतर्क दिख रहे हैं। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 104.99 अंक की बढ़त लेकर 72,748.42 अंक पर बंद हुआ। दिन के कामकाज के दौरान यह 72,985.89 के शीर्ष और 72,314.16 के निचले स्तर तक चला गया था। इस तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 32.35 अंक की बढ़त के साथ 22,055.70 अंक के लेवल पर बंद हुआ।

सोमवार को सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील ने 5 प्रतिशत से ज्यादा की छलांग लगाई। साथ ही महिंद्रा एंड महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, रिलायंस

इंडस्ट्रीज और मारुति अन्य सबसे बड़े लाभ में रहे। दूसरी तरफ, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, विप्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और नेस्ले के शेयर लाल निशान में बंद हुए। इसके अलावा ऑटो, मेटल, कमोडिटी और हेल्थकेयर शेयरों में तेजी आई जबकि आईटी और टेक शेयरों को नुकसान का सामना करना पड़ा।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया सियोल, जापान का टोक्यो, चीन का शंघाई और हांगकांग के शेयर बाजार बढ़त में बंद हुए। स्टॉक एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 848.56 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन दो साल में 41,000 करोड़ घटा

नई दिल्ली ।

ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन दो साल में पांच अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 41,000 करोड़ रुपये) घट गया है। फ्लिपकार्ट में वॉलमार्ट के इक्विटी ढांचे में बदलाव के अनुसार ई-कॉमर्स कंपनी का मूल्यांकन 31 जनवरी, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष में 40 अरब डॉलर था, जो 31 जनवरी, 2024 को घटकर 35 अरब डॉलर रह गया। फ्लिपकार्ट ने मूल्यांकन में गिरावट की वजह वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी फोनपे को अलग कंपनी के रूप में विभाजित करने को बताया है।सूत्रों का कहना है कि फ्लिपकार्ट का मौजूदा मूल्यांकन 38-40 अरब डॉलर के बीच है। वॉलमार्ट ने वित्त वर्ष 2021-22 में फ्लिपकार्ट में आठ प्रतिशत हिस्सेदारी को 3.2 अरब डॉलर में बेचा था। इस हिसाब से ई-कॉमर्स कंपनी का मूल्यांकन 40 अरब डॉलर बैठता है। वित्त वर्ष 2023-24 में अमेरिकी खुदरा क्षेत्र की दिग्गज ने 3.5 अरब डॉलर का भुगतान कर कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत बढ़ाकर 85 प्रतिशत कर दी। इसके आधार पर फ्लिपकार्ट का उद्यम मूल्य 35 अरब डॉलर बैठता है। हालांकि, फ्लिपकार्ट ने वॉलमार्ट की रिपोर्ट के अनुसार मूल्यांकन में दिखाई गई कमी को खारिज करते हुए कहा है कि यह कंपनी के मूल्यांकन में उचित

समायोजन की वजह से है। फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा` कि यह व्याख्या गलत है। फोनपे को अलग करने का काम 2023 में पूरा हुआ था। इससे फ्लिपकार्ट के मूल्यांकन में उचित समायोजन हुआ।

सोना-चांदी के कारोबार की सुस्त शुरुआत

-सोना 65,250 और चांदी 75,250 रुपए के करीब

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव गिरावट साथ खुले। सोना 65,250 हजार रुपये और चांदी 75,250 रुपये के करीब कारोबार कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। लेकिन बाद में सुस्त पड़ गए। सोने के वायदा भाव में सोमवार को सुस्ती देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 94 रुपये की गिरावट के साथ 65,348 रुपये के भाव पर खुला और 283 रुपये की गिरावट के साथ 65,259 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 65,395 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 65,250 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस महीने 66,356 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया।चांदी के वायदा भाव की शुरूआत गिरावट के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 150 रुपये की गिरावट के साथ 75,400 रुपये के भाव पर खुला जो 387 रुपये की गिरावट के साथ 75,263 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट और चांदी वायदा भाव की तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,159.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,161.50 डॉलर था। फिलहाल यह 7.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,153.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.40 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.38 डॉलर था। फिलहाल यह 0.12 डॉलर की गिरावट के साथ 25.25 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में सोमवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 81.03 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 85.29 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। बता दें कि तेल कंपनियों ने 15 मार्च से पेट्रोल और डीजल की कीमत में 2 रुपये की कटौती की है। वहीं लक्षवद्वीप में पेट्रोल और डीजल 15 रुपये तक सस्ता हो गया है। हालों कि पेट्रोल-डीजल में कोई बदलाव नहीं दिखाई दे रहा है। राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरुम्पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

रुपया दो पैसे बढ़कर 82.84 पर

मुंबई । विदेशी कोषों की आवक के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती सत्र में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे बढ़कर 82.84 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती के चलते शुरुआती कारोबार में रुपये की बढ़त सीमित रही। इस दौरान स्थानीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 82.83 से 82.84 के दायरे में रही। रुपया शुक्रवार को 82.86 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 103.43 पर सपाट कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.35 प्रतिशत बढ़कर 85.64 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

भारत की मौजूदा आर्थिक तेजी का दौर 2003-07 जैसा: मॉर्गन स्टैनली

नई दिल्ली । निवेश के बल पर आगे बढ़ रही भारत की वर्तमान ओ थिंक वृद्धि की रफ्तार 2003-07 जैसी दिखाई दे रही है। उस समय आर्थिक वृद्धि दर औसतन 8 प्रतिशत से अधिक थी। मॉर्गन स्टैनली के अर्थशास्त्रियों ने यह बात कही है। मॉर्गन स्टैनली ने एक रिपोर्ट में कहा कि एक दशक तक जीडीपी के मुकाबले निवेश में लगातार गिरावट के बाद अब भारत में पूंजीगत व्यय वृद्धि के प्रमुख चालक के रूप में उभरा है। रिपोर्ट के मुताबिक हमें लगता है कि पूंजीगत व्यय चक्र के लिए पर्याप्त गुंजाइश है और इसलिए वर्तमान तेजी 2003-07 के समान है। मॉर्गन स्टैनली के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि वर्तमान तेजी खपत की तुलना में निवेश बढ़ने के चलते है। शुरुआत में इसे सार्वजनिक पूंजीगत व्यय से समर्थन मिला, लेकिन निजी पूंजीगत व्यय में भी वृद्धि हो रही है। इसी तरह खपत को पहले शहरी उपभोक्ताओं ने सहारा दिया और बाद में ग्रामीण मांग भी बढ़ी। वैश्विक निर्यात में बाजार हिस्सेदारी बढ़ने और व्यापक आर्थिक स्थिरता से भी अर्थव्यवस्था को समर्थन मिला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमारा मानना है कि मौजूदा तेजी जीडीपी के मुकाबले निवेश बढ़ने से है।

भारतीय स्टार्टअप इस साल 8-12 अरब डॉलर जुटाएगा - पीक एक्सवी

नई दिल्ली । उद्यम पूंजी फर्म पीक एक्सवी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने सोमवार को कहा कि भारतीय स्टार्टअप इस साल 8-12 अरब डॉलर जुटाने पर विचार कर रहा है। उन्होंने यहां आयोजित स्टार्टअप महाकुंभ में कहा कि देश का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र दुनिया में सबसे जीवंत है। लगभग 20 अरब अमेरिकी डॉलर की निजी पूंजी बिना निवेश के पड़ी है और वह भारत में निजी फर्मों और स्टार्टअप में निवेश के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि 2021 से पहले भारतीय स्टार्टअप में निवेश की राशि लगभग 8-10 अरब डॉलर थी, जो 2021 और 2022 में संयुक्त रूप से बढ़कर 60 अरब डॉलर हो गई। पिछले साल यह सात अरब डॉलर थी, जिसे लोगों ने कम कहा। यह शून्य भी हो सकती थी, क्योंकि छह साल का वित्त पोषण दो साल में मिल गया था। इस साल हम 8-10 या 12 अरब डॉलर की राह पर हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हर साल 10 अरब डॉलर या लगभग 80,000 करोड़ रुपये का वित्त पोषण पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि आज भारत में करीब 20 स्टार्टअप हैं, जो शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं और अगले 7-8 वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 100 तक पहुंचने की उम्मीद है।

बेटरप्लेस ने कौशल विकास के लिए यूपी सरकार से समझौता किया

नई दिल्ली । ग्राहक सेवा से सीधे जुड़े कर्मचारियों का प्रबंधन करने वाली कंपनी बेटरप्लेस ने कहा कि उसने 2025 तक एक लाख लोगों के कौशल विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ समझौता किया है। कंपनी ने कहा कि इनमें कम से कम 25 प्रतिशत महिलाएं होंगी। बयान के मुताबिक बेटरप्लेस ने उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते के तहत बेटरप्लेस के डिजिटल लर्निंग मंच की मदद से ग्राहक सेवा से सीधे जुड़े कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। बेटरप्लेस के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस प्रशिक्षण की मदद से कर्मचारियों को भविष्य की जरूरत के अनुसार खुद को तैयार करने में मदद मिलेगी।

एक साल में भारतीय रेलवे की आय 17,000 करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे बीते कुछ सालों से जमकर कमाई कर रही है। इस वित्त वर्ष 2023-24 की बात करें तो रेलवे ने माल ढुलाई, कुल राजस्व, ट्रैक बिछाने के मामले में रिकॉर्ड बनाने की राह पर है। आंकड़ों पर नजर डालें तो वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, भारतीय रेलवे का कुल राजस्व अब तक 2.40 लाख करोड़ रुपये है। कमाई की ये आंकड़ा पिछले साल 15 मार्च को 2.23 लाख करोड़ रुपये था। यानी की एक साल में भारतीय रेलवे ने कुल राजस्व में करीब 17,000 करोड़ की वृद्धि दर्ज की है। वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय रेल का कुल व्यय 2.26 लाख करोड़ रुपये है। रेलवे से मिले प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार भारतीय रेल ने शुक्रवार को 1,500 मिलियन टन की मूल माल ढुलाई की है। बीते साल ये आंकड़ा 1,512 मिलियन टन था। आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान रेलवे से सफर करने वाले यात्रियों की संख्या 648 करोड़ है। जो कि पिछले साल से 52 करोड़ अधिक है। पिछले वर्ष यात्रा करने वाले यात्रियों की कुल संख्या 596 करोड़ थी। वित्तीय वर्ष में अब तक भारतीय रेल द्वारा 5,100 किलोमीटर नई रेलवे ट्रैक बिछाई गई है।

चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत

हांगकांग (ईएमएस)। चीन के विनिर्माण और निवेश में 2024 के पहले दो महीनों में सुधार हुआ है, जबकि रियल एस्टेट क्षेत्र अभी भी कमजोर बना हुआ है। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया कि जनवरी-फरवरी में औद्योगिक उत्पादन सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा विश्लेषकों के अनुमान से बेहतर है। इस दौरान कारखानों और उपकरणों पर खर्च 4.2 प्रतिशत बढ़ गया। दूसरी ओर जनवरी-फरवरी में रियल एस्टेट क्षेत्र सुस्त रहा और इसमें पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले नौ प्रतिशत की गिरावट हुई। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने संवाददाताओं से कहा कि संपत्ति बाजार अभी भी समायोजन और बदलाव के दौर से गुजर रहा है, लेकिन इस महीने की शुरुआत में चीन के वार्षिक विधायी सत्र में घोषित नीतियों से स्थिर और स्वस्थ वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। इन नीतियों में डेवलपर्स के लिए वित्तपोषण बढ़ाने और अधिक किफायती आवास बनाने की बात शामिल है।

एलर्जी वाले परफयूम से बचें

आमतौर पर परफयूम सिंथैटिक होते हैं और कैमिकल्स से बने होते हैं। ये केमिकल्स स्किन के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इन से एलर्जी भी हो जाती है जैसे दाने, ड्राइनैस, जलन यहां तक कि पिगमैंटेशन भी हो जाती हैं। संवेदनशील स्किन के लिए तो ये बहुत हानिकारक साबित होते हैं। अगर स्किन में किसी तरह का रिएक्शन हो जाए तो प्रभावित स्थान को ठंडे पानी से धोएं। फिर अच्छा मॉयश्चराइजर लगाएं। उस जगह को खुजलाएं नहीं वरना सूजन हो सकती है। ऐसे नैचुरल परफयूम का इस्तेमाल करें जिस में कैमिकल्स न हों।

साइट्रस- संतरे या नीबू की खुशबू वाला परफयूम पूरे दिन मूड को ठीक रखता है। इसे दिन में लगाएं, पूरे दिन एक्टिव और फ्रैश महसूस करेंगी।

वुडी- ये परफयूम गरम होते हैं। इन्हें लगाने के बाद सैक्स संबंधित तंत्रिकाएं उत्तेजित हो जाती हैं। इन्हें अंतरंग पलों में लगाने से रिश्ते में प्रगाढता आती है। इससे शाम या रात के समय ही लगाएं।

फलोरल- इसे डेली, कारनेशन, गार्डेनिया, जैस्मिन, औरेंज ब्लौसम आदि फलोरल खुशबुओं से तैयार किया जाता है। कई बार इन सारी खुशबुओं को एकसाथ भी मिला कर बनाया जाता है इसका प्रयोग गर्मी में करना बेहतर रहता है। फूलों की खुशबू वाले परफयूम रिलैक्सेशन तो देते ही हैं, सैक्स अपील भी बढ़ाते हैं।

स्पाइसी- इसकी खुशबू बहुत तेज होती है। अगर किसी काम में मन न लग रहा हो तो इसे लगाने से निश्चय ही काम का जुनून पैदा हो जाएगा।

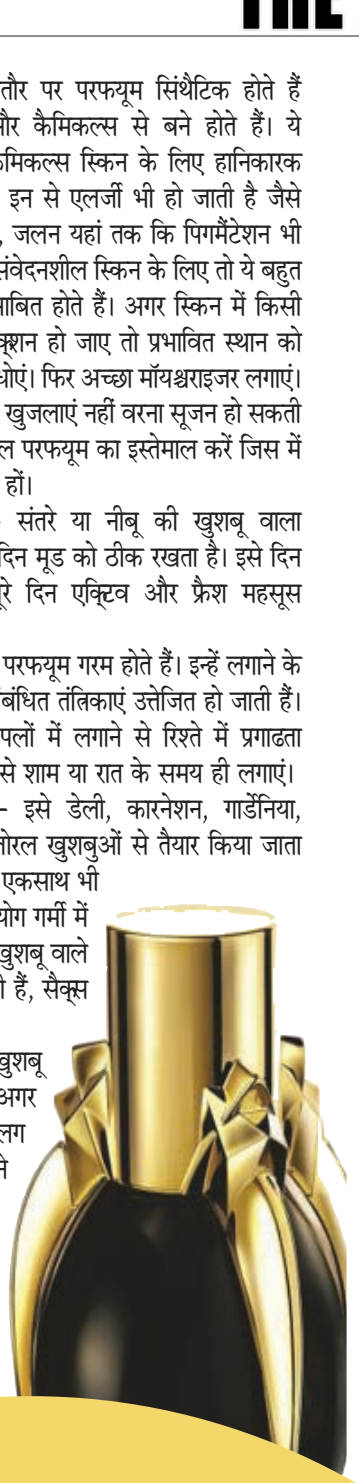

शादी का बंधन है जरूरी

पच्चीस वर्षीय रागिनी के घर में पिछले 2-3 हफ्तों से शादी का हल्ला-गुल्ला चल रहा था। न...न... ये हल्ला-गुल्ला शादी के रस्मों-रिवाज, मेहमानों की चिल्ल-पौं और खुशियों की धमाचौकड़ी से नहीं उपजा है। असल में तो पिछले दिनों रागिनी के माता-पिता उसकी शादी के लिए एक रिश्ते लाने की गुस्ताखी कर बैठे। गुस्ताखी इसलिए क्योंकि रागिनी को शादी के बंधन में बँधने से इंकार है। उसे लगता है कि इसकी कोई जरूरत नहीं। क्या आप भी ऐसा ही कुछ सोचते हैं?

रागिनी ने इस पर न सिर्फ घर में वबाल मचाया बल्कि अपने पापा से यह भी कह दिया कि यदि आज के बाद मेरे लिए कोई रिश्ते लेकर आए तो मैं घर छोड़कर चली जाऊँगी। उसकी इन बातों ने उसके पिता को बुरी तरह झकझोर दिया। वे डर गए कि कहीं उनकी बेटी शादी के दबाव के चलते कोई गलत कदम न उठा ले। अंततः उन्होंने तय किया कि अब उसके लिए कोई नया रिश्ता नहीं देखेंगे।

वहीं पिछले दिनों जब रागिनी अपनी एक सहेली की बहन की शादी में गई तो वहाँ पाया कि नया जोड़ा और कई अन्य शादीशुदा जोड़े पूरी तन्मयता से विवाह की रस्में एन्ज्वॉय कर रहे थे। यही नहीं कुछ रस्में तो बड़ी ही दिल छू लेने वाली थीं और कई अविवाहित युवकन्युवतियाँ भी मनोयोग से उन्हें देख-सुन रहे थे।

इसके कुछ ही दिनों बाद रागिनी का अपनी बचपन की सहेली रेशमी के घर जाना हुआ। उसने वहाँ देखा कि किस तरह रेशमी का पति देवेश उसकी छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखता है। वह अपने से ज्यादा रेशमी की फिक्र करता है। इन सभी बातों के कारण अंततः रागिनी के मन में भी शादी करने की भावना जागने लगी।

रागिनी ही नहीं बल्कि ज्यादातर लड़कियाँ जो 20 साल के पड़ाव से गुजर रही होती हैं, शादी से दूर भागती हैं। दरअसल कहने का मतलब यह है कि जमाना बदल चुका है, सोच-विचार में खुलापन आया है, लिव-इन-रिलेशनशिप तक को अर्ध कानूनी मान्यता मिल चुकी है। इन सबके बावजूद शादी आज भी हमारी जरूरत है।

अच्छी बात यह है कि इस दौर में भी शादी के मायने हमारे लिए नहीं बदले हैं। हम यह भलीभाँति जानते हैं कि हमें हर मोड़ पर किसी विशेष व्यक्ति की जरूरत होती है जो हमारी बातों को हमारी आँखों से समझ जाए। कोई ऐसा हो जो हमें हमसे बेहतर जानता हो, हमारे लिए जीता हो। शादी हमारी भावनाओं को भी एक खास मुकाम देती है।

अक्सर देखा जाता है कि 30 या 35 साल की उम्र के बाद जो पुरुष या महिला अकेले होते हैं, उन्हें अकेलापन कचोटता है। वे अपनी तन्हाइयों से घिरे होते हैं। नतीजतन आम लोगों की तुलना में ये ज्यादा कठोर हो जाते हैं।

समाजशास्त्रियों का मानना है कि ताउम्र अकेले रहना कोई आसान काम नहीं है। अकेले में न हमारी भावनात्मक जरूरतें पूरी हो पाती हैं, न ही हम अपने दिल की बात किसी से शेयर कर पाते हैं। फिर समाज ऐसी महिलाओं क्या पुरुषों तक को आसानी से स्वीकार नहीं कर पाता।

वजह चाहे जो भी हो महिला हो या पुरुष दोनों के लिए ही जीवनसाथी की बेहद जरूरत होती है। जिंदगी जीने के लिए हमारे पास एक साथी का होना बहुत जरूरी है। सिर्फ इसलिए नहीं कि हमें समाज का हिस्सा बनना है बल्कि इसलिए भी क्योंकि यह हमारी मानसिक जरूरत है वरना हम जिंदगी के हर मोड़ पर खुद को अकेला पाते हैं और इसकी पूर्ति कोई अन्य शख्स नहीं कर सकता।

सो, जिंदगी चाहे कितनी ही तेजी से आगे क्यों न बढ़ रही हो, समय हमारे लिए जीवनसाथी की कमी को कभी पूरा नहीं कर सकता। अतः शादी आज भी हमारे लिए उतनी ही अहम है जितनी कि पुराने जमाने में हुआ करती थी।

दुल्हन श्रंगार

सभी चाहते हैं कि उनके विवाह में सबका ध्यान उनकी तरफ हो पर खूबसूरत दिखने के लिये केवल मेकअप ही काफी नही हैं। विवाह के कुछ दिन पहले से करे अपनी सही देखभाल और पायें सबकी आँखों में अपने लिये तारीफ की चमक।

त्वचा की देखभाल

साफ सफाई : रोज रात को सोते वक्त और सुबह किसी अच्छे क्लीजर से चेहरे की सफाई करें।

फेसमास्क : फेसमास्क हफ्ते में दो बार लगायें। यह चेहरे को ताजगी व त्वचा को कसावट देगा। त्वचा के अनुरूप फेसमास्क लगायें बेहतर होगा हर्बल फेसमास्क का उपयोग करें।

मॉइश्चराइजर : यह आपकी त्वचा से अतिरिक्त तेल खींच लेता है और यदि क्लींजर का इस्तेमाल करने के बाद भी त्वचा पर गंदगी रह गई, तो उसे भी साफ कर देता है। साथ ही इसके इस्तेमाल से त्वचा के पोर भी सिकुड़ जाते हैं, जिससे ज्यादा इकट्ठी नहीं हो पाती।

सनटैन : विवाह संबंधी कार्यों के सिलसिले में अक्सर बाहर जाना होता है। सूर्य की तेज किरणें आपकी त्वचा को कांतिहीन बना देती है। धूप में निकलने से पहले अपनी त्वचा के प्रकार के मुताबिक सनस्क्रीन लगायें।

वैक्सिंग : विवाह के छः हफ्ते पहले वैक्सिंग करवा लें। छह हफ्तों में बाल पुनरू पूरी तरह विकसित हो जाते हैं। अब शादी के ठीक पहले वैक्सिंग करवाने से त्वचा साफ-सुंदर-कोमल दिखेगी।

बालों की देखभाल

हेयर स्टाइल : शादी पर हेयर स्टाइल कैसी रहेगी, ये पहले से तय करें। यदि छोटे बालों वाली स्टाइल सूट करती हो तो छह हफ्ते पहले बाल ट्रिम कटवा लें। बाद में कोई दूसरी हेयर स्टाइल बिलकुल न करवायेजो पहले कभी न करवाई हो। स्टाइल जितनी सहज हो, उतना ही अच्छा।

हेयर-ड्रायर : कुछ हफ्ते पहले से हेयर ड्रायर और वॉल्यूमनाइजर का इस्तेमाल बंद कर दें। शादी और उसके बाद के अवसरों पर यूं भी इनका काफी इस्तेमाल करना पड़ता है।

तेल-अच्छी शैम्पू : शैम्पू से पहले गर्म तेल को बालों में अच्छी तरह मालिश करें। बालों में अच्छी तरह मालिश करें। बालों में कंडीशनर भी शादी तक न लगायें।

महिलाओं में स्लिम दिखने की चाहत

स्लिम दिखने के साथ हर वक्त फिट रहना महिलाओं की पहली चाहत बन रही हैं। दिल्ली और मुंबई, कोलकाता, चैन्नई, बैगलुरू पुणे, हैदराबाद, नागपुर, भोपाल आदि बड़े शहरों में आधुनिक महिलाएं अपने फिटनेस पर ज्यादा ध्यान देने लगी हैं। योग, जिम या ऐरोबिक्स कुछ भी करके वह अपने आप को फिट रखना चाहती हैं।

अपना मनपसंद खाना छोड़ सूप और सलाद खाकर रहती हैं। रेस्तरां में भी वे ऐसी चीजें मंगवाती हैं, जो सेहत के हिसाब से उनके लिए सही हों। ज्यादा तला-भुना या मसालेदार खाने से उन्हें परहेज हैं। महिलाएं पहले से कहीं ज्यादा अपनी फिटनेस को लेकर जागरूक हो रही हैं। वह फिटनेस एक्सपर्ट के पास जाकर एक्सरसाइज और डाइट के बारे में जानने लगी हैं। कई फिटनेस एक्सपर्ट की राय में महिलाएं पहले के मुकाबले अब कहीं ज्यादा चुस्त दिखना चाहती हैं।

स्कीन की ज्यादा देखभाल

महिलाएं न सिर्फ सेहत, बल्कि अपनी स्कीन की भी पूरी देखभाल करती हैं। सौंदर्य प्रसाधनों से बाजार भरा पड़ा हैं। जगह-जगह ब्यूटी सैलून खुल गए हैं, जो महिलाओं को सुंदर बनाने में सुबह से शाम तक जुटे रहते हैं। साधारण मॉश्चराइजर से लेकर एंटी टैनिंग और एंटी एजिंग क्रीम का इस्तेमाल बढ़ रहा है। बढ़ती उम्र चेहरे पर न दिखें, इसके लिए तीस पार कर चुकी महिलाएं हर तरह का जतन करती है। केमिस्ट की दुकान चला रहे राज भार्गव का कहना हैं कि महिलाएं उनसे एंटी एजिंग क्रीम की ज्यादा डिमांड करती हैं। क्रीम काफी महंगी पड़ती हैं, पर बात जब खूबसूरती की हो, तो फिर पैसे की बात कहां।

योगा पर भी ध्यान

जिम और एरोबिक्स के साथ योग आधुनिकाओं की आदत में शुमार हो चला हैं। चुस्त और पतली दिखाने की चाह में। बूटकैंप और मसाला योगा दो ऐसे व्यायाम हैं, जिन्हें युवतियां और महिलाएं ज्यादा पसंद कर रही हैं। जिम में भी युवतियां खासी दिलचस्पी ले रही हैं। जिम चला रहे कई लोगों की राय में महिलाओं की मेंबरशिप में पहले से करीब 35 प्रतिशत इजाफा हुआ हैं।

खान-पान में बदलाव

युवतियों और महिलाओं में खान-पान को लेकर काफी बदलाव आया हैं। महिलाओं ने अपने खान-पान में खासा फेरबदल किया हैं। ज्यादा तला-भुना, ज्यादा मसालेदार या वैसी चीजें जो उनके वजन को अनियंत्रित कर दें, उन्हें बिल्कुल खाना पसंद नहीं करती। अपनी डाइट में मल्टीग्रेन, ऑरगेनिक फूड, सूप और सलाद जैसी चीजें शामिल करती हैं। आरगेनिक फूड की सबसे ज्यादा डिमांड हैं। एक सर्वे के अनुसार दस में से आठ महिलाएं चाहे, वह हाउसवाइफ हो या वर्किंग, हर किसी ने अपने खान-पान में बदलाव किया है।

चाहिए स्लिम फिगर

अपने वेस्ट और हिप साइज को सही रखने के लिए महिलाएं खूब पसीना बहाती हैं। ज्यादा से ज्यादा युवतियां और महिलाएं डाक्टर के पास सिर्फ यह पूछने जाती हैं कि वे अपने वजन को कैसे कम करें ताकि वे मोटापा, हाइपरटेंशन और डायबीटिज से बच सकें। महिलाएं अब अपने पसंदीदा स्टार को फिट रहने के तरीके बताते हुए देखती हैं, तो उन्हें उन पर भरोसा बढ़ जाता हैं। फिटनेस आइकन जैसे बिपाशा बसु, शिल्पा शेट्टी, प्रिटी जिंटा और लारा दत्ता जैसी दिखने के लिए पूरा जोर लगा देती हैं।

पहनावा भी बदला

महिलाएं जहां पहले साड़ी और सलवार कमीज में लिपटी होती थीं, वहीं अब तरह-तरह के परिधान बाजार की शोभा बढ़ा रहे हैं। इन्हें पहनने के लिए महिलाओं का फिट होना बेहद जरूरी हैं। जींस-टॉप, मिनी स्कर्ट, कैप्री, लेगिंग्स, कुर्ती इन सब के लिए शरीर सही शेप में होना चाहिए।

2023 में कार की चोरी की घटना में वृद्धि दर्ज

-बाइक लूट की घटनाएं नौ गुना से भी ज्यादा

नई दिल्ली ।

साल 2023 में भारत में कार की चोरी की संख्या में दोगुनी से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई है। इसी तरह बाइक लूट की घटनाएं कारों की तुलना में नौ गुना से भी ज्यादा हुई। दिल्ली मोस्ट स्टोलन व्हीकल्स की लिस्ट में सबसे ऊपर है। 2023 में दिल्ली में मोस्ट रिकॉर्डेड व्हीकल रॉबरीज की लिस्ट में सबसे टॉप में है। 2023 में चोरी हुए वाहनों की कुल संख्या में 37 प्रतिशत हिस्सेदारी दिल्ली की है। यहां हर 12 मिनट में एक व्हीकल चोरी हो जाती है। सबसे ज्यादा डकैती वाले इलाकों में उत्तम नगर, भजनपुरा, शाहदरा, बदरपुर और पटपड़गंज के नाम शामिल हैं। 2023 व्हीकल थेफ्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि मारुति सुजुकी की वैगनआर भारत में सबसे अधिक चोरी होने वाली कार है, जिसने मारुति सुजुकी की ही स्विफ्ट और डिजायर को भी पीछे छोड़ दिया है। इसके बाद हयूदै की ग्रांड आई10, सेंट्रो, क्रेटा और होंडा सिटी के नाम शामिल हैं। होंडा स्पलेंडर को 2023 की सबसे अधिक चोरी की गई बाइक के रूप में दर्ज किया गया। इसके बाद होंडा एक्टिवा , टीवीएस अपाचे और रॉयल इनफिल्ड क्लासिक 350 के नाम हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुग्राम पुलिस विभाग ने कहा कि 'हाई रीसेल वैल्यू और स्पेयर पार्ट्स की ज्यादा डिमांड के कारण चोरी की गई 10 बाइक में से छह हीरो सीडी डीलक्स , हीरो एचएफ डीलक्स, हीरो स्पेलेंडर और हीरो स्पेलेंडर प्ल स हैं।' रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि सफेद रंग की कारें सबसे ज्यादा चोरी की गईं और इस लिस्ट में बेंगलुरु का स्थान 9 प्रतिशत है। इसके बाद 5प्रतिशत के साथ चेन्नई और उसके बाद हैदराबाद, मुंबई और कोलकाता

जैसे अन्य शहर हैं। भारत में डकैती की दर में काफी वृद्धि हो रही है और बाइक चोरी कार डकैती की तुलना में नौ गुना अधिक आम हो गई है।

इंडिया ब्लॉक के नेता बोले, सत्ता में आए तो हटा देंगे ईवीएम

- अलायंस में शामिल पार्टियों के नेताओं ने ईवीएम से वोटिंग प्रक्रिया का विरोध किया

मुंबई । महाराष्ट्र के मुंबई में कांग्रेस की मेगा रैली में इंडिया ब्लॉक के नेताओं के टारगेट पर ईवीएम रही। रैली से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि आने वाले दिनों में विपक्ष के चुनाव प्रचार में ईवीएम ही टारगेट पर रहेगी। अलायंस में शामिल पार्टियों के नेताओं ने ईवीएम से वोटिंग प्रक्रिया का विरोध किया और ऐलान किया है कि अगर हम सत्ता में आए तो ईवीएम से वोटिंग कभी नहीं होने देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की रविवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन पर मुंबई के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क मैदान में इंडिया ब्लॉक के दिग्गज नेताओं को जमावड़ा लगा। यहां नेताओं ने वोटिंग के लिए ईवीएम के इस्तेमाल के खिलाफ आवाज उठाई। सभी नेताओं ने ईवीएम वोटिंग के खिलाफ बात की और कहा कि जब इंडिया ब्लॉक सत्ता में आएगा तो ईवीएम को वोटिंग प्रक्रिया से हटा देंगे और ईसीआई को स्वतंत्रता देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बिना ईवीएम के नरेंद्र मोदी चुनाव नहीं जीत सकते हैं। हमने चुनाव आयोग से अनुरोध किया कि हमें ईवीएम दिखाएं और हमारे विशेषज्ञों को मशीन दिखाएं। उन्होंने हमें दिखाने से इनकार कर दिया। हमने मशीन और उससे निकलने वाले कागज के बारे में पूछा, लेकिन उन्होंने उन कागजों को गिनने से इनकार कर दिया। राजा की आत्मा ईवीएम में है। नरेंद्र मोदी का काम है- आपका ध्यान हटाओ। पिछले 40 वर्षों की तुलना में आज सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। पूरी व्यवस्था नियंत्रण में है। जब पहली बार उनकी सरकार सत्ता में आई तो अरुण जेटली आए, मुझसे कहा कि भूमि अधिग्रहण के बारे में मत बोलो। मैंने पूछा कि मैं इसके बारे में क्यों नहीं बोलूंगा? उन्होंने कहा कि अगर मैं बोलूंगा तो हम आप पर केस डाल देंगे। ईडी मेरे पास आई और उन्होंने मुझसे 50 घंटे तक पूछताछ की।

मुलायम सिंह के करीबी पूर्व सांसद देवेंद्र यादव भाजपा में शामिल

नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। कभी पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह के करीबी रहे पूर्व सांसद देवेंद्र यादव ने सपा को बाय बाय कहकर भाजपा से हाथ मिला लिया है।

यादव ने लखनऊ के बीजेपी दफ्तर में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।इससे पहले समाजवादी पार्टी ने बीजेपी के परंपरागत वोट माने जाने वाले शाक्य समाज से अपना प्रत्याशी उतार कर उन्हें झटका दिया था। इसके बाद भाजपा ने समाजवादी पार्टी के परंपरागत माने जाने वाला यादव वोट बैंक में सेंध लगाते हुए यादव समाज के प्रभावशाली नेता देवेंद्र

यादव को पार्टी में शामिल कर एटा की लड़ाई को दिलचस्प बना दिया है। कासगंज के अलीपुर बरवारा के रहने वाले देवेंद्र सिंह यादव ने अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत गांव में प्रधान के चुनाव से की थी।

उसके बाद देवेंद्र सिंह यादव तीन बार सोरो से ब्लॉक प्रमुख रहे। 1979 में कांग्रेस से पहली बार देवेंद्र सिंह यादव विधानसभा पहुंचे और उसके बाद 1984 में समाजवादी पार्टी से देवेंद्र सिंह यादव विधायक बने।

उसके बाद देवेंद्र सिंह यादव समाजवादी पार्टी से 1999 में पहली बार सांसद बने और फिर 2004 में दूसरी बार समाजवादी पार्टी से ही देवेंद्र सिंह यादव लोकसभा पहुंचे। 2009 में कल्याण सिंह के सामने देवेंद्र सिंह यादव लोकसभा का चुनाव हार गए और उसके बाद 2014 और 2019 में कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह ने देवेंद्र सिंह यादव को लोकसभा चुनाव में मात दी थी।

लड्डू मार होली में हादसा-

22 लोग घायल,एसएसपी ने किया घटना से इंकार

मथुरा।

मथुरा के बरसाना में लड्डू मार होली के दौरान राधा रानी मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने से भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। इस बीच राधा रानी मंदिर में सीढ़ी की रेलिंग टूटने से 20 से अधिक लोग घायल हो गए। खुद मंदिर के पुजारी ने मीडिया को इस बात की जानकारी दी है। बरसाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ मनोज वशिष्ठ ने कहा कि घटना के बाद 22 लोगों को केंद्र में लाया गया था और उनमें से अधिकांश को फैक्चर हुआ है। जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि घायलों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया गया। बाद में भीड़ को नियंत्रित किया गया जिससे भक्तों को दर्शन करने में सुविधा हुई। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में उत्सव के तहत बांटे जा रहे लड्डुओं को पाने की कोशिश कर रहे थे, तभी यह घटना घटी। कई सारे लोग दीवार कूदकर लड्डू लेने की कोशिश कर रहे थे, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। घटना रविवार शाम की है जब श्रद्धालु कई घंटों से मंदिर के दरवाजे खुलने का इंतजार कर रहे थे। मंदिर के पुजारी के अनुसार, मंदिर में होली से पहले उत्सव का आयोजन किया गया था और जिस वक्त रेलिंग गिरी तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में आए थे। वहीं दूसरी तरफ इस तरह की घटनाओं से जिले के एसएसपी शैलेश कुमार पांडे साफ इनकार करते हैं। उनका कहना है कि बरसाना में लड्डू मार होली का जश्न चल रहा है।

पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालु पूजा-अर्चना कर रहे हैं और जश्न मना रहे हैं। भगदड़ की अफवाह फैलाई जा रही है। भीड़ ज़रूर बहुत है लेकिन सुरक्षा के इंतज़ाम पर्याप्त हैं। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि अफवाहों पर ध्यान न दें।

पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को झटका, कोर्ट ने सभी याचिकाएं रद्द कर कहा- आज ही करें सरेंडर

नई दिल्ली।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसे दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने सभी याचिकाएं रद्द करते हुए जैन से कहा कि आप आज ही सरेंडर कर दें। सत्येंद्र जैन के अलावा मामले में सह आरोपी अंकुश जैन और वैभव जैन की भी जमानत याचिकाएं खारिज हो गई हैं। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में सत्येंद्र जैन को मई 2022 में ईडी ने गिरफ्तार किया था। बता दें कि साल 2018 में ईडी ने इस मामले में सत्येंद्र जैन से पूछताछ की थी। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने 22 मई 2022 में उनकी गिरफ्तारी का विरोध भी किया था। इसके बाद 26 मई, 2023 को सत्येंद्र जैन को खराब स्वास्थ्य के आधार पर जमानत मिल गई थी। तबसे वह इलाज करा रहे हैं। आप नेता के खिलाफ सीबीआई ने 2017 में प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत एफआईआर फाइल की थी। इस एफआईआर में सत्येंद्र जैन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया था। एफआईआर के मुताबिक मनी लॉन्ड्रिंग चार कंपनियों के जरिये की गई जो सीधा सत्येंद्र जैन से जुड़ी हैं। कोर्ट ने मेडिकल ग्राउंड पर उन्हें करीब नौ महीने पहले अंतरिम जमानत दी थी। हालांकि कोर्ट ने उन पर इस

मामले से जुड़े गवाहों, शिकायतकर्ताओं आदि पर प्रभाव का इस्तेमाल करने, उनसे और मीडिया से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क करने, राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेने जैसी कई तरह की पाबंदियां भी लगाई थीं। सुप्रीम कोर्ट ने 26 मई 2023 को सत्येंद्र जैन को इलाज के लिए अंतरिम जमानत पर छह हफ्ते के लिए न्यायिक हिरासत से छोड़ा था। समय-समय पर बढ़ते हुए अब इस अवधि को नौ महीने से भी ज्यादा वक्त हो गया है।

मुजफ्फरनगर में तंबाकू देने से मना किया तो सिपाही ने टीचर को गोलियों से भूना

मुजफ्फरनगर ।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक सिपाही ने रविवार को एक टीचर टीचर को गोलियों से हत्या कर दी। सिपाही ने सरकारी कार्बाइन से टीचर को गोली मारी। घटना के वक्त सिपाही और टीचर एक ही वाहन में सवार थे। वे यूपी बोर्ड हाई स्कूल परीक्षा की कॉपी लेकर वाराणसी से मुजफ्फरनगर आए थे। तभी वाहन में दोनों के बीच विवाद हो गया जिसके चलते सिपाही ने यह उसको गोलियों से भून दिया।

बताया जा रहा है कि हत्यारोपी सिपाही शराब के नशे में था और वह रात के समय टीचर से तंबाकू की मांग कर रहा था। तंबाकू ना देने पर आरोपी सिपाही ने इस घटना को अंजाम दे डाला। गोलियों की आवाज से मौके पर हड़कंप मच गया। दरअसल 14 मार्च को वाराणसी से एक टीम यूपी बोर्ड हाई स्कूल परीक्षा की कॉपी लेकर अन्य जनपदों में स्थित कॉलेज में जमा करने के लिए निकली थी। जिसमें टीचर धर्मेंद्र कुमार, संतोष कुमार व पुलिस टीम में उप निरीक्षक नागेंद्र चौहान मुख्य आरक्षी चंद्र प्रकाश के साथ 2 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जितेंद्र मौर्य व कृष्ण प्रताप शामिल थे।

यह टीम प्रयागराज, शाहजहांपुर, पीलीभीत, मुरादाबाद और बिजनौर में कॉपियां उतारकर रविवार की देर रात मुजफ्फरनगर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित एसडी इंटर कॉलेज पर पहुंची थी। कॉलेज के गेट बंद होने के चलते टीम रात के समय गाड़ी में ही आराम कर रही थी। इसी दौरान टीम में शामिल कॉन्स्टेबल चंद्रप्रकाश द्वारा टीचर धर्मेंद्र कुमार से तंबाकू की मांग की गई जिस पर तंबाकू ना देने के चलते शराब के नशे में चूर चंद्रप्रकाश ने अपनी कार्बाइन से टीचर धर्मेंद्र पर फायरिंग कर दी। जिसमें कई गोलियां लगने से टीचर धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने घायल टीचर को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान टीचर को मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने जहां टीचर के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया तो वहीं टीम में शामिल सभी लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है।

गुजरात से यूपी के लिए निकली ट्रेन राजस्थान में हुई बेपटरी

जयपुर।

गुजरात से उत्तर प्रदेश के लिए निकली साबरमती सुपरफास्ट ट्रेन राजस्थान में पटरी से उतर गई। गनीमत रही कि किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं आई। ये हादसा उस वक्त हुआ जब साबरमती (अहमदाबाद) से आगरा जा रही ट्रेन के चार डिब्बे अजमेर में पटरी से उतर गए। दुर्घटना में कुछ यात्रियों को घायल होने की जानकारी मिली है। देर रात हुए हादसे के बाद मौके पर राहत और बचाव का काम शुरू किया गया।साबरमती-आगरा कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12548) के चार डिब्बे रात करीब 1 बजे पटरी से उतर गए। बताया जा रहा है कि सुपरफास्ट ट्रेन एक मालगाड़ी से टकराने के बाद दुर्घटना का शिकार हुई।

उत्तर-पश्चिमी रेलवे के सीपीआरओ शशि किरण ने कहा, साबरमती से आगरा जाते समय ट्रेन (12548) अजमेर में मादर में सिग्नल के पास पटरी से उतर गई। इंजन और चार जनरल कोच पटरी से उतरे हैं। उन्होंने बताया कि हादसे में किसी की मौत नहीं हुई है। हालांकि, कुछ लोगों को मामूली चोटें आई हैं और उनका उपचार कराया जा रहा है। हादसा अजमेर में मादर रेलवे स्टेशन के पास हुआ। जिस वक्त दुर्घटना हुई, ट्रेन में अधिकतर लोग सो रहे थे। हादसे के बाद वहां चीख पुकार मच गई। यात्रियों ने बताया कि तेज आवाज के साथ डिब्बे पटरी से उतर गए। देर रात दुर्घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव का काम शुरू किया गया। गनीमत है कि हादसे में किसी की जान जाने की सूचना नहीं है। कुछ यात्रियों को के मामूली रूप से घायल बताए जा

रहे हैं। घायलों को अजमेर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त बोगियों को पटरी से हटाने का काम चल रहा है।

चुनावी बॉन्ड विवाद से मतदाता रहेंगे बेअसर: सर्वेक्षण

नई दिल्ली ।

चुनावी बॉन्ड पर हाल में उठे विवाद का मतदाताओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा और आगामी लोक सभा चुनाव के नतीजे भी इससे बेअसर रहेंगे। ये बातें एक सर्वेक्षण में सामने आई हैं। इस सर्वेक्षण में 10 मुख्य कार्याधिकारियों (सीईओ) से चुनावी बॉन्ड पर उठे विवाद पर उनकी राय पूछी गई। इन सीईओ ने कहा कि राजनीतिक दलों को चंदा देने वाली कंपनियों एवं लोगों के नामों के खुलासे से मतदाता प्रभावित नहीं होंगे और न ही इससे लोक सभा चुनाव के नतीजों पर ही कोई असर पड़ेगा। जब इन सीईओ से नरेंद्र मोदी सरकार के कामकाजी प्रदर्शन एवं विकास कार्यों पर उनकी राय पूछी गई तो उन्होंने 1 से 5 के पैमाने पर औसतन 4.1 रेटिंग दी। एक सीईओ ने मोदी सरकार को 3 रेटिंग दी जबकि दो ने मोदी सरकार के प्रदर्शन एवं विकास कार्यों को 5 में 5 रेटिंग दी। एक सीईओ ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि पिछले पांच साल चुनौतीपूर्ण रहे हैं। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले सीईओ में 30 प्रतिशत ने कहा कि कंपनियों से एवं निजी स्तर पर चंदा लेने से बचने के लिए चुनाव खर्च के लिए सरकारी स्तर पर ही प्रावधान किया जाना चाहिए। मगर इतने ही सीईओ इस तर्क से सहमत नहीं हुए। 40 प्रतिशत ने चुनाव पर होने वाले खर्च के लिए सरकारी स्तर पर प्रावधान किए जाने के बारे में कुछ नहीं कहा। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले आधे सीईओ ने कहा

कि राजनीतिक चंदे के विषय पर उनके निदेशक मंडल (बोर्ड) में कोई स्वीकृत नीति नहीं है। 40 प्रतिशत का कहना था कि उनके बोर्ड में राजनीतिक चंदे पर मंजूरी ली जाती है। उपभोक्ता उत्पाद (कंज्यूमर प्रोडक्ट्स) बनाने वाली एक कंपनी के सीईओ ने कहा कि चुनावी खर्च के लिए मिलने वाली रकम को लेकर थोड़ी और पारदर्शिता की जरूरत है। हमें इस मामले में पश्चिमी देशों से सबक लेना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

हैदराबाद में चड्डी गैंग ने स्कूल से चुराए 7.85 लाख

हैदराबाद ।

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में चड्डी गैंग ने एक स्कूल में घुसकर 7 लाख 85 हजार रुपए चुरा लिए हैं। इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। यह घटना शनिवार रात के समय हुई। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज में 2 चोर स्कूल परिसर के अंदर घूम-घूमकर चोरी करते हुए नजर आ रहे हैं। चोरों ने शरीर में सिर्फ अंडर वियर पहन रखी है। पहचान छुपाने के लिए दोनों ही चोरों ने चेहरे को नकाब से ढक रखा है। फुटेज में यह भी दिखाया गया है कि एक चोर छुपते-छुपाते हुए सीढ़ियों से ऊपर की तरफ जा रहा है। इस तरह की चोरी पहले भी देशभर के अलग-अलग इलाकों में सामने आती रही है। करीब एक साल पहले बिहार की राजधानी पटना में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था जिसमें चड्डी-बनियान गैंग ने इलेक्ट्रॉनिक दुकान को निशाना बनाया था। चोरों ने दुकान में घुसकर काउंटर से 2 लाख रुपए की चोरी की थी। इससे पहले मुंबई और भोपाल में भी चड्डी-बनियान गिरोह का आतंक सामने आ चुका है। मुंबई पुलिस ने ऐसे 3 चोरों को पकड़ा था जो बंद घरों में चड्डी बनियान पहनकर चोरी किया करते थे।

त्रिपुरा में वाम मोर्चा और कांग्रेस ने मिलाया हाथ

अगरतला ।

लोकसभा चुनाव को लेकर देश के तमाम राजनैतिक दल अपनी अपनी संभावनाएं तलाश रहे हैं इसी संभावना के तहत मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चा ने रविवार को त्रिपुरा पूर्व लोकसभा सीट (एसटी) के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा की और त्रिपुरा पश्चिम सीट पर कांग्रेस का समर्थन करने का फैसला किया। सीपीआई-एम की राज्य समिति और वाम मोर्चा की अलग-अलग बैठकों के बाद, वाम मोर्चा के संयोजक नारायण कर ने कहा कि पूर्व सीपीआई-एम विधायक राजेंद्र रियांग त्रिपुरा पूर्व लोकसभा सीट के लिए वाम दल के उम्मीदवार होंगे, जो आदिवासियों के लिए आरक्षित है। उन्होंने कहा कि माकपा की पश्चिम जिला समिति के सचिव पूर्व विधायक रतन दास को रामनगर विधानसभा सीट से मैदान में उतारा जाएगा, जहां 19 अप्रैल को उपचुनाव होना है। भाजपा विधायक सुरजीत दत्ता के 28 दिसंबर को निधन हो जाने के कारण यह विधानसभा सीट खाली हो गई थी। वामपंथी नेता ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि वाम मोर्चा ने इंडिया गठबंधन के हिस्से के रूप में भाजपा को हराने के लिए गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर चुनावी लड़ाई लड़ने का फैसला किया है।

लालू की बेटी रो हिणी लड़ सकती हैं चुनाव

पटना ।

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सुप्रीमो लालू यादव अपनी एक और बेटी रोहिणी आचार्य को भी इस लोकसभा चुनाव के जरिए राजनीति में प्रवेश करवा सकते हैं। इस बात की पूरी संभावना जताई जा रही है कि सिंगापुर में रहने वाली लालू यादव की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य चुनाव लड़ सकती है। रोहिणी आचार्य ने पिछले साल अपने पिता को एक किडनी दान में दी थी जिसको लेकर उनकी खूब प्रशंसा हुई थी। अब ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि जल्द लालू अपनी बेटी रोहिणी को भी राजनीति में लॉन्च कर सकते हैं। रोहिणी से पहले लालू परिवार में उनकी पत्नी राबड़ी देवी मुख्यमंत्री रह चुकी हैं और उनके तीन बच्चे मीसा भारती, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव भी सक्रिय राजनीति में हैं। मीसा भारती इस वक्त राज्यसभा सांसद हैं, वहीं तेजस्वी यादव पूर्व उपमुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष तेज प्रताप यादव भी बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और विधायक हैं। लालू यादव ने भी 70 के दशक में इसी सीट से राजनीति की शुरुआत की थी। गौरतलब है लालू पहली बार छपरा (अब सारण) लोकसभा सीट से सिर्फ 29 साल की उम्र में 1977 में सांसद बने थे। इसके बाद 1989 और 2004 में भी उन्होंने सारण से ही चुनाव जीता था।

दिमाग व्यस्त रखने से आप रखेंगे स्वस्थ

वैज्ञानिकों के अनुसार आप दिमाग का जितना उपयोग करते हैं, उतना ही वह सक्रिय रह पाता है। तो सवाल यह उठता है कि कैसे दिमाग का उपयोग करें। आइए सीखते हैं कुछ गुर-

'अगर आप जॉब में नहीं हैं, तो आपके पास बहुत-सा समय है। फुरसत के समय अपने बच्चों की पुस्तकें देखिए। उन्हें स्वयं पड़ा कर समझिए। साथ में डिक्शनरी रखिए। पूरा पाठ स्वयं समझ कर सरल भाषा में उदाहरण सहित बच्चों को समझाइए।

'अगर आप का माध्यम हिन्दी रहा है या आपकी अंग्रेजी कमजोर है तो अपना अंग्रेजी ज्ञान मजबूत बनाइए। एक उम्र के बाद समझ शक्ति बढ़ जाती है। विद्यार्थी जीवन में जो पढ़ाई आप कठिनाई से समझ पाते थे, वह अब अपेक्षाकृत जल्दी समझ में आती है तो शुरू कीजिए अंग्रेजी सीखना।

'समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएं नियमित रूप से पढ़िए। एक सर्वे के अनुसार पुस्तक पढ़ने वालों का आईक्यू, टीवी देखने वालों से अधिक होता है। क्योंकि पढ़ने से कल्पनाशीलता बढ़ती है और इसके द्वारा दिमागी व्यायाम भी हो जाता है।

'अगर आपको लिखने का शौक है तो पत्रिकाओं, पेपर में छपे आर्टिकल की प्रतिक्रियाएं अपने विचारों के अनुरूप लिखिए। यह भी दिमागी व्यायाम का तरीका है।

'पहेलियों को सुलझाइए।

'बौद्धिक टीवी कार्यक्रम देखिए। साथ में स्वयं का ज्ञान परखिए।

'आप खाना तो बनाती ही हैं। कुछ पुरातन एवं लंबी प्रक्रिया को अपनी बुद्धि से कम समय में एवं पौष्टिकता के साथ बनाना सीखिए।

'जीवन में आने वाली कार्य संबंधी समस्याओं को बातचीत द्वारा हल करने की कोशिश करें।

'कुछ नए कार्यों को एवं उपकरणों को सीखें जैसे कम्प्यूटर चलाना, इंटरनेट पर सर्फिंग करना, बैंक तथा बाजार के आवश्यक कार्यों को समझना, ड्राइंग-पेंटिंग जैसे रुचिपूर्ण कार्यों को करना।

'अपने घर-गृहस्थी संबंधी कार्यों से संबंधित लेख एवं जानकारियों को पढ़ते रहिए, जो आपको बनाएगा घर की कुशल प्रबंधक। तो आइए इन 'टॉप' 10 को अपनाएं और दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखें।

किचन कुंआरों का

बैचलर्स के लिए किचन महज खाना बनाने की जगह नहीं, ऐसी लैब होती है, जिसमें वे पसंद के इनग्रीडिएंट्स को मिक्स एंड मैच करके एक्सपेरिमेंट्स यानी नई डिश तैयार करते है।

कौन कहता है कि बैचलर ब्वॉयज को किचन संभालना नहीं आता..! आज के कुछ बैचलर्स न सिर्फ किचन को बखूबी संभालते है, बल्कि टेस्टी डिशेज भी बनाते है। कुछ पेट भरने के लिए पकाते-पकाते इंट्रेस्ट डेवलप कर लेते है, तो कुछ से मजबूरी में एक्सपेरिमेंट्स हो जाते है। कुछ ऐसे भी है, जिनको कुकिंग से खुशी मिलती है।

बैचलर्स लाइफ अपने आप में एक्सपीरियंस होती है और बैचलर्स किचन इस लाइफ का एक इंपॉर्टेंट पार्ट होता है। दिल्ली के लाजपत नगर में रहने वाले आलोक कहते है, हालांकि मुझे कुकिंग का खास शौक नहीं, लेकिन इस शहर में सर्वाइव करने के लिए किचन सेटअप करना जरूरी हो गया था। लगभग चार साल से मैं कुकिंग कर रहा हूं। कई बार कुछ अजीबोगरीब डिशेज भी तैयार हो जाती है, लेकिन जब तक पेट भर रहा हो हम माइंड नहीं करते।

कुकिंग है प्लेजर - चंद लोग जिनके लिए कुकिंग प्लेजर है, उनमें से एक है रेस्टोरेटियर शिव करण सिंह। दिल्ली के मशहूर डेली स्मोक हाउज और मोका रेस्त्रां चेन शिव करण सिंह की क्रिएटिव कुकिंग का ही नतीजा है। शिव कहते है, बचपन से ही मैगी मेरी फेवरेट डिश है। जब मैं छोटा था तो सोचता था कि खाना बनाना कितना आसान है। बस दो मिनट और हो गया खाना तैयार। इसी शौक की वजह से मैं इस प्रोफेशन में हूं।

योग प्रशिक्षक दिनेश डागर के लिए कुकिंग उनके हेल्थ कांशस एटीटयूट का एक्सटेंशन है। दिनेश कहते है, श्श्योग प्रशिक्षक होने के नाते अपने खाने पर खास ध्यान देता हूं। लगभग चार साल से अपने किचन को संभाल रहा हूं और हर वो चीज जो मेरी बॉडी की न्यूट्रिशनल नीड्स को पूरा करे, कुक करना जानता हूं। स्प्राउट्स हों या पराठे, अपनी जरूरतभर सब कुछ बना लेता हूं मैं। ये स्किल्स पहले से नहीं थी, लेकिन अब मुझे कुकिंग पसंद आती है।

ऑर्गेनाइज्ड किचन है पसंद - बैचलर्स किचन का नाम लेते ही आपके जेहन में जले बर्तन और डिशेज से भरा सिंक आ जाता है तो आपको अपने परसेप्शन को चेंज करने की जरूरतहै। शिव करण को ही ले लीजिए। वह कहते है, जहां तक किचन में क्लीनिंग की बात है, यह कुकिंग का ही एक पार्ट है। हर यूटेसिल और अप्लायंस की अगर जगह फिक्स्ड हो तो काम आसान हो जाता है। वहीं एमिटी स्कूल के स्टूडेट चाहत के लिए किचन को ऑर्गेनाइज्ड करना टीडियस नहीं है। वह कहते है कुकिंग के साथ ही अगर क्लीनिंग कर ली जाए तो दोबारा किचन में जाने से पहले सोचना नहीं पड़ता।

बैचलर्स कुकिंग यानी एक्सपेरिमेंटेशन- इंडियन सोसाइटी में किचन का डिपार्टमेंट हमेशा से ही लेडीज के नाम रहा है। शायद इसलिए जब मेल कुकिंग की बात आती है, तो परफेक्शन के बजाए एक्सपेरिमेंटेशन शब्द का इस्तेमाल ज्यादा होता है। चाहत एक्सपेरिमेंटेटिव, लेकिन क्लोज टु परफेक्शन कुक है। चाहत कहते है, हाल ही में एक शॉर्ट टर्म बेकरी कोर्स किया है। मुझे लगता है कि अपनी कुकिंग स्क्रिस को फाइन टयून करने के लिए ऐसे कोर्सेज जरूरी है। यहीं से मुझे कुकिंग में एक्सपेरिमेंटेशन का कॉन्फिडेस आया।श्श चाहत के मैक्सिमम एक्सपेरिमेंट्स उनके फेवरिट पास्ता पर होते है। शिव करण सिंह की मैगी तो अब पूरी दिल्ली बड़े चाव से खाती है। शिव कुकिंग में एक्सपेरिमेंटेशन की इंपॉर्टेंस को समझते हुए कहते है, अच्छा खाना और डिफ्रेंट डिशेज हमेशा एक्सपेरिमेंटेशन का नतीजा होती है। अगर आप एक्सपेरीमेंट नहीं कर सकते, तो खाना बनाना आपके लिए नहीं है।

नो रूल्स- कुंआरों की इस दुनिया में खाना बनाने के सारे नियम कानून तो? दिए जाते है। ज्यादातर बैचलर्स का अल्टीमेट मकसद होता है पेट भरने लायक खाना तैयार कर लेना। आलोक कहते है, हम चार बैचलर्स कभी-कभार कुछ नया पकाने की कोशिश करते है तो कुछ अजीबोगरीब ही तैयार होता है। भिंडी का शोरबा शायद ही किसी ने सुना हो, लेकिन हमारे किचन में यह डिश बहुत कंफर्टेब्ली तैयार हो गई। भिंडी की सब्जी बना रहे थे कि भाई लोगों को आइडिया आया कि क्यों न इसे कुी स्टाइल में पका लिया जाए। आधी सब्जी बन गई थी उसके बाद उसमें बेसन मिला कर पानी डाल दिया गया। काफी देर तक पकाया और जो तैयार हुआ वह अजीब था। क्योंकि पेट भरना था और खुद ने बनाया था, इसलिए खाना तो था ही, लेकिन उस भिंडी के शोरबे के साथ कसम भी खा ली थी कि अब ये डिश दोबारा नहीं बनाई जाएगी।

इसी शौक की वजह से मैं आज इस प्रोफेशन में हूं। मोका रेस्त्रां और डेली स्मोक हाउस मेरे इस पैशन का नतीजा है।ख शव करण सिंह,

लड़के अच्छे कुक होते है। कभी-कभी बनाते है, इसलिए उनके हाथ से बनी चीजें ज्यादा लजीज होती है।

बैचलर्स किचन के टूल जैकेट या ऐप्रन- क्योंकि किचन में ऐसा बहुत सारा सामान होता है जो गाड़ी की ग्रीस से कहीं ज्यादा दाग छोड़ सकता है।

फूड प्रोसेसर- सब्जी काटने से लेकर आटा गूंथने तक, सब कुछ करता है फूड प्रोसेसर।

एस्प्रेसो मेकर- कॉफी के शौकीन है तो एस्प्रेसो मेकर जरूर रखिए। यह सिर्फ आपके लिए नहीं, सोशल नेटवर्किंग के लिए भी हेल्पफुल रहेगा।

टोस्टर- मॉर्निंग में बस दो ब्रेड स्लाइस लगाइए और जब तक आप बालों में जेल लगाएंगे, ब्रेकफास्ट तैयार।

माइक्रोवेव- खाना बनाना हो या गर्म करना, यह आपको कुकिंग के झंझटों से आजाद करता है और मिनटों में डिश हो जाती है तैयार।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु ये यो मा मी मू धा फा ढा भे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 3126

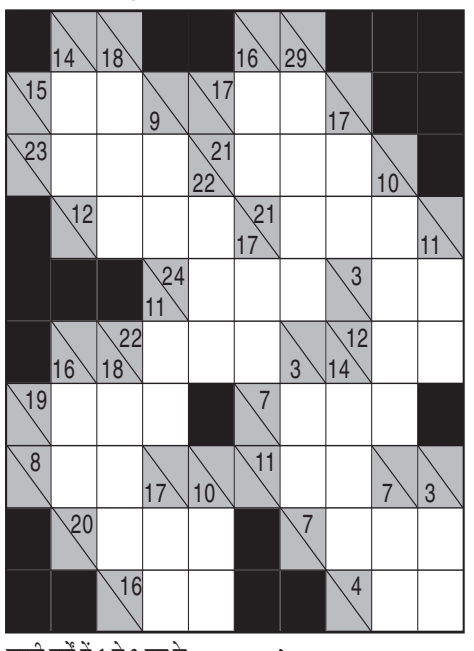

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

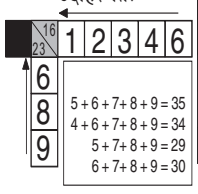

काकुरो - 3125 का हल

■	■	4	7	■	11	13	■	■
■	10 7 22	3	4	16	9	7	24	14
11	3	5	1	2	25 11	2	6	9	8
16	7	9	3 9	1	2	16	13 6	7	6
■	9	8	1	26 9	7	2	8	■
■	■	3 13	2	1	10 16	9	1	13	■
30 11	9	6	8	7	4 8	3	1	11
3	2	1	15	11 17	9	2	17 12	8	9
27	9	3	7	8	10	1	3	4	2
■	■	17	8	9	14	5	9	■	■

लॉफिंग ज़ोन

सीदा-साधा चमन लड़कियों से बहुत दूर भागता था। वह नए साल की पार्टी मनाने के लिए घर से निकला ही था कि सामने चौराहे पर एक सुंदर, सजी-धजी युवती पर उसकी निगाह पड़ी।

युवती ने भी उसे देखा और अपने हाथ के गुब्बारे उसकी ओर बढ़ाकर शरारत भरे अदाज में कहा- 'डार्लिंग...! अब चले... पार्टी मनाने।'

चमन लड़खड़ाकर बोला- नहीं! मैंने आज से लड़कियों से दूरी बनाने का संकल्प लिया है।

□ □ □

रमन- 'यार, कल रात घर पहुँचने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाता रहा, लेकिन किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला। आखिर मुझे रात बाहर ही गुजारनी पड़ी।'

चमन- 'फिर सुबह उठकर उन्हें डाँटा की नहीं?'

रमन- 'नहीं यार! कैसे डाँटता...। आँखें खुलने पर देखा तो पता चला कि मैं घर का नहीं बीयर बार का दरवाजा खटखटा रहा था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3126

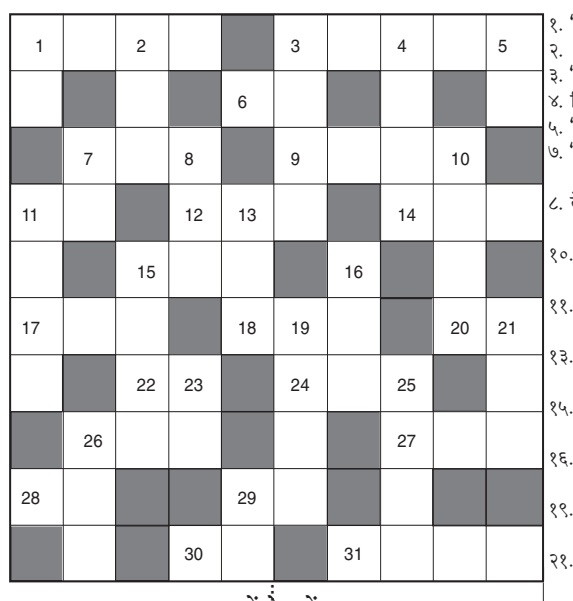

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3125

बा	बु	ल	■	आ	का	श	■	यु	द्ध
रि	■	गा	य	ब	■	र्मी	■	गां	■
श	गु	न	■	रू	दा	ली	■	ध	र्म
■	स	■	फू	■	ग	■	डो	र	■
गु	■	दि	ल	से	■	मि	ली	■	भा
म	श	ल	■	ह	म	■	■	जं	ग
ग	■	ज	य	ग	ज	■	माँ	■	म
ह	म	ला	■	■	बू	म	■	र	भा
■	ह	■	स	फ	र	■	दे	■	ग
य	ल	गा	र	■	■	बे	व	फा	■

सूडोकु -3126

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3125 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 3126

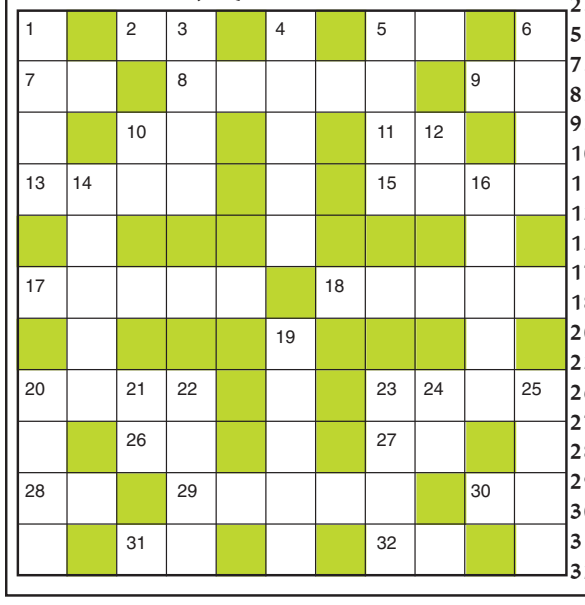

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -3125 का हल

का	म	या	ब	■	र	■	श	ब	न	म
■	र्म्मी	■	र	फू	च	क्र	र	■	र्म	■
आ	■	मा	स	■	ना	■	मा	ह	■	प्र
स	ह	ला	ना	■	का	■	ना	रा	य	ण
■	थ	■	■	■	र	■	■	■	ज्ञों	■
ह	क	ब	का	ना	■	अ	प	ना	प	न
■	र	■	■	■	ख	■	■	■	वी	■
मे	घा	ल	य	■	ल	■	क	म	त	र
घ	■	त	म	■	ना	■	ल	त	■	क्षा
■	यं	■	रा	सा	य	नि	क	■	कै	■
म	हा	रा	ज	■	क	■	ल	म्बो	द	र

केकेआर में सभी के साथ समान व्यवहार होगा : गंभीर

कोलकाता ।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मैंटोर गौतम गंभीर ने आईपीएल 2024 से ठीक पहले अपनी टीम का हौंसला बढ़ाया है। गंभीर की कप्तानी में टीम ने दो बार खिताब जीता था। अब अनका लक्ष्य टीम को तीसरा खिताब जिताना है। गंभीर ने अपनी टीम से जुड़ने के बाद कहा कि टीम में सीनियर जूनियर जैसा कोई सवाल नहीं हैं और सभी समान हैं। केकेआर द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में गंभीर ने कहा कि यह कुछ ऐसा है जो बहुत, बहुत अहम है। इसलिए जो लोग मेरे साथ खेले हैं, वे मेरे बारे में एक बात जानते होंगे, कि इस समूह में सभी के साथ समान व्यवहार किया जाएगा। कोई सीनियर जूनियर नहीं है। कोई घरेलू, अंतरराष्ट्रीय नहीं है। गंभीर ने कहा कि हम इस सत्र में अपनी ओर से सभी प्रयास करेंगे। यह एक बहुत ही गौरवान्वित और सफल फ्रेंचाइजी है। आप लोग एक बहुत ही सफल फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सुनिश्चित करें कि आप उसी तरह से प्रशिक्षण लेते हैं, आप उस तरह से खेलते हैं और आप मैदान के चारों ओर उसी तरह का रवैया अपनाते हैं। यह बहुत, बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है। और एक बात जिस पर मैं पूरी तरह विश्वास करता हूं वह है खिलाड़ियों को पूरी आजादी देना। गंभीर ने कहा कि हमें एक मिशन मिला है और वह है इस आईपीएल को जीतना। इसलिए हर किसी को उस एक सरल मार्ग का अनुसरण करने की आवश्यकता है।

आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर डब्लयूपीए खिताब जीता

नई दिल्ली।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीए) खिताब जीत लिया है। आरसीबी ने खिताबी मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराकर ये खिताब अपने नाम किया। कैपिटल्स की टीम दूसरी बार खिताब नहीं जीत पायी है। वहीं पहले चरण में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल में मुंबई इंडियंस के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। आरसीबी की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची थी और उसने धीमी शुरूआत के बाद भी मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम 18.3 ओवर में ही 113 रनों पर आउट हो गयी। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की टीम ने 19.3 ओवर में दो विकेट पर 115 रन बनाकर जीत दर्ज की। आरसीबी की ओर से ऋचा घोष ने नाबाद 17 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। मंधाना ने 39 गेंद में 31 रन बनाये जबकि सोफी डिवाइन ने से 32 रन बनाये। एलिसे पैरी 35 रन बनाकर आउट नहीं हुईं। आरसीबी ने इस प्रकार महिला (डब्ल्यूपीएल) में पहली बार खिताब जीता है। इस मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के 44 रन और कप्तान मेग लैनिंग के 23 रन की सहायता से टीम ने 43 गेंद में बिना विकेट खोये 64 रन बनाये। इसके बाद टीम ने तेजी से विकेट खो दिये। स्पिनर सोफी मोलिनू ने तीन विकेट लिए। आरसीबी की श्रेयंका पाटिल ने 3.3 ओवर में ही 12 रन देकर चार विकेट लिए। दिल्ली कैपिटल्स के लिए बल्लेबाज लैनिंग और शेफाली ने अच्छी शुरूआत की पर इनके आउट होने के बाद टीम ढ़ह गयी।

इंडियन वेल्स

लगातार दूसरी बार चैंपियन बने अल्कराज

कैलिफोर्निया।

इंडियन वेल्स ओपन फाइनल में कार्लोस अल्कराज ने डेनियल मेदवेदेव को 7-6(5), 6-1 से हराकर अपनी ट्रॉफी का बचाव किया, जबकि इगा स्वीयाटेक ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट गंवाए बिना मारिया सक्कारी को 6-4, 6-0 से हराकर अपने करियर का 20वां खिताब जीता। कार्लोस अल्कराज के लिए, अपने खिताब की रक्षा करने की यात्रा चुनौतियों से भरी थी। टखने की समस्या से जूझ रहे युवा स्पैनियार्ड को फाइनल में डेनियल मेदवेदेव के खिलाफ एक कठिन लड़ाई का सामना करना पड़ा। फाइनल मैच में एक मुश्किल शुरूआती सेट के बाद अल्कराज ने शानदार कमबैक किया। इस सेट में मेदवेदेव 6-5 से आगे थे। हालांकि, अल्कराज ने टाई-ब्रेक के जरिए वापसी करते हुए 7-5 से बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में मैच की कहानी अलग दिखी और अल्कराज ने विश्व नंबर 4 को हराते हुए वर्ष का अपना पहला खिताब जीता। साथ ही ये उनका पिछली गर्मियों में विंबलडन के बाद पहला खिताबी जीत भी है। अल्कराज इंडियन वेल्स ताज का सफलतापूर्वक बचाव करने वाले केवल छठे खिलाड़ी हैं। साथ ही 2016 में नोवाक जोकोविच के बाद इंडियन वेल्स में लगातार दो बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं। अपनी शानदारक जीत पर अल्कराज ने हर चुनौतियों पर डटे रहने और इंडियन वेल्स के भव्य मंच पर इस क्षण का लाभ उठाने के लिए सबका आभार व्यक्त किया। उनकी जीत न केवल टेनिस जगत में एक उभरते सितारे के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करती है, बल्कि दृढ़ता और आत्म-विश्वास की शक्ति के प्रमाण को भी दर्शाती है। अल्कराज ने कहा, मैं अभी बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, यह टूर्नामेंट मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यहां खेलना मेरे लिए बहुत खास है लेकिन मुझे लगता है कि यह साल कुछ ज्यादा ही खास है क्योंकि टूर्नामेंट से पहले मैं सोच रहा था कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ खेल पाऊंगा या नहीं। मैं टखने की चोट के कारण अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। इसलिए मेरे मन में बहुत संदेह था, लेकिन मैं उन समस्याओं से उबरने में सक्षम होने और अंत में बेहतर महसूस करने से वास्तव में खुश था। महिलाओं के फाइनल में, इगा स्वीयाटेक ने मारिया सक्कारी पर दो सीधे सेटों में शानदार जीत के साथ महिला सर्किट पर अपना दबदबा दिखाया युवा खिलाड़ी स्वीयाटेक ने शुरुआत में ही 3-0 की बढ़त बना ली, लेकिन सक्कारी ने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए वापसी की और अपने प्रतिद्वंद्वी के लिए खतरा पैदा करना शुरू कर दिया। इसके बाद ग्रीक खिलाड़ी ने स्वीयाटेक के साथ स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया और फिर मैच यहां से बढ़कर 4-4 की बराबरी पर गया। कुल मिलाकर दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी। लेकिन अंत में, पोलैंड के उभरते सितारे ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया।

स्वीयाटेक ने अपने 69 डब्ल्यूटीए 1000 मैचों में से हर एक में जीत हासिल की है। स्वीयाटेक ने अपनी शानदार फॉर्म का प्रदर्शन करते हुए दुनिया की 9वें रैंक की खिलाड़ी को हराया। स्वीयाटेक ने लगभग हर मुकाबले में अपनी सर्वोच्च गुणवत्ता दिखाई।

फाइनल मुकाबले के अंतिम सेट में मारिया पूरी लाचार दिखीं। दूसरे सेट में मारिया सक्कारी को 6-0 से हार का सामना करना पड़ा, जिसका अंत पहले सेट के ठीक 20 मिनट बाद हुआ।

कुंबले ने किया अश्विन की जमकर तारीफ

चेन्नई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन के 500 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने पर भारतीय टीम के पूर्व स्पिन गेंदबाज अनिल कुंबले ने उनकी जमकर प्रशंसा की है। कुंबले ने कहा कि पिछले एक दशक में इस गेंदबाज के सामने कई चुनौतियां आई पर वह लगातार सीखने के जुनून और इच्छाशक्ति के कारण इस गेंदबाज ने सफल पाया हैं। भारत की तरफ से सबसे तेज 500 विकेट पूरे करने के बाद वर्तमान में अश्विन के नाम टेस्ट में 516 विकेट है। अश्विन इस वक्त भारत के लिए कुंबले (619) के बाद दूसरे सबसे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। भारत के पूर्व लेग स्पिनर कुंबले ने कहा कि वे इससे बिल्कुल भी आश्चर्यचकित नहीं हैं।

तमिलनाडु क्रिकेट संघ द्वारा अश्विन को 100 टेस्ट और 500 विकेट पूरे करने पर एक सम्मान समारोह आयोजित किया था, कुंबले ने इस समारोह में कहा, ''अश्विन के सामने कई चुनौतियां आई हैं, पर उन्होंने किसी भी चुनौती को अपनी प्रगति में रोड़ा बनने का मौका नहीं दिया। वह एक दशक से अधिक समय से देश के लिए एक असाधारण मैच विजेता रहा है, और

उसने जो निरंतरता दिखाई है, वह शानदार है. इस तरह की सफलता के लिए अपने उद्देश्य के प्रति पूर्ण समर्पण की आवश्यकता है।''कुंबले ने आगे कहा कि अश्विन भारतीय प्रशंसकों द्वारा उनसे की गई भारी उम्मीदों से निपटने में सक्षम हैं। कुंबले ने खेल के बारे में विशेषकर प्रतिद्वंद्वी के खेल के बारे में अश्विन की परख की प्रशंसा की। कुंबले ने आगे कहा कि 'जब मैं भारतीय टीम का कोच था तब हमने एक साल तक एक साथ काम किया था। अश्विन पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरते है। जिन खिलाड़ियों के खिलाफ उनका मुकाबला था उनके बारे में वह पूरी जानकारी रखते थे।''

मंधाना ने डब्लूयपीएल खिताब जीतकर अहम उपलब्धि अपने नाम की

नई दिल्ली ।

स्मृति मंधाना ने अपनी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को महिला प्रीमियर लीग (डब्लूयपीएल) खिताब जिताकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। वहीं विराट कोहली की कप्तानी में पुरुष टीम एक बार भी ये खिताब नहीं जीत पायी थी। फाइनल से पहले मंधाना ने कहा था कि जो आरसीबी की पुरुष टीम के साथ हुआ है। उससे उनकी तुलना न करें दोनो ही बातें अलग हैं। आरसीबी ने मंधाना को तीन करोड़ 40 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा था। वह महिला आईपीएल में बिकने वाली सबसे महंगी खिलाड़ी हैं जिसका लाभ अब टीम को खिताब के रुप में मिला है। मंधाना की नेट वर्थ करीब 33 करोड़ रुपए के आस पास है। मंधाना को बीसीसीआई से सालाना 50 लाख रुपये का रिटेनर मिलता है। इसके अलावा इस क्रिकेटर को प्रत्येक टेस्ट, एकदिवसीय और टी20ई के लिए 4 लाख, 2 लाख और 2.5 लाख रुपये मिलते हैं।

मंधाना को ब्रांड एनडोर्समेंट से भी अच्छी कमाई होती है। वह बूस्ट, हीरो मोटोकोर्प जैसी और भी कंपनी का विज्ञापन करते हुए भी नजर आती है। मंधाना ने टेस्ट मैच में डेब्यू साल 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ किया था।. इसमें उन्होंने टीम को जिताने में मदद की थी जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। उन्होंने एकदिवसीय में डेब्यू बांग्लादेश के खिलाफ 10 अप्रैल 2013 को किया था।

अपने आप को धोनी के कर्जदार मानते है अश्विन

- अश्विन ने 17 साल पुराने किस्से को किया याद, बोले- तब मैं कुछ भी नहीं था

चेन्नई । भारतीय टीम के स्टार स्पिन गेंदबाज आर अश्विन ने 17 साल पहले हुए एक वाक्या को याद करते हुए एमएस धोनी की खूब प्रशंसा की। अश्विन ने कहा कि वे अभी तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2011 के फाइनल में महेंद्र सिंह धोनी द्वारा नयी गेंद सौंपकर दिखाए गए भरोसे को नहीं भूले हैं। जिसके कारण उनके करियर को नई दिशा मिली और इसके लिए वह खुद को पूर्व भारतीय कप्तान का कर्जदार मानते हैं। लीक से हटकर रणनीति बनाने में माहिर धोनी ने 2011 आईपीएल के फाइनल मैच में आर अश्विन को नई गेंद थमाई थी जिसका मान रखते हुए इस उभरते हुए ऑफ स्पिनर ने चौथी ही गेंद पर फॉर्म में चल रहे क्रिस गेल को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया था। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए चेपक की वो जादुई रात अश्विन के लिए बस एक शुरुआत थी और तब से एक दशक के उतार चढ़ाव भरे सफर में उन्होंने 100 टेस्ट खेल लिए हैं और खेल के पारंपरिक प्रारूप में 516 विकेट झटक लिए हैं। तमिलनाडु क्रिकेट संघ द्वारा 500 विकेट और 100 टेस्ट की दोहरी उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए आयोजित एक सम्मान समारोह के दौरान अश्विन उस पल को नहीं भूले हैं जब धोनी ने उन पर भरोसा दिखाया था। इस कार्यक्रम में अश्विन ने भावुक होते हुए कहा, 'मैं आम तौर पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए शब्दों की तलाश नहीं करता। मैं यहां आकर सच में इस सम्मान के लिए आभारी हूं.' अपने पहले आईपीएल कप्तान धोनी को श्रेय देते हुए अश्विन ने कहा, '2008 में चेन्नई सुपर किंग्स के ड्रेसिंग रूम में मैं सभी महान खिलाड़ियों मैथ्यू हेडन और एमएस धोनी से मिला। तब मैं कुछ भी नहीं था और मेरा उस टीम में खेलना जिसमें मुथैया मुरलीधरन थे.' बकौल अश्विन, 'धोनी ने मुझे जो दिया, उसके लिए मैं जिंदगी भर उनका कर्जदार रहूंगा। उन्होंने मुझे नई गेंद से मौका दिया जबकि सामने क्रिस गेल थे और 17 साल बाद अनिल भाई इसी घटना के बारे में बात कर रहे हैं। चेन्नई की टीम ने 2008 में अश्विन को स्थानीय स्पिनर के तौर पर शामिल किया था।

पाटीदार के टेस्ट फार्म का आईपीएल में असर नहीं पड़ेगा : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से पहले कहा है कि बल्लेबाज रजत पाटीदार इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये पर इससे ये नहीं कहा जा सकता कि वह आईपीएल में अच्छा नहीं खेल पायेंगे। आकाश ने कहा कि जो भी चिन्नास्वामी स्टेडियम तक पहुंचता है वह अपनी लय हासिल कर ही लेता है। वहीं आकाश ने कहा कि कप्तान डु प्लेसिस और विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के लिए टूर्नामेंट के पिछले सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहे थे और उनकी निरंतरता इस बार भी बनी रहेगी। चोपड़ा ने कहा कि बेंगलुरु स्थित फ्रेंचाइजी के पास बैकअप के रूप में इंग्लैंड के बल्लेबाजी ऑलराउंडर विल जैक भी हैं। चोपड़ा ने कहा, इस टीम में बैकअप के रूप में विल जैक भी हैं। इसलिए टीम के पास काफी विकल्प हैं। शीर्ष पांच या छह उतने अच्छे हैं जितना आप कर सकते हैं। फाफ और कोहली पिछले साल बहुत बेहतर थे और ग्लेन मैक्सवेल भी निखर गये थे। इसके अलावा टीम के पास कैमरून ग्रीन जैसा शानदार बल्लेबाज है। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि जो कोई भी चिन्नास्वामी स्टेडियम में आता है, वह अपनी फॉर्म वापस पा लेता है। उन्होंने कहा, उनकी बल्लेबाजी को देखें। शुरुआत में आपके डु प्लेसिस और विराट होंगे। उसके बाद ग्रीन और उसके बाद मैक्सवेल या पाटीदार आते हैं। ये पांच बेहतरीन बल्लेबाज हैं।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय हॉकी टीम में जगह बनाना चाहते हैं अराइजीत

नई दिल्ली । ड्रैग फ्लिकर और स्ट्राइकर अराइजीत सिंह हुंडल पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय हॉकी टीम में जगह बनाना चाहते हैं। उनके दादा और पिता भी हॉकी खिलाड़ी थे पर राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाये थे। अब अराइजीत इस सपने को पूरा करना चाहते हैं। अराइजीत ने कहा, 'अगर मैं पेरिस ओलंपिक टीम में जगह बना पाता हूं तो हमारे घर पर जश्न का माहौल रहेगा। सबके चेहरे पर ऐसी खुशी होगी जो मैंने भी कभी नहीं देखी होगी। मैं भी वैसी खुशी देखना चाहता हूं और टीम में जगह के लिए पूरी ताकत लगा दूंगा। अराइजीत अभी ओलंपिक तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले भुवनेश्वर में जारी राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास कर रहे हैं। इस खिलाड़ी ने इस साल दक्षिण अफ्रीका दौरे से सीनियर टीम में पदार्पण किया था। 20 साल के इस खिलाड़ी ने दिसंबर में कुआलालम्पुर में खेले गए जूनियर विश्व कप में कोरिया के खिलाफ एक हैट्रिक सहित भारत की ओर से सबसे अधिक चार गोल किए थे। उन्होंने कहा, 'मेरे परिवार का सपना है कि मैं ओलंपिक खेलूं। दादाजी हॉकी खेलते थे। पापा के तीन भाई थे और सभी राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी खेले हैं। सभी को हॉकी के आधार पर ही नौकरी मिली पर भारतीय टीम में कोई जगह नहीं बना सका। उन्होंने कहा, 'मेरे पापा 1999 में राष्ट्रीय शिविर में थे लेकिन पारिवारिक कारणों से उन्हें बीच में शिविर छोड़कर जाना पड़ा। अंत में अब मैं ही रह गया हूं क्योंकि मेरे अलावा अब परिवार में कोई नहीं खेलता पर मुझे भरोसा है कि मैं उनके सपने पूरे करूंगा। अराइजीत ने कहा कि सीनियर स्तर पर खेलना बिल्कुल अलग होता है। मैंने तीन चार साल जूनियर हॉकी खेली और दो विश्व कप भी खेल चुका हूं। पिछले विश्व कप में मेरे प्रदर्शन को देखकर ही सीनियर टीम में जगह मिली है। उन्होंने कहा, 'मुझे दक्षिण अफ्रीका में पदार्पण का मौका मिला और फिर भारत में एफआईएच प्रो लीग में नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ अवसर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

आठ अप्रैल को होगा आरसीए अध्यक्ष पद का चुनाव

जयपुर । राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव अगले माह 8 अप्रैल को होंगे। इसके लिए नामांकन 4 अप्रैल से शुरु होगा। आरसीए से वैभव गहलोत के इस्तीफे के बाद से ही धनंजय सिंह कार्यवाहक अध्यक्ष के तौर पर काम कर रहे थे। वहीं अब स्थायी अध्यक्ष के लिए चुनाव प्रक्रिया अपनाई जा रही है। आरसीए के सचिव की ओर से जारी की गई सूची में धनंजय सिंह खींवसर अध्यक्ष पद के दावेदार हैं। प्रदेश में सरकार बदलने के बाद पिछले महीने फरवरी 2024 में चूरू जिला क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव हुए थे। आरसीए के तत्कालीन अध्यक्ष वैभव गहलोत ने उपाध्यक्ष शक्ति सिंह को चूरू भेज कर चुनाव प्रक्रिया कराई थी। चुनाव में पराक्रम सिंह राठौड़ चूरू जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष निर्वाचित हुए लेकिन आरसीए के सचिव भवानी सिंह सामोता ने इस चुनाव परिणाम को मानने से इनकार कर दिया। आरसीए के चुनाव में प्रदेश के सभी 33 जिला संघों के पदाधिकारी चुनाव लड़ सकते हैं लेकिन मतदान का अधिकार केवल जिला सचिव के पास है। 33 जिला सचिवों के साथ दो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गगन खोड़ा और पंकज सिंह भी मतदाता हैं। ऐसे में कुल 35 व्यक्ति मतदान कर सकते हैं। जिला अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी चुनाव तो लड़ सकते हैं लेकिन वे मतदान नहीं कर सकते।15 मार्च को आरसीए सचिव की ओर से वोटर लिस्ट जारी की गई है। अब 27 से 29 मार्च तक वोटर लिस्ट पर आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। 1 और 2 अप्रैल को आपत्तियों पर सुनवाई होगी। 3 अप्रैल को चुनाव अधिकारी फाइनल वोटर लिस्ट जारी करेंगे। इसके बाद 4 अप्रैल को नोटिफिकेशन जारी होगा और इसके साथ ही नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होगी। 7 अप्रैल तक नाम वापस लिए जा सकेंगे वहीं आठ को मतदान होगा।

ईशान किशन ने मैदान गंदा करने वालों को सुनाई खरी-खरी

मुंबई । आईपीएल के इस सीजन में विवादों में घिरे क्रिकेटर ईशान किशन के पास शानदार प्रदर्शन करके खुद को फिर से साबित करने का एक सुनहरा मौका है। यह सीजन 22 मार्च से शुरू होने जा रहा हैं। विवादों के चलते दुनिया की सबसे महंगी टी-20 लीग से पहले यह बल्लेबाज कुछ उखड़ा-उखड़ा सा नजर आ रहा है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस फ्रैंचाइजी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से ईशान किशन का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए प्रैक्टिस सेशन के दौरान पानी की बोतलें इधर-उधर न फेंकने का आग्रह कर रहे हैं। मुंबई इंडियंस द्वारा शेयर किए गए वीडियो में ईशान किशन ने कहा, हर कोई अभ्यास के लिए आता है। लेकिन जहां भी वे जाते हैं, उन्हें हर जगह पानी की बोतलें नहीं फेंकनी चाहिए। कोशिश करें और अपने मैदान को साफ रखें। बस छोटी चीजें और आप हर चीज में सुधार करेंगे। छोटे बदलाव भी महत्वपूर्ण हैं, जो आपको करना चाहिए। इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और अपनें कमेंट्स और लाइक्स की लाइन लगा दी हैं। गौरतलब है कि रणजी ट्रॉफी सहित राष्ट्रीय और घरेलू मुकाबले से बाहर रहना ईशान किशन को उस वक्त भारी पड़ा, जब बीसीसीआई ने अपने सैंट्रल कॉन्ट्रेक्ट से उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। अब यह युवा विकेटकीपर बल्लेबाज आईपीएल में शानदार कमबैक के साथ सिलेक्टर्स का ध्यान खिंचना चाहता हैं। पिछले सीजन में, मुंबई इंडियंस ने प्लेऑफ में जगह बनाई थी, लेकिन गुजरात टाइटंस ने उसे हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था।

अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह बनाना चाहता हूं : जुरेल

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचने वाले युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल का कहना है कि वह अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। पदार्पण के बाद से ही जिस प्रकार जुरेल ने खेला है उससे उनकी तुलना पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से हो रही है। इसको लेकर इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि धोनी से किसी की भी तुलना नहीं हो सकती। साथ ही कहा कि धोनी की कोई भी खिलाड़ी बराबरी नहीं कर सकता। धोनी केवल एक हैं और एक ही रहेंगे। जुरेल ने हाल में इंग्लैंड के खिलाफ संपन्न 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके साथ ही उनकी विकेटकीपिंग भी अच्छी रहीं। बल्लेबाजी में भी जुरेल ने दबाव के अवसरों पर अपनी उपयोगित साबित क। वह डीआरएस लेने के मामले में भी कप्तान रोहित शर्मा को सलाह देते दिखे। इसी कारण पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने उनकी प्रशंसा करते हुए धोनी से तुलना कर दी थी। उन्होंने इसपर गावस्कर को धन्यवाद दिया और साथ ही कहा कि व्यक्तिगत तौर पर मेरा मानना है कि धोनी सर ने जो किया उसे कोई भी दोहरा नहीं सकता। जुरेल ने कहा, ' धोनी तो एक ही हैं। हमेशा थे और सदा रहेंगे। मेरे लिए, मैं केवल ध्रुव जुरेल बनना चाहता हूं. मैं जो कुछ भी करता हूं, ध्रुव जुरेल के रूप में करना चाहता हूं पर धोनी सर एक लीजेंड हैं और वह हमेशा ऐसे ही रहेंगे।' जुरेल ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट ही असली क्रिकेट है और इंडिया का कैप हासिल करना उनका सपना था जो सच हो गया। मुझे भरोसा था कि मैं किसी दिन टेस्ट क्रिकेट खेलूंगा और यह हो गया है। मेरे लिए यह एक सपने के सच होने जैसा रहा।' वह हमेशा से टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते थे

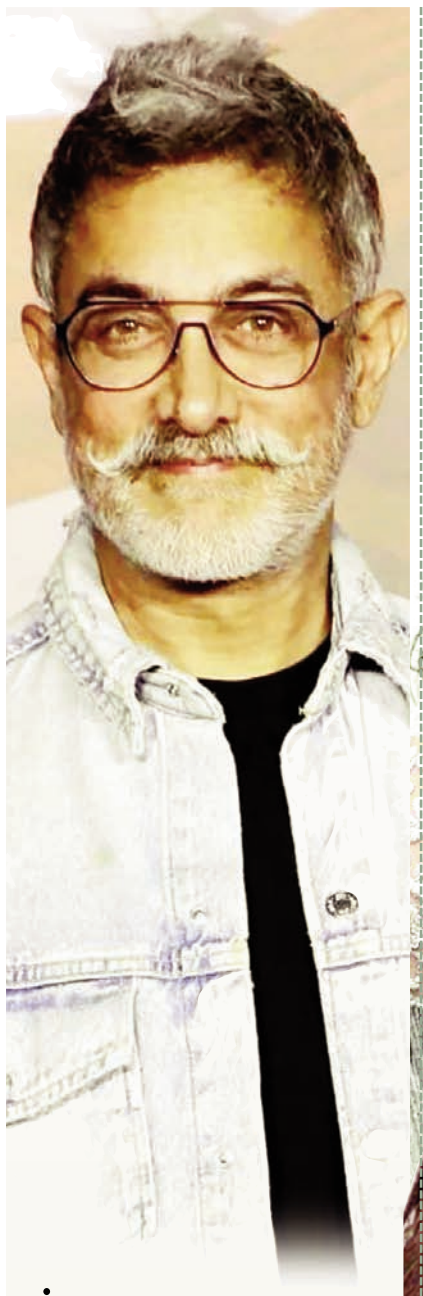

अंदाज अपना-अपना 2 की स्क्रिप्ट पर हो रहा है काम

आमिर खान हाल ही में सोशल मीडिया पर लाइव आए थे। इस लाइव वीडियो में एक्टर ने अपनी अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर के बारे में बात की। अभिनेता ने लाइव आकर अपने फैंस को एक सरप्राइज दिया।

आमिर ने अपनी फ्लॉप फिल्म 'अंदाज अपना अपना' के सीक्वल को लेकर संकेत दिया। गौरतलब है कि साल 1994 में प्रदर्शित हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई थी। हालांकि, बाद में लोगों ने इस फिल्म को खूब पसंद किया। आईएमडीबी पर इस फिल्म को 8 रेटिंग मिली है। अभिनेता ने कहा, 'फिल्म निर्माता राजकुमार संतोषी अंदाज अपना अपना-2 की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि उन्होंने इसके बारे में सोचना शुरू किया क्योंकि मुझे लगता है कि यह हम सभी के लिए और दर्शकों के देखने के लिए एक बेहतरीन फिल्म होगी। लाइव के दौरान जब एक प्रशंसक ने आमिर से पूछा कि वह उन्हें सलमान और शाहरुख के साथ सिल्वर स्क्रीन पर कब देख पाएंगे? तब आमिर ने कहा, मुझे भी लगता है कि हमें साथ काम करना चाहिए। अभी जब हम तीनों साथ में थे तब शाहरुख, सलमान और मैं भी सोच रहे थे कि हमें अपने करियर में एक ऐसी फिल्म करनी चाहिए जिसमें हम तीनों रहें। हमें कोशिश करनी चाहिए कि हम अपने लिए और अपने दर्शकों के लिए एक साथ फिल्म करें। अब देखते हैं क्या होता है। मुझे उम्मीद है कि अगर कोई अच्छी स्क्रिप्ट ऑफर हुई तो हम जरूर करेंगे। मुझे लगता है कि हम तीनों भी एक-दूसरे के साथ काम करने के लिए बहुत उत्सुक हैं।

दोबारा कभी डांस नंबर नहीं करूंगी

सामंथा रुथ प्रभु का ऊ अंटावा साल 2021 का एक मशहूर गाना साबित हुआ। उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया कि वे गाने के पहले शॉट के वक्त कांप रही थीं। उन्होंने दोबारा डांस नंबर नहीं करने का फैसला भी किया है। सामंथा ने बताया कि ऊ अंटावा करने और द फैमिली मैन में राजी की भूमिका निभाने का डिसिजन एक-जैसा था। उन्हें बाहरी प्रभावों के बिना अपने डिसिजन लेने का फ्रीडम पसंद है। सामंथा ने कहा कि मैंने ऊ अंटावा करना इसलिए चुना क्योंकि वह प्रदर्शन की एक नई शैली तलाशना चाहती थीं। हालांकि शुरुआत में वे गाने को लेकर अनकंफर्टेबल महसूस हुई थीं। उन्हें खुद पर कॉन्फिडेंस नहीं आ पा रहा था। सामंथा ने कहा- मैंने हमेशा इस सोच से काम किया है कि मैं बहुत अच्छी नहीं हूं। मैं सुंदर नहीं लगती। मैं दूसरी लड़कियों की तरह नहीं दिखती। इसलिए मेरे लिए, यह एक बड़ी चुनौती थी। वास्तव में जब ऊ अंटावा का पहला शॉट था... उस वक्त मैं डर से कांप रही थी। क्योंकि सेक्सी लगना मेरी लिए आसान नहीं था। ये गाना परफॉर्म करना कुछ ऐसा था, जो मैंने इसके पहले कभी नहीं किया था। मैं हमेशा से खुद को अनकंफर्टेबल, मुश्किल और असुविधाजनक परिस्थितियों में डालती हूं।

दोबारा कभी डांस नंबर नहीं करूंगी

जब सामंथा से पूछा गया कि क्या वे दोबारा कोई डांस नंबर करेंगी? उन्होंने कहा- नहीं, मुझे अब इसमें कोई चुनौती नजर नहीं आती। उन्होंने यह भी कहा कि इस गाने को अपनाने के पीछे उनका उद्देश्य इस मैसेज को आगे बढ़ाना था कि जो महिलाएं अच्छी दिखना चाहती हैं, उन्हें लोगों के जजमेंट से आगे बढ़ना चाहिए। सामंथा बोलीं- मुझे लगता है कि, मेरे लिए गाने की लीरिक्स चुनौतीपूर्व थी। मुझे लगता है कि हम महिलाओं को अच्छा दिखने की चाहत के आधार पर जजमेंट से आगे बढ़ना चाहिए। असल में ऐसा कुछ भी नहीं है जो हम नहीं कर सकते हैं।

सामंथा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

सामंथा रुथ प्रभु को आखिरी बार रोमांटिक ड्रामा फिल्म खुशी में देखा गया था, जिसमें विजय देवरकोंडा लीड रोल में थे। सामंथा की अपकमिंग फिल्म सिटाडेल है, जिसमें वरुण धवन उनके साथ लीड रोल में नजर आने वाले हैं। इसका निर्देशन राज और डीके ने किया है।

धर्मा प्रोडक्शंस की नादानियां में नजर आएंगी खुशी कपूर

अभिनेत्री खुशी कपूर ने जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। वहीं अब वे निर्देशक शाउना गौतम की आगामी फिल्म में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में खुशी कपूर के साथ सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान को मुख्य भूमिका के लिए चुना गया है। वहीं, खबर है कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले नादानियां नाम की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म का निर्माण हो रहा है, जिसमें खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान मुख्य भूमिका में हैं।

हालांकि, अभी तक इस पर आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। शाउना गौतम के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर करण जौहर भी काफी उत्साहित हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल से इस फिल्म के मुहूर्त शॉट को भी साझा किया था। शाउना इससे पहले रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में भी सहायक निर्देशक का काम कर चुकी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, खुशी और इब्राहिम की इस फिल्म को सीधे ओटीटी पर रिलीज किया जाएगा। वहीं इस फिल्म में सुनील शेट्टी के भी शामिल होने की खबरें हैं।

एआर रहमान ने संगीत में एआई के इस्तेमाल को ठहराया सही

दिग्गज संगीतकार एआर रहमान ने रजनीकांत की फिल्म लाल सलाम के ऑडियो म्यूजिक में दो दिवंगत गायकों की आवाज का इस्तेमाल किया। उन्होंने गायक बंबा बाक्या और शाहुल हमीद की आवाजों को एआई की मदद से रिक्रिएट किया। नई तकनीक का इस्तेमाल कर पुरानी यादें ताजा करने के रहमान के प्रयास की कुछ लोगों ने खूब तारीफ की। लेकिन, इसे लेकर एआर रहमान की काफी आलोचना भी हुई। मामले ने काफी तूल पकड़ा। अब इस मामले में एआर रहमान ने अपना बचाव किया है। हाल ही में द गोट लाइफ के म्यूजिक लॉन्च के दौरान ए आर रहमान ने मीडिया से म्यूजिक इंडस्ट्री में एआई के आगमन का बचाव कते हुए कहा कि एआई को नौकरियों पर खतरे की बजाय इसे आगे बढ़ने के लिए एक टूल के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

एआर रहमान ने आगे कहा, टेक्नोलॉजी में हर दिन एक सरप्राइज सामने आ रहा है और यह निश्चित रूप से अचानक नहीं है। मुझे याद है जब मैंने 1984 में एक कंप्यूटर खरीदा था, तो सभी ने सोचा था कि हम सभी अपनी नौकरियां खोने वाले हैं। इसी तरह यह है। इसे आप जितना ज्यादा सुनेंगे, इसका अस्तित्व दिखेगा। मुझे लगता है कि एआई का इस्तेमाल आगे बढ़ने में किया जा सकता है। एआर रहमान ने कहा, एआई के जरिए हम आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का उत्थान कर सकते हैं। कला और विज्ञान के क्षेत्र में प्रतिभाओं को शिक्षित और पोषित कर सकते हैं। उनके पास अब एआई जैसे टूल्स मौजूद हैं, ऐसे में उन्हें कई वर्षों तक अध्ययन में जुटे रहने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि एआई का इस्तेमाल करने का सबसे बेहतर तरीका लोगों को नौकरी से निकालना नहीं, बल्कि उनके जीवन में सुधार और जीवन को बेहतर बनाना है।

क्रू के ट्रेलर लॉन्च में तब्बू ने की शिकायत

तब्बू, करीना कपूर और कृति सेनन की आगामी फिल्म क्रू का ट्रेलर आज लॉन्च हो गया है। एक भव्य इवेंट में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया है, जो काफी मजेदार है। इस मौके पर तीनों अदाकाराएं नजर आईं और एक-दूसरे के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। तब्बू से पूछा गया, फिल्म भोला हो या दृश्यम आप कोई फिल्म कैसे चुनती हैं? कितनी रिसर्च करती हैं? तब्बू ने इसका जवाब देते हुए कहा, मुझे फिल्मों में डांटने के लिए लिया जाता है। या तो मैं डांट रही होती हूं या मुझसे गाली दिलवाते हैं।

करीना से पूछा गया कि बकिंघम मर्डर्स, सिंघम अगेन हो या क्रू...शानदार प्रोडक्शन से आपका नाम जुड़ा है। अब इस फिल्म को लेकर क्या दिलचस्प है? इस पर करीना ने कहा, हम सभी सुपर एक्साइडेट हैं। तब्बू के साथ पहली बार काम किया। लोलो ने तब्बू के साथ काफी काम किया है, लेकिन मैं पहली बार काम कर रही हूं। कृति के साथ काम करना मजेदार रहा।

कृति से पूछा गया कि फिल्म में तब्बू-करीना के साथ काम करना कैसा रहा? कृति ने कहा, हम तीनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। जब भी कोई महिला वाली फिल्म आती है तो लोग सोचते हैं कि यह सीरियस होगी, कोई मुद्दा होगा, लेकिन यह फिल्म देखकर लगेगा कि महिलाएं कॉमेडी भी कमाल की कर सकती हैं। फिल्म के निर्देशक राजेश ए कृष्णन ने कहा, फिल्म में लीड रोल हीरोइनें अदा कर रही हैं। यह अनुभव काफी अलग और दिलचस्प रहा। तब्बू ने 95 से ज्यादा फिल्में की हैं, करीना ने 75 से ज्यादा फिल्में की हैं और कृति ने 18 से ज्यादा फिल्में की हैं। इन्हें निर्देशन की कोई जरूरत नहीं है।

मैं अटल हूं के बाद अब मैं अधिक लोकतांत्रिक हो चुका हूं

पंकज त्रिपाठी देश के सबसे प्रतिभावान अभिनेताओं में से एक हैं। अपनी अदाकारी से वे लाखों दिलों पर राज करते हैं। उनकी फिल्म मर्डर मुबारक इस शुक्रवार को रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस की खूब सराहना हो रही है। इस बीच पंकज त्रिपाठी की फिल्म मैं अटल हूं भी ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका में नजर आए थे। रवि जाधव के निर्देशन में बनी इस फिल्म पर हाल ही में बात करते हुए अभिनेता ने कहा कि फिल्म में काम करने के बाद एक व्यक्ति के रूप में उनमें काफी सुधार हुआ है।

उन्होंने कहा, अटल जी का रोल पर्दे पर निभाने के बाद मैं सहानुभूति और करुणा के मामले में एक बेहतर इंसान बन गया हूं। मुझे लगता है कि मैं अंदर से अधिक लोकतांत्रिक हो गया हूं। मुझे यह समझ आ गया है कि अगर कोई व्यक्ति मुझे नापसंद करता है तो जरूरी नहीं है कि मैं भी उसे नापसंद नहीं करूंगा।अब मैं मेरी आलोचना करने वालों की प्रशंसा करता हूं और उन्हें ऐसा करने की पूरी आजादी देता हूं। मुझे उन लोगों से अब शिकायत नहीं रहती जिन्हें मैं या मेरी फिल्म पसंद नहीं आती। इससे पहले भी पंकज त्रिपाठी पूर्व पीएम की जमकर तारीफ कर चुके हैं। अभिनेता ने अपने एक बयान में कहा था कि अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका निभाने का मौका मिलना अपने आप में एक सम्मान की बात थी। उनकी बोली, उनकी जीवनशैली और भारत के प्रति उनके दृष्टिकोण को समझने के लिए हमें कई रीडिंग सेशन से गुजरना पड़ा था। मर्डर मुबारक की बात करें तो फिल्म में विजय वर्मा, सारा अली खान, संजय कपूर और करिश्मा कपूर जैसे सितारे नजर आए हैं । फिल्म को लोगों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इस नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जा सकता है।

सबने कहा वीर सावरकर पर फिल्म मत करो, इसलिए फिल्म करने की जिज्ञासा बढ़ी

इन दिनों रणदीप हुड्डा अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। वे एक तरफ लिन लैशराम से अपनी शादी तो दूसरी तरफ 'स्वतंत्र्य वीर सावरकर' फिल्म को लेकर खबरों में बने हैं। हिंदी और मराठी भाषा में 22 मार्च को सिनेमाघर में रिलीज होने जा रही इस फिल्म से रणदीप पहली बार निर्देशक भी बन गए हैं। फिल्म में निर्देशन सहित अभिनय, सह-लेखन और निर्माण के साथ-साथ अपनी शादीशुदा लाइफ पर रणदीप से दैनिक भास्कर से खास बातचीत की है।

रणदीप हुड्डा ने कहा कि लोगों ने शुरुआती समय में उन्हें फिल्म करने के लिए मना किया था। लोगों ने कहा कि पॉलिटिकल पर्सन पर फिल्म करके कॉन्ट्रोवर्सी में फंस जाओगे। ये सब बात सुनकर रणदीप हुड्डा के मन में एक जिज्ञासा जगी और उन्होंने फिल्म करने के लिए हामी भर दी।

स्वातंत्र्य वीर सावरकर' का ऑफर आया, तब पहली प्रतिक्रिया क्या थी?

पहली चीज यह लगी कि मैं वीर सावरकर जैसा दिखता नहीं हूं। दूसरा, मेरे शुभचिंतक बोल रहे थे कि सावरकर जी पर फिल्म मत करो। तुम एक उम्दा कलाकार हो, तुम सावरकर जी की तरह खामखां एक पॉलिटिकल पर्सन बन जाओगे, कंट्रोवर्सी होगी। इन बातों से मेरी जिज्ञासा और बढ़ी।

खुद के डायरेक्शन में एक्टिंग करके कैसा फील हुआ?

मुझे काम करते हुए दो दशक से ऊपर हो गया है। अपने करियर के शुरुआत से ही सीन ओके होने के बाद कभी जाकर मॉनिटर नहीं देखता कि कैसा परफॉर्म किया है। अंदर से एक आवाज आ जाती थी। इसमें निर्देशक भी मैं ही था, सो पता था कि क्या चाहिए। कई बार मैं अपना ही शॉर्ट लेना भूल जाता था, क्योंकि दूसरे कामों में बिजी रहता था। एक अभिनेता के तौर पर कम और निर्देशक के तौर पर ज्यादा जुड़ा रहा।

फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर के लिए काफी वजन कम किया। इस बारे में विस्तार से बताइए?

मैंने काफी पहले से वजन कम करना शुरू कर दिया था। दरअसल कुछ समय पहले मेरा घुटना टूट गया था। इस वजह से 8 सप्ताह बिस्तर पर पड़ा रहा। बिस्तर पर पड़े-पड़े मेरा वजन बढ़ गया। फिर मैंने दोबारा वजन कम किया, तब उसमें मेरी जान निकल गई। यह कम वजन इतना समय के लिए चला कि इसमें मेरी बॉडी काफी चोट खा गई। कम से कम दो साल तक मैं अंडरवेट रहा। अंडरवेट मतलब यूजुअली मैं 90 किलो के आसपास होता हूं, लेकिन इस पिक्चर के दौरान मैं 60-65 किलो का था। इतना अंडरवेट रहने से मेरे जॉइंट में दर्द होना शुरू हो गया था। 25-30 किलो कम वजन करके एक-दो महीना निकाल सकते हैं, लेकिन दो साल तक अंडरवेट रहना तकलीफदेह हो गया।

आपका कहना है कि डायरेक्टर के हाथ की कठपुतली नहीं हूं। ऐसे में डायरेक्टर के साथ का तालमेल कैसे बिठाते हैं?

सेट पर डायरेक्टर के साथ कभी मेरी ज्यादा बातचीत होती नहीं है। मेरा मानना है कि जितनी बातें करना है, टकराव करना है, वह सब पहले कर लो। फिल्म की शूटिंग शुरू करने के बाद हम दोनों को पता होता है कि हम क्या कर रहे हैं। उसमें थोड़ा इधर-उधर होता है। अगर हम कहीं पहुंच नहीं पा रहे हैं, तब डायरेक्टर आपकी मदद करता है। लेकिन सेट पर जाने के बाद करना क्या है, इस बारे में बातें नहीं होती हैं।